CMYK

news@group5.in group5news group5news

www.group5news.com

सदैव आपके साथ...

हिन्दी दैनिक

ग्रुप-5 समाचार

www.group5news.com/epaper

लखनऊ || गुरुवार || 24 अप्रैल , 2025 वर्षः 17 || अंक : 124 || पृष्ठः 12 || मूल्यः 2/-

अंदर पढ़ें
» 07 3 साल से घाटे में है इंटेल , इस हफ्ते कर रही ...
» 08 केएल राहुल और विराट कोहली के बीच हैरतअंगेज...
» 11 दीपिका भी होंगी फिल्म का हिस्सा?

सब कुछ थमा, अशांत हो गई बैसरन घाटी

27 पर्यटकों का खून माफ नहीं करेगा हिंदुस्तान

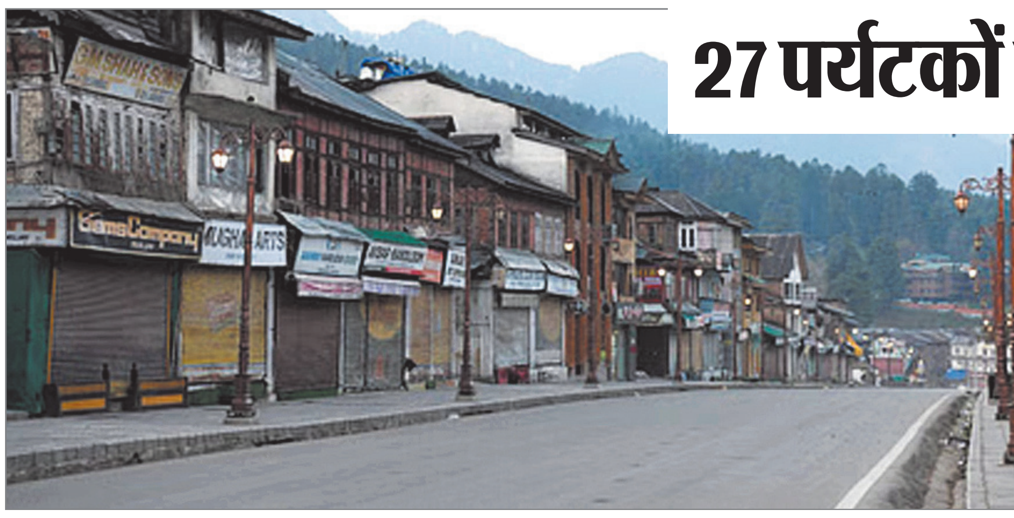

- जांच में खुलासा-पहलगाम हमले में 2 लोकल, 3 पाकिस्तानी आतंकी शामिल
- पाक को सबक सिखाने की तैयारी...पीएम निवास में बैठक,शाह, राजनाथ, डोभाल मौजूद
- पहलगाम अटैक के 3 संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी

श्रीनगर/नईदिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने बर्बरता दिखाते हुए निर्दोष पर्यटकों को नाम और धर्म पूछकर गोलियों से भून डाला। आतंकी हमले के खिलाफ पूरे देश में गुस्सा है, तो केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार आतंकवादियों को कड़ी सबक सिखाने की तैयारी में जुट गई है। 27 पर्यटकों का खून माफ नहीं करेगा हिंदुस्तान और आतंकियों और उसके आका पाक को सबक सिखाने की तैयारियां शुरु होगई थी। सुरक्षा मामलों पर कैबिनेट की बैठक प्रधानमंत्री आवास में जारी थी। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ, एनएसए अजित डोभाल मौजूद हैं। जम्मू-कश्मीर में 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा अटैक के बाद ये सबसे बड़ा हमला है। हमले के कुछ देर बाद श्रीनगर पहुंचे थे गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पहलगाम का एरियल सर्वे किया और बैसरन में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एयरफोर्स के एक कार्यक्रम में कहा- पहलगाम हमले के विरोध में जोरदार तरीके से एक्शन नजर आएगा। आतंकियों को छोड़ा नहीं जाएगा। उचित समय पर भारत जवाब देगा।

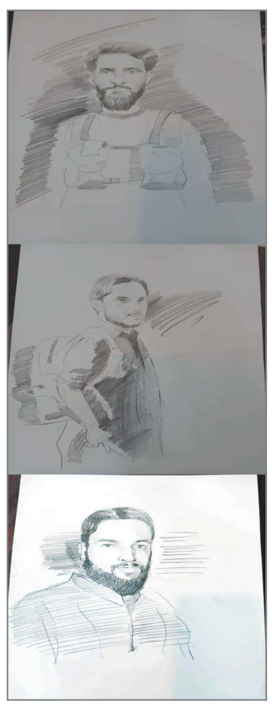

दरिंदों के स्केच जारी

सुरक्षा और इंटेलिजेंस एजेंसियों ने पहलगाम अटैक के संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी किए हैं। इनके नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबु तल्हा बताए गए हैं। इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि हमले का मास्टर माइंड लश्कर-ए तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद है, जो पाकिस्तान में मौजूद है। इधर, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी भी जांच के लिए पहलगाम पहुंच गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि हमले में 5 आतंकी शामिल थे। इनमें से दो लोकल और 3 पाकिस्तानी आतंकी थे। पुलिस ने पूछताछ के लिए सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया है।

राष्ट्रपति समेत कई नेता, अभिनेताओं, खिलाड़ियों ने गहरा दुख जताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा, जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला, पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती, असदुद्दीन ओवैसी, अक्षय कुमार, समेत कई नेता और सेलेब्रिटीज ने आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और दुख वयक्त किया है...। राष्टपति मुर्मू ने कहा- यह एक नृशंस और अमानवीय कृत्य राष्टपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इस हमले पर दुख जताया है।

प्रधानमंत्री ने कहा-

उनका नापाक मंसूबा कभी कामयाब नहीं होगा – पीएम मोदी ने कहा– पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। इस घिनौने कृत्य के पीछे जो भी लोग हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक मंसूबा कभी कामयाब नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा।

अमित शाह ने मृतकों को श्रद्धांजलि दी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर में पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद शाह बैसरन घाटी पहुंचे। यहां उन्होंने हमले के पीड़ितों से बातचीत की और अधिकारियों से जानकारी ली। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब का दो दिन दौरा छोड़ बुधवार सुबह भारत लौट आए हैं। वे सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक करेंगे। शाह ने हमले में मारे गए लोगों के लिए मुआवजे का एलान, गृहमंत्री ने की घायलों से मुलाकात की।

म.प्र.- राजस्थान सहित 14 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट

- छत्तीसगढ़ में लू से मजदूर की मौत; 12 राज्यों में आंधी-बारिश

नईदिल्ली (एजेंसी)। अगले 5 दिन राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली सहित कई राज्यों में तापमान 5 डिग्री तक बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने बुधवार को दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश सहित 14 राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की है। इस दौरान कई राज्यों में तापमान 3-5 डिग्री तक बढ़ सकता है। उत्तर प्रदेश में अगले 5 दिन में अधिकतम तापमान 47 डिग्री पहुंचने का

अनुमान है। राजस्थान के 4 जिलों में लू का यलो अलर्ट है। 14 शहरों में मंगलवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर पहुंच गया था। वहीं, एमपी के 6 जिलों में हीटवेव के आसार है। खजुराहो, नौगांव, पन्ना, सीधी में तापमान 45 डिग्री या इससे अधिक रह सकता है। उधर, छत्तीसगढ़ में मंगलवार को बीजापुर-तेलंगाना बॉर्डर पर लू से एक मजदूर की मौत हो गई।

तुर्किये के इस्तांबुल में 6.2 तीव्रता का भूकंप

- 1 घंटे में भूकंप के 3 बड़े झटके, मरमारा सागर में था भूकंप का केंद्र

अंकारा (एजेंसी)। तुर्किये के इस्तांबुल में आज 6.2 तीव्रता का एक बड़ा भूकंप आया। इसका केंद्र इस्तांबुल के पास मरमारा सागर में था। तुर्किये की इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने बुधवार को बताया कि भूकंप से अभी तक किसी तरह के नुकसान या चोट की कोई खबर नहीं है।

जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने भी भूकंप की पुष्टि की है और कहा है कि भूकंप जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भूंकप से शहर और आसपास के इलाकों में बड़े झटके महसूस किए गए। लोकल मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक भूकंप का सेंटर सिलिवरी के नजदीक था, जो तटीय क्षेत्र है और भूकंपीय एक्टिविटी के लिए जाना जाता है।

पहला भूकंप 3.9 तीव्रता का था और स्थानीय समयानुसार 12:13 बजे सिलिवरी जिले के तट पर आया।

दूसरा भूकंप 6.2 तीव्रता का था और स्थानीय समयानुसार 12:49 बजे उसी इलाके में आया।

तीसरा 4.4 तीव्रता का भूकंप स्थानीय समयानुसार 12:51 बजे इस्तांबुल के बुयुकचेकमेस जिले में आया ।

पाकिस्तान का सैफुल्लाह खालिद पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड

- पीओके से ऑपरेट कर रहा; कहा था- पाकिस्तान सरकार कश्मीर मुद्दा ठंडा न पड़ने दे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर आतंकी हमले में अब तक 27 पर्यटक मारे गए और 20 से ज्यादा लोग घायल हैं। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के यूनिट द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। इंटेलिजेंस का दावा है कि टीआरएफ आतंकी सैफुल्लाह खालिद पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड है। वह सैफुल्लाह कसूरी के नाम से भी जाना जाता है। सैफुल्लाह लश्कर-ए-तैयबा का डिप्टी चीफ है। उसे लश्कर के संस्थापक आतंकी हाफिज सईद का बेहद करीबी माना जाता है। सैफुल्लाह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के रावलकोट का रहने वाला है। वहीं से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों को ऑपरेट कर रहा था। उसने मार्च में एक भाषण दिया था, जिसका वीडियो सामने आया है। इसमें वह सख्त लहजे में पाकिस्तान सरकार से कश्मीर मुद्दा शांत न पड़ने देने की बात कह रहा है। सैफुल्लाह का ये भाषण मार्च 2025 का बताया जा रहा है। हालांकि, इसकी तारीख और लोकेशन का पता नहीं है।

हरियाणा के लेफ्टिनेंट से लिपटकर रो पड़ी पत्नी

- बोली- आई एम प्राउड ऑफ यू, जय हिंद कहकर सैल्यूट किया

करनाल (एजेंसी)। दिल्ली एयरपोर्ट पर पति की पार्थिव देह देखकर पत्नी हिमांशी भावुक होकर लिपट गई। करनाल में पार्थिव शरीर को ले जाने के लिए फूलों से सजाया वाहन।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों की गोली से कत्ल हुए करनाल के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की नवविवाहित पत्नी उनकी पार्थिव देह से लिपटकर रो पड़ी। विनय का शव करनाल लाने से पहले दिल्ली एयरपोर्ट पर लाया गया था। जहां गुरुग्राम की रहने वाली पत्नी हिमांशी ने विनय के लिए कहा- आई एम प्राउड ऑफ यू (मुझे आप पर गर्व है)। हिमांशी ने विनय को सैल्यूट करते हुए जय हिंद कहा।

आतंकियों ने अभी ही क्यों किया कश्मीर हमला

- मोदी सऊदी में थे, अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत में है,ट्रेन चलने वाली, क्या पाक सेना प्रमुख ने पहले ही दिया संकेत

नईदिल्ली (एजेंसी)। 22 अप्रैल 2025 को जब पीएम नरेंद्र मोदी सऊदी अरब दौरे पर थे और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत में मौजूद थे, उसी दिन जम्मू-कश्मीर में आतंकियों ने बड़ा हमला कर दिया। 25 साल पहले जब अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन भारत आए थे, तब भी ऐसा आतंकी हमला हुआ था। सवाल उठता है कि कश्मीर में अभी हमला होना क्या सिर्फ एक संयोग है या आतंकियों की सोची-समझी रणनीति।

कश्मीरी बोले- टूरिस्ट नहीं लौटे तो बर्बाद हो जाएंगे

- टेरर अटैक के बाद घाटी खाली- बुकिंग्स कैंसिल; लौट रहे पर्यटक

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 27 टूरिस्ट की जान ले ली। यही बात सबसे हैरान करने वाली है। जम्मू-कश्मीर में सैकड़ों आतंकी हमले हुए, लेकिन टूरिस्ट कभी टारगेट नहीं रहे। इसकी वजह थी कि कश्मीर घूमने आने वालों से ही कश्मीरियों के घर चलते हैं। और आतंकी भी ये बात जानते हैं। टूरिस्ट अब कश्मीर छोड़ रहे हैं। बुकिंग कैंसिल करवा रहे हैं। टूरिज्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग यही सोच रहे हैं कि मुश्किल से पटरी पर आ रहा उनका कारोबार इस झटके से कैसे उबरेगा। हालांकि उनका कहना कि हमें पता था ऐसी घटना के बाद ये होगा।

पहलगाम अटैक पर पाकिस्तान को थैंक यू बोलने वाला गिरफ्तार

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद बोकारो पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक ने हमले के बाद सोशल मीडिया एक्स पर पाकिस्तान को थैंक्यू लिखा था। युवका का नाम मो. नौशाद है। उसके पिता का नाम मो मुश्ताक है। चास थाने की पुलिस ने उसे मिल्लतनगर से अरेस्ट किया है

पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले का विरोध

- प्रदर्शनकारियों ने एसएससी चेयरमैन को 40 घंटे ऑफिस में बंद रखा; कोलकाता हाईकोर्ट में सुनवाई आज

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में डब्ल्यूबीएसएससी के मुख्यालय का घेराव कर रहे प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने आयोग के चेयरमैन सिद्धार्थ मजूमदार को 40 घंटे बाद कार्यालय से जाने दिया। सिद्धार्थ मजूमदार 21 अप्रैल की रात से ही मुख्यालय के अंदर फंसे हुए थे। मजूमदार को 2016 SSC भर्ती परीक्षा की OMR शीट पेश करने से संबंधित सुनवाई के सिलसिले में बुधवार को कलकत्ता हाई कोर्ट में पेश होना है। प्रदर्शनकारियों ने कहा, हमारा धरना जारी रहेगा। अदालती कार्यवाही के बाद मजूमदार के कार्यालय लौटने पर उनका फिर से घेराव किया जाएगा।

कलकत्ता हाई कोर्ट बुधवार को पश्चिम बंगाल स्कूल शिक्षा विभाग के खिलाफ अवमानना याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें दावा किया गया है कि सरकार ने 26,000 शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की ओएमआर शीट अपलोड नहीं की है। शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने 22 अप्रैल को SSC अध्यक्ष से मुलाकात की। योग्य शिक्षक फोरम के प्रवक्ता चिन्मय मंडल ने बैठक के कहा- एसएससी ने 15,403 शिक्षकों के योग्य होने की बात कही है, जो संतोषजनक है। दरअसल, योग्य शिक्षकों की सूची जारी नही करने को लेकर गुस्साए हजारों शिक्षक अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे है।

पाकिस्तान को सता रहा एयरस्ट्राइक का डर

- भारत के एक्शन के डर से टेंशन में पाकिस्तान, रातभर जागे रहे सेना के अधिकारी

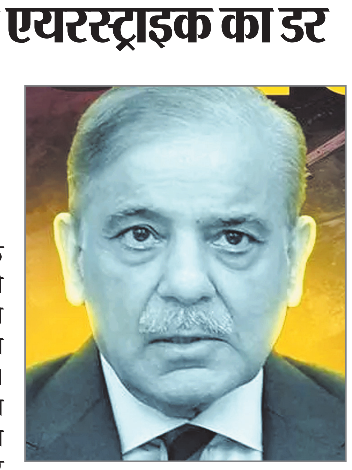

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद से पूरा देश आक्रोशित है। सरकार ने साफ कर दिया है कि इसके हमले को अंजाम देने वाले किसी भी आतंकी को बख्शा नहीं जाएगा। उधर पहलगाम हमले के बाद से ही पाकिस्तानी सेना में दहशत फैल गई है। पाकिस्तान को डर सता रहा है कि भारत हमले का बदला लेने के लिए एयर स्ट्राइक कर सकता है। पाकिस्तानी सेना में सीमा पार अलर्ट जारी किया हुआ है और पाक सेना के अधिकारी इसी आशंका के चलते रात भर जगे रहे।

अब बिक्री के लिए बाजार में नहीं मिलती सेना की वर्दी, सीधे आर्मी स्टोरों में होती हैं सप्लाई

» आर्मी की वर्दी को लेकर आज तक लोग कन्फ्यूज रहते हैं कि भला आम आदमी सेना की वर्दी कैसे पहन सकते हैं

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों पर हमला कर उनकी जान ले ली। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने सेना और पुलिस की ड्रेस पहन रखी थी। आर्मी की वर्दी को लेकर आज तक लोग कन्फ्यूज रहते हैं कि भला आम आदमी सेना की वर्दी कैसे पहन सकते हैं। वह कपड़ा उन्हें कैसे मिल जाता है तो चलिए हम आपको बताते हैं की सेवा की तरह दिखने वाली वर्दी अब सिविलियन भी खरीद सकते हैं, क्योंकि सेना की वर्दी अब पूरी तरह से बदल दी गई है। अब दुकानों पर सेना की वर्दी की बिक्री हो ही नहीं सकती है। अब आर्मी की तरफ से सीधे अपने भंडार में ही कपड़े की सप्लाई की जाती है। 'ग्रुप 5 संवाददाता' ने कैंट स्थित कई दुकानदारों से आर्मी की ड्रेस वाले कपड़े की बिक्री को लेकर जानकारी ली तो उन्होंने बताया कि पहले सेना की वर्दी का कपड़ा दुकानों पर बेचा जा सकता था और यहीं पर वर्दी सिलने के लिए भी दी जाती थी, लेकिन अब मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद सेना का ड्रेस कोड ही चेंज कर दिया और इस पर रोक लगा दी है कि अब बाहर की दुकानों पर बेचने के लिए वर्दी का कपड़ा सप्लाई ही नहीं हो सकता। लिहाजा, अब जो वर्दी बिक रही है वह सेना की वर्दी नहीं है।

क्या कहते हैं व्यापारी

कैंट स्थित बाजार में सेना की ड्रेस जैसे दिखने वाले कपड़ों की बिक्री करने वाले जगदीश राठौर का कहना है अब कोई आदमी आर्मी की वर्दी नहीं पहन सकता। अब कपड़ा आर्मी से ही बिक्री के लिए एलाऊ नहीं है। अब वहीं से जवानों को कपड़ा मिलता है। हमारी दुकान पर यह सिविल कपड़े हैं। यह दे सकते हैं। अब आर्मी का कपड़ा दुकान पर रहता ही नहीं है। अब आर्मी की ड्रेस की बिक्री हमारी दुकानों पर नहीं होती है। पहले आधिकारिक दुकानदार कपड़े बेच सकते थे तो आर्मी मैन को अपना आई कार्ड दिखाना पड़ता था। कार्ड दिखाने पर सिलाई हो जाती थी।

कब हुआ आर्मी के ड्रेस कोड में बदलाव

सेना ने करीब 10 साल बाद ड्रेस कोड में साल 2022 में बदलाव कर दिया। आपराधिक प्रवृत्ति और देश विरोधी ताकतें सेना के ड्रेस कोड का इस्तेमाल करके कई आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। इसी के चलते सेना के नए ड्रेस कोड की बाजारों में बिक्री पर रोक लगा दी गई। आर्मी के नए ड्रेस कोड की डुप्लीकेसी रोकने के लिए सेना की टीमें सदर बाजार और तोपखाना समेत अन्य बाजारों में दुकानदारों के साथ ही टेलर्स को भी समय समय पर हिदायत देती रहती हैं। उन्हें बताया जाता है कि सेना का नया पैटर्न (ड्रेस कोड) किसी भी कीमत पर कोई नहीं बेचेगा। अगर कोई पैटर्न से मिलता-जुलता कपड़ा भी बेचने का प्रयास किया तो कड़ी सजा होगी, इसलिए दुकानदार अब सेना के ड्रेस कोड से मिलते जुलते कपड़ों की बिक्री बिल्कुल भी नहीं कर रहे हैं।

ये है नियम और सजा

आम नागरिक, सेना और सीआरपीएफ की वर्दी की तरह दिखने वाले कॉम्बैट यूनिफॉर्म भी नहीं पहन सकते हैं। ऐसी वर्दी पहनने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। दरअसल, आम लोगों के बीच कॉम्बैट ड्रेस फैशन का हिस्सा बन चुका है। लेकिन लोग यह नहीं समझ पाते कि ऐसी वर्दी पहनने से समाज में भ्रम वाली स्थिति पैदा हो जाती है। हालांकि, कानून की नजर से देखें तो किसी भी आम नागरिक का आर्मी जैसी वर्दी पहनना अपराध है। इसके लिए 500 रुपये जुर्माना और अधिकतम तीन महीने तक की सजा भी हो सकती है। गृह मंत्रालय ने इस संबंध में सभी राज्यों के सेक्रेटरी को निर्देश दिए थे कि जो लोग भी अनाधिकृत तरीके से आर्म्ड फोर्स (आर्मी, नेवी, एयरफोर्स) की वर्दी या उसके जैसी दिखने वाली यूनिफॉर्म पहनते हैं उन्हें आईपीसी की धारा-140 और 171 के तहत मामला दर्ज किया जा सकता है।

अब हम नहीं कर सकते बिक्री

व्यापारी विनोद कुमार का कहना है कि अब मोदी गवर्नमेंट ने नया पैटर्न का कपड़ा लाया है वह मार्केट में नहीं बेच सकते। वह कपड़ा अब कैंटीन से ही सीधे मिलेगा। कारीगर बना सकता है। जिसके पास कार्ड होगा उसी को कैंटीन से कपड़ा मिलेगा। पहले तो आर्मी वाले पैसे देते थे और अपनी ड्रेस दुकान से भी ले सकते थे, लेकिन अब कैंटीन का कार्ड स्टोर में जाता है उसके बाद उन्हें वहीं से कपड़ा मिल सकता है। दुकानों पर बिक ही नहीं सकता है। यह जो बाजार में कपड़े देख रहे हैं तो यह सामान्य कपड़े हैं। इसमें पैटर्न का फर्क है। जमीन आसमान का फर्क है। पहले बेल्ट ऊपर से होती थी। अब इनकी बेल्ट पतली वाली आने लगी है। अब पहले शर्ट इन पहनी जाती थी अब ऊपर से पहने जाने लगी है तो अब पूरा ढांचा ही बदल गया है। उनका कहना है कि आतंकवादियों का तो कोई धर्म नहीं होता। वह तो कहीं से भी अपना कपड़ा बनवा सकते हैं। पाकिस्तान से भी बनवा सकते हैं। कोई चीज कहीं से भी बन सकती है। चोरी छिपे तो कुछ भी हो सकता है। चोरी छुपे तो जाली नोट में तैयार किए जाते हैं। अब मिलिट्री वाले दुकान पर कपड़े लेने भी नहीं आते हैं। अब वही मिलता है। पहले यहां पर बनती थी तो यहां पर आते थे और उनकी वर्दी बनती थी। अब हमारे धंधे पर बहुत फर्क पड़ा है।

क्या कहते हैं पीआरओ

मध्य कमान के जनसंपर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह का कहना है कि पहले ऑथराइज्ड दुकानों को आर्मी की ड्रेस के कपड़े की बिक्री का अधिकार दिया गया था। सब एरिया की तरफ से उन दुकानों को अनुमति दी जाती थी और बाकायदा जब किसी जवान को ड्रेस खरीदकर सिलवानी होती थी तो उसे दुकान पर आई कार्ड दिखाना होता था और रजिस्टर पर पूरा ब्यौरा दर्ज करना होता था। दुकानदार को सेना के जवान की आईडी की फोटोकॉपी भी अपने पास रिकॉर्ड में रखनी होती थी, लेकिन जब सेना की वर्दी की तरह दिखने वाले कपड़े आम लोग पहनने लगे और इसकी शिकायतें सामने आने लगीं तो फिर आर्मी के ड्रेस कोड में चेंज कर दिया गया। अब आर्मी की वर्दी का कपड़ा सीधे सेना के स्टोर में ही सप्लाई होता है। वहीं से अब सेना के जवानों को आई कार्ड दिखाकर ड्रेस मिलती है, इसलिए अब बाहर सेना की वर्दी की बिक्री हो ही नहीं सकती।

एडमिशन कराने निकली किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों लापता

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। नगराम थानाक्षेत्र के गढ़ी गाँव निवासी एक किसान की बेटी व भतीजी मोहनलालगंज स्थित इंटर कॉलेज में एडमिशन कराने की बात कहकर घर से निकली युवतियाँ संदिग्ध परिस्थियों में लापता हो गयीं। देर शाम तक वापस न लौटने पर परिजनों ने मोहनलालगंज थाने में लिखित तहरीर देकर मामले की शिकायत की। मोहनलालगंज इंस्पेक्टर ने बताया की किसान द्वारा मिली तहरीर पर गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। किशोरियों की तलाश में पुलिस की टीम लगाई जा चुकी है। नगराम थानाक्षेत्र के गढ़ी गाँव के रहने वाले व्यक्ति ने बताया की उनकी बेटी प्रेरणा सिंह (17)(परिवर्तित नाम) मोहनलालगंज स्थित एक इंटर कॉलेज मे कक्षा 12 की छात्रा है। बताया कि बीते मंगलवार की सुबह गाँव की ही रहने वाली बेटी मुस्कान (15) (परिवर्तित नाम) का एक इंटर कॉलेज में कक्षा 9 में एडमिशन कराने के लिए साथ में लेकर निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस न लौने पर परिजनों को चिंता हुई तो इधर-उधर खोजबीन की।

सरोजनीनगर में अवैध व्यावसायिक निर्माण व पारा में 10 रो-हाउस भवन सील

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर शहर में अवैध निर्माण के खिलाफ लगातार चलाये जा रहे अभियान के क्रम में बुधवार को प्रवर्तन जोन-3 की टीम ने सरोजनीनगर व पारा क्षेत्र में कार्रवाई की। इस दौरान प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे एक व्यावसायिक निर्माण व 10 रो-हाउस भवनों को सील किया गया। प्रवर्तन जोन-3 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि ऊषा सिंह द्वारा सरोजनीनगर के शांति नगर के मुरली विहार में भूखण्ड संख्या-6बी पर लगभग 2500 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर अवैध रूप से व्यावसायिक निर्माण कराया जा रहा था। इसके अलावा प्रेम नारायण, किशन पाल, पदम यादव, पवन चौरसिया, अजय पाण्डेय, श्वेता त्रिपाठी, पुत्तन यादव व अन्य द्वारा पारा के ग्राम-देवपुर में सनराइज पब्लिक स्कूल के पास भूमि खसरा संख्या-377 व 378 पर लगभग 5000 वर्गफिट क्षेत्रफल में रो-हाउस भवनों का निर्माण कराया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किये जा रहे उक्त निर्माण कार्यो के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में प्रवर्तन टीम द्वारा प्राधिकरण पुलिस बल के सहयोग से निर्माणाधीन भवनों को सील कर दिया गया।

अचानक मुडे ट्रक से अनियंत्रित स्कोर्पियो खड़े ट्रक में घुसी, तीन सवार घायल

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। बुधवार शाम निगोहां के सुदौली मोड़ पर सुदौली के लिए अचानक मुड़ रहे ट्रक को देख प्रयागराज से जयपुर जा रही स्कोर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ऑटो में जा टकराई जिसके बाद सड़क किनारे खड़े दूसरे ट्रक में ऑटो व स्कोर्पियो जा घुसी घटना में स्कोर्पियो सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा जहां से उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया। स्कोर्पियो चालक मोहित चौधरी निवासी राजगढ़ चुरू राजस्थान के अनुसार बुधवार को वह शाहजहांपुर आवास विकास कालोनी के डाक्टर अमित गुप्ता (48) थाना कांठ शाहजहांपुर के चरन सिंह (40) राजगढ़ चुरू राजस्थान के सुरेंद्र कुमार (60) के साथ प्रयागराज से जयपुर स्कोर्पियो से जा रहा था। इनकी स्कोर्पियो जैसे निगोहां के सुदौली मोड़ के पास पहुची की सुदौली की ओर अचानक एक ट्रक मुड़ने यह देख तेज रफ्तार स्कोर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी एक ऑटो में जा टकराई। जिसके बाद सड़क किनारे खड़े दूसरे ट्रक में ऑटो व स्कोर्पियो जा घुसी घटना में स्कोर्पियो सवार डाक्टर अमित गुप्ता, चरन सिंह व सुरेंद्र कुमार सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा जहां से उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। स्थानीय लोगों की माने तो गनीमत रही कि ऑटो चालक उस दौरान पान खाने के लिए उतरा ही था और कोई सवारियां नही थी नही तो बड़ी घटना हो सकती थी। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया।

एसडीएम की पैरवी फिर भी ट्राईसाइकिल के लिए तीन माह तक भटकता रहा दिव्यांग

ग्रुप 5 संवाददाता

पेंशन से एक हजार खर्च कर ट्राईसाइकिल ला सका

लखनऊ। एसडीएम की पैरवी के बाद भी मोहनलालगंज में चलने फिरने में लाचार दिव्यांग को ट्राइसाइकिल के लिए तीन माह तक भटकना पड़ा। एडीओ के प्रयासों से बमुश्किल ट्राइसाइकिल नसीब हुई तो उसे घर तक लाने के लिए दिव्यांग को मासिक पेंशन खर्च करनी पड़ गई। जिसे लेकर परेशान रहे दिव्यांग ने सरकार से ब्लॉक स्तर पर सहायक उपकरण वितरण कराने की मांग की है। मोहनलालगंज समेत राजधानी के अधिकांश ब्लॉक में पिछले वित्तीय वर्ष में जिला प्रशासन की ओर से दिव्यांगों को सहायक उपकरण नही वितरण किए गए। बल्कि अगस्त माह से ब्लॉक पर दिव्यांगो के लिए ट्राइसाइकिल समेत किसी तरह के सहायक उपकरण भेजे ही नही गए। मोहनलालगंज के दहियर गांव निवासी दिव्यांग मोहित कनौजिया की ट्राइसाइकिल काफी जर्जर हो गई। उसने ब्लॉक से लेकर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस तक ट्राइसाइकिल के लिए अधिकारियों से गुहार लगाई। लेकिन उसे कोई मदद नही मिल सकी। 17 जनवरी की रात तत्कालीन एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा दहियर गांव में कंबल वितरण करने पहुंचे। जहां दिव्यांग मोहित को कंबल वितरित करने के दौरान उसकी समस्या सुनकर एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने उसे ट्राइसाइकिल दिलाने का भरोसा दिया। एसडीएम ने एडीओ समाज कल्याण रिद्धिम द्विवेदी को दिव्यांग मोहित को ट्राइसाइकिल दिलाने के निर्देश दिए। एडीओ के तमाम प्रयासों के बावजूद चलने फिरने में लाचार मोहित को तीन माह तक ट्राइसाइकिल नही नसीब हो सकी। एडीओ की लगातार पैरवी के बाद दिव्यांग मोहित को ट्राइसाइकिल की पर्ची मिल सकी। मोहित ने बताया मोहान रोड से ट्राइसाइकिल मंगवाना उसके लिए भी काफी मुश्किल था। उसने होली पर मिली पेंशन की किश्त से एक हजार रुपए खर्च कर किराए पर पिकअप लोडर का इंतजाम किया तब जाकर 30 किलोमीटर दूर मोहान रोड जाकर वह ट्राइसाइकिल घर ला सका। दिव्यांग मोहित ने अपने जैसे अन्य लोगों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन और सरकार से ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर सहायक उपकरण के लिए रजिस्ट्रेशन और उपकरण वितरण शिविर आयोजित करने की पुरजोर मांग की है।

बहू-बेटे के बीच हो रहे विवाद को सुलझाने गई सास को बहु ने मारा चाकू

» बीच-बचाव करने पर किया हमला
» बीबीडी कोतवाली क्षेत्र की घटना

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। राजधानी के बीबीडी थाना क्षेत्र स्थित बहू-बेटे के बीच हो रहे विवाद को सुलझाने गई सास की पिटाई करते हुए बहु ने चाकू मार दिया। इससे वह लहूलुहान हो गई। पुलिस ने बताया कि उन पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे सास का हाथ लहूलुहान हो गया है। सास का पास के ही अस्पताल में प्राथमिक उपचार कराया गया। पुलिस मामले की जांच कर पुलिस घटना से जुड़े साक्ष्य एकत्र कर रही है।बीबीडी आजमखेड़ा चंदियामऊ निवासी सन्नो ने बताया कि सोमवार शाम करीब पांच बजे उसकी बहू प्रीति और बेटे मनोज में विवाद हो रहा था। वह दोनों को शांत करने के लिए गई। इस पर बहू प्रीति भड़क गई और डंडे से पिटाई शुरू कर दी। उसके बाद चाकू उठाकर चला दिया। हाथ लहूलुहान हो गया। बीबीडी इंस्पेक्टर ने बताया कि पति-पत्नी के विवाद के बीच पहुंची सास को बहू ने पीट दिया। सास सन्नो की तहरीर पर बहू के खिलाफ मुकदमा लिख लिया गया है।

विशाल सिंह ने निदेशक सूचना का पदभार ग्रहण किया

विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर दिये जरूरी निर्देश

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के नव नियुक्त निदेशक विशाल सिंह ने बुधवार को निदेशक सूचना का पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत उन्होंने मुख्यालय पं. दीनदयाल उपाध्याय सूचना परिसर में वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर विभागीय कार्यप्रगति की जानकारी ली और आगामी कार्यों की प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श कर जरूरी निर्देश दिये। निदेशक सूचना ने बैठक में कहा कि सूचना विभाग शासन की नीतियों, योजनाओं तथा कार्यक्रमों को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने में सेतु का कार्य कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे नवाचार, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ कार्य करें, ताकि राज्य सरकार की उपलब्धियों का जन-जन तक व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके। विशाल सिंह मूलतः जौनपुर के निवासी हैं। इसके पहले वे नगर आयुक्त अयोध्या नगर निगम तथा उपाध्यक्ष, अयोध्या विकास प्राधिकरण तथा जिलाधिकारी भदोही एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, भदोही औद्योगिक विकास प्राधिकरण में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

ट्रैक मेंटेनर्स का टूट रहा सपना, लोको पायलट और जेई बनने पर लग रहा ग्रहण!

पद खाली होने से ट्रैक पर ट्रैकमैन की ही कमी

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। रेलवे में ट्रैकमैन का काम रेल लाइन की देखभाल और समय-समय पर उसमें मरम्मत करना होता है। ट्रैकमैन रेल की पटरियों के निरीक्षण, स्थापना या रखरखाव में सहायता करता है। ट्रैक मेंटेनर्स हर रोज करीब 10 से 14 किलोमीटर ट्रैक पर चलते हैं। ट्रेनों और दूसरे उपकरणों का इंस्पेक्शन करते हैं, जिससे ट्रेनों का सुचारु संचालन हो सके। किसी भी अनहोनी को टाला जा सके। रेलवे में ट्रैकमैन जिस पोस्ट पर भर्ती होते हैं उसी से रिटायर भी हो जाते हैं। उन्हें प्रमोशन का लाभ मिल ही नहीं पाता, लेकिन कुछ साल पहले रेलवे प्रशासन ने इस ओर ध्यान दिया और उनके प्रमोशन के भी रूपरेखा तैयार की। लोको पायलट और जूनियर इंजीनियर पद पर प्रमोशन करने के लिए परीक्षा भी आयोजित हुई, लेकिन अब इस पर रोक लग गई है। यानी ट्रैकमैन के लोको पायलट और जूनियर इंजीनियर बनने का सपना टूट रहा है। रेल हादसे भी इसलिए बढ़ रहे हैं क्योंकि रेलवे में काफी संख्या में ट्रैकमैन के पद खाली हैं। सिर्फ लखनऊ डिवीजन की ही बात कर ली जाए तो 20 प्रतिशत से ऊपर ट्रैकमैन के पास रिक्त हैं, जबकि लाइनों की संख्या काफी बढ़ गई है। ऐसे में उनकी देखभाल न होने से आए दिन पटरियों पर अराजक तत्व किसी न किसी घटना को अंजाम देने का प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में लखनऊ के रहीमाबाद और दिलावरनगर के बीच में ट्रैक पर लकड़ी का बोटा रखकर अराजक तत्वों ने काशी विश्वनाथ ट्रेन को पलटाने की साजिश रची। मंगलवार की रात को उतरेटिया क्षेत्र में लोहे का बड़ा सा फाटक पटरी पर रखकर ट्रेन को डिरेल करने की कोशिश की। इससे पहले प्रयागराज में ट्रैक पर सिलेंडर रखकर रेल को डिरेल करने का प्रयास किया गया। इसी तरह उत्तर प्रदेश में पटरियों पर चल रही ट्रेन को बेपटरी करने के तमाम प्रयास किए गए। अगर ट्रेन पलटने में अराजक तत्व सफल हो जाते तो बड़े हादसे हो सकते थे। ट्रेन की पटरियों पर कुछ रखने से पहले ही इसका पता लगा लिया जाए इसके लिए ट्रैक मेंटेनर्स अगर ज्यादा संख्या में हों तभी संभव है, लेकिन रेलवे में देश भर में संरक्षा से जुड़े लाखों पद अभी भी खाली पड़े हैं। उत्तर रेलवे लखनऊ डिवीजन में ही हजारों पद रिक्त हैं। ऐसे में जब पटरी पर ट्रैकमैन ही नहीं हैं तो फिर अराजक तत्व ऐसे काम को अंजाम देने में कभी भी सफल हो सकते हैं। ऐसे में सवाल ये उठता है कि अगर ट्रैक मैन नहीं होंगे तो फिर ट्रैक को चेक करने के लिए मशीन कौन चलाएगा? जब ट्रैक की ही जांच नहीं होगी तो पटरी पर क्या हुआ है, इसकी खबर भी भला कैसे लगेगी? रेलवे के जानकार बताते हैं कि पटरियों से ट्रेन के उतरने का कारण मैकेनिकल फाल्ट या फिर रेलवे ट्रैक पर लगने वाले उपकरण का खराब होना होता है। ऐसे हादसे तब होते हैं जब पटरियों पर दरार पड़ जाती है। ट्रेन के कोच को टाइट रखने वाला उपकरण ढीला हो जाता है। ट्रेन का कोच जिस पर रखा होता है उस धुरी का टूटना भी दुर्घटना का बड़ा कारण बनता है। ट्रेन की पटरियों पर लगातार ट्रेनों के दौड़ने के कारण पटरियों में चेंज हो जाता है। इसके चलते ट्रेनों के हादसे होने की संभावना बढ़ जाती है। रेलवे के जानकारों का मानना है कि रेल हादसों का एक बड़ा कारण ज्वाइंट को भी माना जा सकता है। रेल ज्वाइंट में 2.5 से तीन सेंटीमीटर का स्पेस चाहिए होता है, लेकिन इनका सही तरह से मेंटनेंस नहीं होने के चलते भी बड़ा हादसा होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा तापमान में बदलाव की वजह से भी धातु से बनी रेल की पटरियां गर्मी के महीनों में फैलती हैं और सर्दियों में सिकुड़ती हैं। नियमित रखरखाव में जरा सी लापरवारी बरतने पर ट्रेन हादसा हो सकता है। ऐसे में रेल की पटरी की जांच काफी मायने रखती है। पटरियों की जांच तभी संभव है जब आवश्यकता के मुताबिक ट्रैकमैन मौजूद हों।

क्या कहते हैं ट्रैकमैन

ट्रैकमैन संजीत कुमार का कहना है कि ट्रैकमैन को ट्रैक से संबंधित सभी काम करना पड़ता है। चाहे ट्रैक की सफाई हो, लाइन चेंज करना हो। यानी ट्रैक से संबंधित सभी काम करने होते हैं। सर्दी में पटरी सिकुड़ती है जिस कारण फ्रैक्चर होता है। गर्मी में पटरी फैलती है जिस कारण बकलिंग होता है। इसका मतलब पटरी सांप की तरह टेढ़ी-मेढ़ी हो जाती है। बकलिंग में ट्रेन के दुर्घटना का ज्यादा चांस होता है। उनका कहना है कि आठ घंटे की शिफ्ट होती है। उसी में ट्रैक की चेकिंग करते रहते हैं। हम गश्त करते रहते हैं कि ट्रैक पर कोई कुछ रखने न पाए। ट्रैक की सुरक्षा भी हमारी जिम्मेदारी होती है। ट्रैकमैन के प्रमोशन के लिए जीडीसी परीक्षा होती है, एलडीसी परीक्षा होती है जिसमें हम जेई सुपरवाइजर बन सकते हैं।

क्या कहते हैं यूनियन नेता

उत्तर रेलवे मेंस यूनियन के मंडल मंत्री आरके पांडेय का कहना है कि ट्रैकमैन के लगभग 20 प्रतिशत पद रिक्त हैं। उससे भी ज्यादा चिंता का विषय है कि जो नए ट्रैक ऐड हो रहे हैं उनके लिए एडिशनल पद स्वीकृत नहीं हो रहे हैं। सरकार ने अभी सकारात्मक कार्रवाई नहीं की है। निश्चित तौर पर ट्रैक मेंटेनर्स के पदों के रिक्त रहने के कारण जो मौजूद कर्मचारी हैं उनसे मानवीय भूल होने की संभावनाएं रहती हैं। फिर भी रेल कर्मचारी जी तोड़ मेहनत कर रेल पथ समेत दूसरे संरक्षा के जो कार्य होते हैं वह करते हैं। उनका कहना है कि पिछले एक साल में लगभग 170 किलोमीटर नया ट्रैक ऐड हुआ है जिसमें मेजर एडिशन बाराबंकी से अकबरपुर का क्षेत्र है जो पिछले साल प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के ठीक पहले अयोध्या में कमीशन हुआ था। इसके अलावा फाफामऊ से लेकर जंघई क्षेत्र में ट्रैक नया बना है। कुल मिलाकर लगभग 170 किलोमीटर का नया ट्रैक पिछले एक साल में ऐड हुआ है। ट्रैक मेंटेनर्स को प्रमोशन के लिए ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन ने प्रयास किया। 2012 में एक कमेटी रेलवे बोर्ड ने फार्म की थी और पहली बार फोर ग्रेड स्ट्रक्चर ट्रैक मेंटेनर्स के लिए आया था, जिसमें 2400 और 2800 का नया ग्रेड पे ऐड हुआ था। उसके बाद से दो बार बढ़ोतरी भी हुई है और वर्तमान में ट्रैक मेंटेनेंस के 30 प्रतिशत कर्मचारी 2400 या उससे ऊपर के ग्रेड पे में पदोन्नति लाभ पाने के लिए अधिकृत हो गए हैं। जहां तक उनके जूनियर इंजीनियर बनने का मामला है तो उसका प्रतिशत निश्चित है। विभागीय परीक्षाओं और एलडीसी के माध्यम से वह परीक्षाएं लखनऊ मंडल में आयोजित भी हुई थीं, लेकिन चार मार्च के बाद जो परीक्षाएं थीं जिनका फाइनलाइजेशन नहीं हुआ था। पांच मार्च के एक आदेश के तहत रेलवे बोर्ड ने उन सबको स्थगित करने का निर्णय पारित किया जिसके अनुपालन में अभी यह चयन परीक्षाएं अवरुद्ध हैं। जैसे ही इस मामले में रेल मंत्रालय अपना अगला दिशा निर्देश देगा उसके बाद ट्रैक मेंटेनर्स से जूनियर इंजीनियर बनने का मामला है वह गति पकड़ सकेगा।

ट्रेन पलटाने की साजिश नाकाम

रेलवे ट्रैक पर रखा गया लोहे का दरवाजा

- तोड़ते हुए गुजर गई मालगाड़ी, एफआईआर दर्ज
- इससे पहले रहीमाबाद रेलवे स्टेशन पर साजिश हुई थी नाकाम
- सीनियर सेक्शन इंजीनियर ने सुशान्त गोल्फ सिटी थाने में लिखायी रिपोर्ट
- जांच के आदेश दिए गए

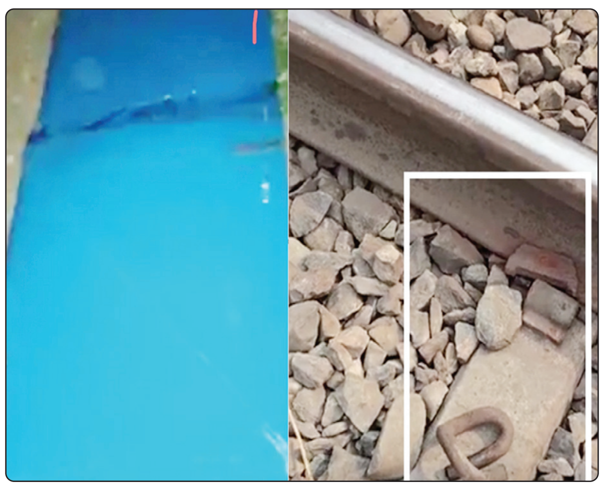

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। एक सप्ताह के अंदर दूसरी बार ट्रेन पलटाने की साजिश रची गई है। राजधानी के उतरेठिया रेलवे स्टेशन के पास पटरी पर लोहे का दरवाजा रखकर ट्रेन पलटाने की कोशिश की गई है। गनीमत रही कि दरवाजे को तोड़ते हुए मालगाड़ी गुजर गई। ट्रेन पलटाने के लिए पटरियों में लगने वाला पेंड्रोल क्लिप भी निकाल दी गई थी। जिससे उस ट्रैक पर परिचालन बाधित हो गया। बाद में इसकी सूचना सीनियर सेक्शन इंजीनियर को दी गई। एसएसई अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रैक की मरम्मत कर संचालन सुचारू करवाने के साथ ही मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसई अनिल कुमार पाण्डेय ने तहरीर सुशान्त गोल्फ सिटी थाने पर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। एसएसई अनिल कुमार पाण्डेय के मुताबिक, मंगलवार सुबह 3.42 बजे मोबाइल पर सूचना मिली कि बक्कास-उतरेठिया रेलवे लाइन के मध्य किसी शरारती तत्व ने लोहे का दरवाजा रख दिया था। एक मालगाड़ी 2.45 पर लोहे के दरवाजे पर से निकल गई। यह भी पता चला कि पेंड्रोल क्लिप निकली हुई है और उसके पीछे की सभी गाड़ियां खड़ी हुई हैं। लाइन पूर्णतया ब्लाक हो गई थी। घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया तो पाया कि लोहे के दरवाजे के कुछ हिस्से ट्रेन गुजरने से टूटे थे। लोहे के टुकड़े अप व डाउन लाइन ट्रैक के मध्य व डाउन लाइन ट्रैक के उत्तरी साइट पर पड़े हुए थे। क्षतिग्रस्त दरवाजा जिसे ट्रेन मैनेजर मनीष त्रिपाठी व ऑन ड्यूटी गेटमेन अभिषेक कुमार की सहायता से ट्रैक से हटाकर गेट-199 के बाहर रखवा दिया गया। पेन्ड्रोल क्लिप को लगाने के बाद लाइन शुरू कर दी गई। साजिश की आशंका के तहत सुशान्त गोल्फ सिटी में तहरीर दी गई, जिस पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

कंट्रोल रूम की सूचना पर हरकत में आयी रेलवे टीम

सुशान्त गोल्फ सिटी के उतरतिया स्टेशन के नजदीक की घटना, लोहे का दरवाजा हुआ चूर,कंट्रोल रूम से मिली जानकारी पर हरकत में आई रेलवे टीम। रहीमाबाद के कैथुलिया गांव के बाद बक्कास-उतरेठिया स्टेशन के मध्य रेलवे लाइन पर लोहे का दरवाजा रख दिया गया। इसके साथ ही उस जगह पटरियो में लगने वाली पन्ड्रोल क्लिप भी गायब मिली। जानकारी होने पर तत्काल कर्मचारी मौके पर पहुंच गए।

सीनियर सेक्शन इंजीनियर ने दी घटना की जानकारी

अनिल कुमार पांडेय, सीनियर सेक्शन इंजीनियर उतरटिया के पद पर तैनात हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें बुधवार सुबह 3-42 बजे मोबाइल पर सूचना प्राप्त हुई कि डाउन लाइन पर किसी ने लोहे का दरवाजा रख दिया है। यह दरवाजा उस समय देखे जाने की बात सामने आई जब एक ट्रेन (डीएन-सीजीएस) दरवाजे के ऊपर से गुजर चुकी थी,पेंड्रोल क्लिप भी निकली पाई गई। गाड़ी गुजरने के कारण दरवाजा टूट गया और उसके टुकड़े अप और डाउन लाइन के बीच व डाउन लाइन के उत्तरी छोर पर बिखरे मिले।

पूर्व में भी हो चुकी है ऐसी साजिशें

बता दें कि पूर्व में रहीमाबाद रेलवे स्टेशन के नजदीक दिलावर नगर में अराजक तत्वों ने लकड़ी का मोटा तना रेलवे पटरी पर रख दिया था। परन्तु लोको पायलट की सतर्कता से हादसा टल गया। घटना की प्रथम सूचना रिपोर्ट थाने में पंजीकृत कराई गई थी।

तफ्तीश शुरू

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई के लिए सुशांत गोल्फ सिटी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। रेलवे ट्रैक पर इस तरह की हरकतों को गंभीरता से लेते हुए जीआरपी द्वारा जांच शुरू कर दी गई है। इंस्पेक्टर सुशान्त गोल्फ सिटी अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। बिजनौर थाना क्षेत्र में बाइक सवार युवक को तेज गति से जा रहा ट्रैक्टर ट्राली ने जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। लहूलुहान घायल अवस्था में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बिजनौर थाना क्षेत्र के ठकुराइन खेड़ा निवासी मेवा लाल का 19वर्षीय पुत्र राजू करीब साढे पांच बजे अपनी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल संख्या यूपी 32 पीके 2036 से आ रहा था तभी इसी दौरान महिंद्रा ट्रैक्टर नम्बर यूपी 32 एनएम 8911 ने सीआरपीएफ गेट नंबर-2 के सामने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही राजू रोड पर गिर पड़ा और लहूलुहान हो गया। घायल अवस्था में पुलिस एंबुलेंस की मदद से उसे सरोजनीनगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भेजा गया। जहां डॉक्टर ने देखते ही राजू को मृत घोषित कर दिया।

प्लॉट, सरकारी कंपनी में निवेश व आर्थिक मदद के नाम पर 14.26 लाख ऐंठे

- मदेयगंज, पारा व कृष्णानगर इलाके की घटनाएं
- मुकदमा दर्ज, पुलिस जांच-पड़ताल में लगी

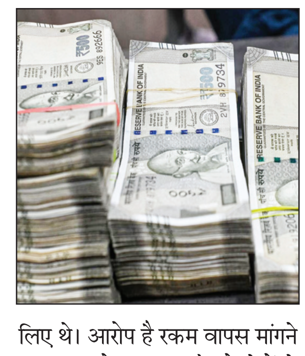

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में जालसाजों ने प्लॉट,सरकार की कंपनी में निवेश, आर्थिक मदद के नाम पर 14.26 लाख रुपये ऐंठ लिए। पीड़ितों ने मदेयगंज, पारा और कृष्णानगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। हरदोई के बेनीगंज निवासी अवधेश कुमार ने दो साल पहले पारा के बुद्धेश्वर निवासी अमित कुमार को प्लॉट के लिए तीन लाख रुपये दिए थे। पर अमित ने उनके नाम पर प्लॉट की रजिस्ट्री नहीं की। विरोध पर आरोपी 1.20 लाख लौटा दिए। शेष रकम 1.80 लाख हड़प ली। वही दूसरी ओर, आलमबाग के ओम नगर निवासी पीड़ित वीरेंद्र सिंह से कृष्णमोहन दुबे ने काफी समय पहले 81 हजार रुपये लिए थे। आरोप है रकम वापस मांगने पर कृष्ण मोहन व उसके दो बेटों ने पीड़ित की पिटाई कर दी। उधर, खदरा निवासी रेहान अली स्लैम फिटनेस जिम में ट्रेनर हैं। उनके मुताबिक जिम में आने वाली महानगर निवासी शानू अरफीन व उसके पति अलताफ खान ने बताया कि वह मल्टीनेशनल कंपनी में काम करते हैं, जो भारत सरकार की सहयोगी है। कंपनी बच्चों को छात्रवृत्ति देती है। छात्रवृत्ति के लिए कंपनी में रकम निवेश की जाती है। बाद में मुनाफे के साथ लौटा दी जाती है। झांसे में आए रेहान ने दंपती को 12 लाख रुपये दे दिए। पर उन्हें कोई मुनाफा नहीं मिला।

पत्नी की ब्लैकमेलिंग से परेशान पति ने लगाई थी फांसी

- मां ने बहू व उसके दो साथियों पर कराई एफआईआर
- तुम मर क्यों नहीं जाते, परेशान होकर लगाई थी फाँसी
- तीन साल पहले किया था प्रेम विवाह

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। आलमबाग कोतवाली में 12अप्रैल को घर में फांसी लगाकर खुदकुशी करने मामले में मंगलवार को मृतक की माँ ने अपनी बहू और उसके दो साथियों के खिलाफ बेटे को आत्महत्या के लिए विवश करने का मुकदमा दर्ज कराया है। महिला का आरोप है कि बेटे ने प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद से ही बहू बेटे को प्रताड़ित कर रही थी। उसे दहेज के मुकदमे फंसाने की धमकी देती थी जिसके चलते उसने यह कदम उठाया। बहू के पति के अलावा भी अन्यत्र मित्र थे। जिससे वह बातें करती थी। 12 अप्रैल को अभिमन्यु ने घर में फांसी लगाई थी। इससे पहले 11 अप्रैल को प्रीति ने फोन कर पति से झगड़ा किया था। उसने कहा था कि तुम मर क्यों नहीं जाते। पत्नी के यह शब्द सुन कर अभिमन्यु परेशान हो गया। इस वजह से ही उसने फांसी लगा ली। यह आरोप लगाते हुए जानकी देवी ने आलमबाग कोतवाली में बहू प्रीति, उसके परिचित विष्णु कुमार और राजकुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

आलमबाग इंस्पेक्टर ने कहा हो रही पूछताछ

आलमबाग इंस्पेक्टर ने बताया कि कोतवाली में बहू प्रीति, उसके परिचित विष्णु कुमार और राजकुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बहू और उसके दोनों साथियों से पूछताछ कर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

पत्नी करती थी पति से गाली गलौज, मांगे पांच लाख रुपए

मवैया निवासी जानकी देवी के मुताबिक बेटा अभिमन्यु लोधी (35) ड्राइवर था। तीन साल पहले अभिमन्यु ने हरदोई सण्डीला निवासी प्रीति से प्रेम विवाह किया था। शादी के कुछ वक्त बाद ही प्रीति ने मामूली बातों पर पति से गाली-गलौज करती थी। वह अभिमन्यु पर परिवार से अलग होने का दबाव डालती थी। जानकी के मुताबिक बेटे ने नया ऑटो खरीदने के लिए दो लाख रुपये जुटाकर घर में रखे थे। प्रीति बिना बताए रकम घर से लेकर चली गई और आलमबाग में किराए का मकान लेकर रहने लगी। अभिमन्यु प्रीती को घर लौटने के लिए समझा रहा था। वह नहीं लौटी, उल्टे फोन पर दहेज का मुकदमा लिखाकर अभिमन्यु और उसके परिवार को जेल भिजवाने की धमकी दी। प्रीती ने पति से पांच लाख रुपये भी मांगे थे।

बीबीडी से लापता युवती का नगराम में मिला शव

फाइल फोटो

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। बीबीडी क्षेत्र से तीन दिन पहले लापता हुई युवती का शव नगराम के इंदिरा नहर के अचलीखेड़ा बैराज रेगुलेटर में फंसा मिला। मृतका के भाई आकाश द्वारा उसकी शिनाख्त अपनी बहन अंजलि यादव 19 के रूप में की गई। एसओ नगराम के अनुसार युवती की गुमशुदगी बीबी डी थाने पर बीते 21 अप्रैल को पिता पुत्तीलाल द्वारा दर्ज कराई गई थी। पिता पुत्तीलाल के अनुसार वह डिप्रेशन में चल रही थी जिसका इलाज चल रहा था शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है आगे की कार्यवाही बीबीडी थाने से के जायेगी।

नहर में शव उतराता देख मचा हड़कंप

लखनऊ, (ग्रुप 5 सं)। नगराम इलाके से गुजरने वाली इंदिरा नहर से निकले शिवगढ़ राजबहा में पटवा खेड़ा गांव के पास बुधवार शाम को अज्ञात युवक का शव पानी में उतराता हुआ ग्रामीणों द्वारा देखा गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची नगराम पुलिस द्वारा शव को पानी से निकलवाया गया ।एस ओ नगराम के अनुसार शव की पहचान नहीं हो सकी है शव कहीं बाहर से बहकर यहां पहुंचा है ।विधिक कार्रवाई कर शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है। थाना अध्यक्ष नगराम विवेक कुमार चौधरी ने बताया कि इंदिरा नहर की बाईं पटरी पर 179किमी पर पटवा खेड़ा के पास से शिवगढ़ राजबहा निकलता है ।बुधवार शाम को राहगीर उधर से गुजर रहे थे जिन्हें पानी में एक शव बहता दिखाई दिया। सूचना थाने पर पंहुचते ही मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा पानी से बाहर शव निकलवा कर पहचान कराने क प्रयास किया गया फिर भी शिनाख्त नहीं हो सकी। शरीर पर नीली जींस के अलावा कोई कपड़ा नहीं है जिसकी उम्र लगभग 30 साल के आस पास होगी जो करीब दस दिन पुराना लगता है।

आतंकी हमले के शोक में उमड़ा जनसैलाब

ग्रुप 5 संवाददाता

लखनऊ। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की खबर से पूरे देश में शोक की लहर है। इस बर्बर घटना में शहीद हुए निर्दोष लोगों की स्मृति में लोगो का हुजूम उमड़ पड़ा।गोपेश्वर गौशाला और व्यापार मंडल के आह्वान पर एक शांतिपूर्ण कैंडल मार्च निकाला गया जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। हाथों में जलती हुई मोमबत्तियां लिए नम आंखों और भारी मन से लोगों ने चौराहे पर मौन जुलूस निकाला। इस दौरान, शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आतंकवाद मुर्दाबाद जैसे नारे गूंजते रहे। कैंडल मार्च के समापन पर एक सभा का आयोजन किया गया। पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। इस घिनौने कृत्य को मानवता के खिलाफ अपराध बताते हुए भारत सरकार से आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक और कड़ी कार्यवाही करने की मांग की। मलिहाबाद के नागरिकों ने इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन के माध्यम से न केवल शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ अपने दृढ़ संकल्प का भी संदेश दिया। उन्होंने सरकार से अपील की कि वह सीमा पार से होने वाली आतंकी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए ठोस कदम उठाए। कैंडल मार्च मलिहाबाद के लोगों की संवेदना और एकजुटता का प्रतीक बन गया। कार्यक्रम में कार्तिकेय पाठक, जीशान अली, भोला, यीशु पूर्व सभासद सौरभ यादव, सुनील कश्यप, राजेश लोधी, राजेंद्र बाबा, हिमांशु वर्मा, रंजीत वर्मा, ज्ञानेंद्र यादव, सफी खान व्यापार मंडल के लोग उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

शुद्धि-पत्र

उप मु०इं०/गो०क्षे०, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर की ई–निविदा सूचना सं.– 06-DYCEGA-2025 के क्रम संख्या-7 के अन्तर्गत जोन संख्या-07 डेयरी-III जिसका प्रकाशन तिथि 15-04-2025 को किया गया था, जिसमें रू० 1,04,91,322.10 के स्थान पर रू० 96,91,946.60 एवं खुलने की तिथि दिनांक 09-05-2025 के स्थान पर दिनांक 16-05-2025 तथा निविदा Bidding Start दिनांक 25-04-2025 के स्थान पर दिनांक 02-05-2025 पढ़ा जाय। इस शुद्धि पत्र को भारतीय रेलवे के वेब साइट *www.ireps.gov.in* पर दिनांक 22-04-2025 को अपलोड कर दिया गया है। ई–निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

उप मुख्य इंजीनियर/गो.क्षे.

मुजाधि/डब्लू-25 **गोरखपुर**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि **16.05.2025** को **15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैन्युअल ऑफर स्वीकार नहीं किए जायेंगे यदि कोई मैन्युअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा। निविदाकर्ता निविदा फॉर्म का मूल्य व धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि किया जाएगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद एफ.डी.आर. द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

निविदा सूचना सं.	04302025 दिनांक 22.04.2025		
निविदा सं.	03-Sr-DEN-VI-LKO-2025-26		
कार्य का नाम	वरि० मंडल इंजीनियर–VI, लखनऊ के अधिकार के क्षेत्र में सहायक मण्डल इंजीनियर–उन्नाव एवं सहायक मण्डल इंजीनियर–प्रयाग के सेक्शन में DMW, TQA LGO, PQN, MEM, RMC & URPR पर आरजीएम साइडिंग और ट्रैक मशीन साइडिंग का प्रावधान का कार्य।		
अनुमानित लागत	₹3,45,53,822.76	धरोहर राशि	₹3,22,800/-
कार्य समापन की अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 12 माह	वेबसाइट www.ireps.gov.in	
निविदा डालने का प्रारंभ	02.05.2025		
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	16.05.2025 को 15:00 बजे		

निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध है। 1192/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एसीपी के आदेश पर पिता-पुत्री को पीटने वाले आरोपियों पर मुकदमा

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के हरीखेड़ा गांव निवासी सिद्धनाथ यादव ने एसीपी रजनीश वर्मा से उनके कार्यालय में मिलकर लिखित शिकायत करते हुये बताया 19अप्रैल की सुबह जब वो घर के नापदान के पानी निकासी के लिये नाली में पाइप डाल रहा था, तभी पड़ोसी अशोक यादव अपनी पत्नी व बेटे व बेटी के साथ मौके पर आ धमके। पाइप डालने से मना कर दिया फिर गाली-गालौज करने लगे विरोध करने पर सभी ने मिलकर बाल पकड़कर पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान बचाने आयी बेटी नेहा को भी बुरी तरह मारा पीटा, जान से मारने की धमकी देते हुये मौके से भाग निकले। जिसके बाद घायल अवस्था में सिसेंडी चौकी पहुंचकर पुलिस से लिखित शिकायत करते हुये आरोपियो पर कार्यवाही की मांग की तो पुलिस ने बिना कार्यवाही किये चलता कर दिया। एसीपी रजनीश वर्मा ने पीड़ित की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुये मोहनलालगंज कोतवाली पुलिस को मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही के आदेश दिये। तब जाकर पुलिस ने चार आरोपियो पर मारपीट समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गयी हैं।

नशे में धुत बाइक चालक ने किसान को मारी टक्कर, हालत गंभीर

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। नगराम के हसनपुर गाँव निवासी किसान लवकुश गाँव के बाहर स्थित अपने खेतो की देखरेख के लिए पैदल जा रहें थे तभी रास्ते में नशे में धुत होकर तेज रफ्तार से गाडी चला रहा एक बाइक चालक ने किसान को जोरदार टक्कर मार बाइक छोड़ कर मौके से फरार हो गया। टक्कर लगने से घायल हुए किसान का इलाज एस जी पीजीआई में चल रहा है। किसान के भाई द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर नगराम पुलिस ने बाइक चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। नगराम थाना क्षेत्र के हसनपुर गाँव के रहने वाले हितेंद्र ने बताया की उनके बड़े भाई

लवकुश (31) रोजमर्रा कि भांति सोमवार को सांय करीब 3 बजे गाँव के बाहर स्थित अपने खेतों की देखरेख करने के लिए पैदल ही निकला था। तभी रास्ते में ब्रजेश प्रधान की दूकान के पास पहुंचते ही गाँव में ही रिस्तेदारी में आया बच्चरावा निवासी छोटू नशे में धुत होकर तेज रफ्तार से बाइक चालते हुए जा रहा था जहां उसकी बाइक अनियंत्रित हो गयी और किसान से जा टकराई। टक्कर लगने से किसान बुरी तरह घायल हो गया। टक्कर मारकर छोटू बाइक छोड़कर मौके से फरार हो गया। वही राहगीरो द्वारा मिली सूचना के बाद पहुँचे परिजनों ने घायल को लेकर सी एच सी नगराम ले कर पहुंचे जहां हालत नाजुक देखकर पीजीआई ट्रामा रेफर कर दिया गया जहां उनकी हालत लगातार नाजुक बनी हुई हुई है। जिसके बाद छोटे भाई हितेंद्र नगराम थाने पहुंचकर मामले की लिखित शिकायत की। नगराम थाना प्रभारी विवेक कुमार चौधरी ने बताया की हितेंद्र द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया, कार्रवाही की जा रही है।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी की संचालन अवधि में वृद्धि

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि उत्तर रेलवे द्वारा रेलगाड़ी सं. 04217/04218 वाराणसी-लखनऊ जं.-वाराणसी अनारक्षित स्पेशल रेलगाड़ी की संचालन अवधि को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

रेलगाड़ी संख्या	स्टेशन से	स्टेशन तक	चलने के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तार की अवधि	फेरे
04217	वाराणसी	लखनऊ जं.	प्रतिदिन	30.04.25	01.05.25 से 30.06.25	61
04218	लखनऊ जं.	वाराणसी	प्रतिदिन	30.04.25	01.05.25 से 30.06.25	61

नोट :– शेष जानकारी पूर्ववत् है

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में पड़ने वाले अन्य स्टेशनों की विस्तृत समय–सारणी और श्रेणियों की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in देखें अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें :- www.railmadad.indianrailways.gov.in

रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

1204/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भीषण आग से 65 झोपड़ियां धधकी थी, 200 लोग हुए प्रभावित

- रुक-रुककर फटते रहे सिलेंडर
- छह घंटे लगे थे काबू पाने में
- बिजली विभाग की लापरवाही आयी सामने
- बुधवार सुबह तक सुलगती रही झोपड़ियां

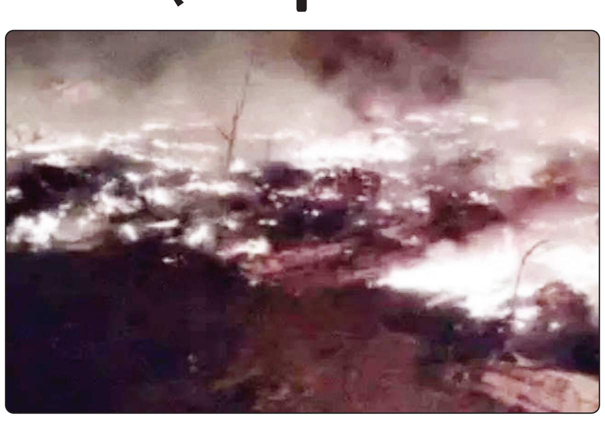

लखनऊ, (ग्रुप 5 संवाददाता)। राजधानी कौनसी खेड़ा में देर रात भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में 65 से अधिक झुग्गी-झोपड़ी धधकी थी। वहीं सिलेंडर और बाइकों के पेट्रोल टैंक फटने से धमाकों से इलाका दहल उठा। तीन-किमी दूर से लपटें दिखाई दे रही थीं। आग की लपटें और चीख पुकार सुनकर लोगों अपने घरों से बाहर निकल आए। लोगों ने पहले पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग बेकाबू होते देख दमकल को सूचना दी। सरोजनीनगर सीएफओ दो दमकल के साथ मौके पर पहुंचे। आग को देखते हुए शहर के सभी दमकल स्टेशन से गाडियां बुलाई गई। 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मी आग पर पूरी तरह से काबू पा सके हैं। एसएफओ ने बताया- रेलवे ट्रैक से सटती जमीन पर ठेकेदार संजीव गुप्ता (8), अंशु बजाज (15) सुभाष (10) खुशी राम साहू (13) हातिम अली (15) हसमत अली (12) और जलील खान (14) ने झोपड़ियां किराए पर ले रखी थीं। इनमें असमिया मजदूरों को रखकर कूड़ा बिनवाने का काम करते थे।

बिजली की पोल में हुए शॉर्टसर्किट से हुआ था हादसा

हादसा बीते मंगलवार रात पौने तीन बजे बिजली के पोल में शॉर्ट सर्किट से हुआ था। देखते ही देखते पूरी बस्ती खाक हो गई। एसएफओ मंगेश कुमार 12 से अधिक दमकल गाडियों के साथ मौके पर डटे रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही से हादसा हुआ है। तीन दिन पहले भी शार्ट सर्किट से आग लगी थी, लेकिन समय रहते बुझा ली गई थी। सरोजनीनगर एफएसओ के मुताबिक आग पूरी तरह बुझी गई है। आग से 65 से ज्यादा झोपड़ी जली हैं और 200 लोग प्रभावित हुए हैं।

बुधवार सुबह भी सुलगती रही आग, डाला पानी

एसएफओ मंगेश कुमार ने बताया- झुग्गी-झोपड़ियां दूसरे दिन बुधवार सुबह तक सुलग रही थीं। सुबह पानी की बौछार कर आग को पूरी तरह काबू में किया गया। आग कनौसी रेलवे फाटक के पास रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी रामबाबू की जमीन पर बनी झुग्गी-झोपड़ियों में लगी थी।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता सी०एण्डडब्ल्यू० लखनऊ के द्वारा ई टेंडर संख्या 240MechCWEddy CurrentLKO24 के अंतर्गत खुली निविदाए आमंत्रित की जाती हैं। जिसके बंद होने की तिथि व समय 13.05.2025, 15:00 है जो उसी दिन 15:30 बजे वेबसाइट पर खोले जाएगे। इस टेंडर के अन्तर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नही होंगे। टेंडर से सबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। टेंडेरर ध्यान दे कि निविदा मूल्य (जैसा IREPS पर प्रावधान हो) का भुगतान वह केवल through online payment mode जो की ireps पर उपलब्ध है जैसे की नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ही स्वीकार्य है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, जमा रसीदें, एफडीआर आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं है।

कार्य का नाम	वर्क आफ सरफेस डिफेक्ट डिटेक्सन ऑन व्हील ऑफ एलएचबी कोचेज बाई ईडी करेन्ट अरे (ईसीए) टेस्टिंग टेक्नीक डयूरिंग डी–3 शिड्यूल ऐट कोचिंग डिपो ऑफ लखनऊ डिवीजन फॉर ए पीरियड ऑफ टू इयर्स।		
निविदा टाइप	खुली निविदा	बिडिंग स्टाइल	सिंगल बिड सिस्टम
निविदा बन्द होने की दिनांक एवं समय	13/05/2025 15:00 बजे	अपलोडिंग दिनांक	23/04/2025
प्री–बिड येस/नो	नो	प्री बिड कुएरी डेट टाइम	नॉट अप्लीकेबल
एडवरटाइज्ड वैल्यू (रू)	34,06,295.97 (Including GST @ 18%)	टेंडरिंग सेक्शन	टेण्डर सी0एण्डडब्ल्यू0
बिडिंग स्टाइल	सिंगल रेट फॉर ईच शिड्यूल	बिडिंग युनिट	% एज अबव/बिलो/एट पार
धरोहर राशि (रू)	68,100.00	ऑफर की वैधता	60 दिन
निविदा मूल्य (रू)	निशुल्क	कार्य की अवधि	24 माह
बिडिंग स्टार्ट डेट	29.04.2025		

No. 240MechCWEddyCurrentLKO24 दिनांक: 22.04.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1195/25

पहलगाम हमलाः कानपुर के शुभम द्विवेदी भी मृतकों में शामिल, मुख्यमंत्री ने फोन कर प्रकट की संवेदना

कानपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों में उत्तर प्रदेश के कानपुर निवासी 31 वर्षीय व्यवसाई शुभम द्विवेदी भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभम के पिता को फोन करके संवेदना प्रकट की है। आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में कायरतापूर्ण आतंकी हमले में जनपद कानपुर के शुभम द्विवेदी जी का निधन अत्यंत दुःखद है। आज दूरभाष पर उनके पिता संजय द्विवेदी से बात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने इसी पोस्ट में कहा कि दुःख की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता से परिवार के साथ खड़ी है और प्रदेश के संबंधित अधिकारियों को पार्थिव शरीर को ससम्मान कानपुर लाने के लिए निर्देशित किया है। आदित्यनाथ ने कहा, प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान व शोकाकुल

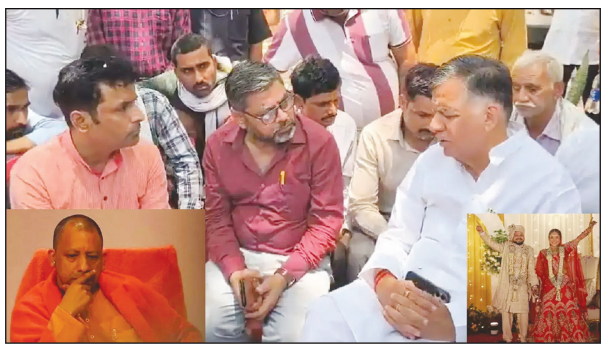

परिजनों को यह अथाह दुःख सहने की शक्ति दें। शुभम की शादी इसी साल 12 फरवरी को हुई थी और उनकी हत्या उनकी पत्नी आशान्या के सामने हुई। सीमेंट व्यवसाय से जुड़ी एक ट्रेडिंग कंपनी चलाने वाले शुभम 16 अप्रैल को अपनी पत्नी और परिवार के नौ अन्य सदस्यों के साथ जम्मू-कश्मीर के एक सप्ताह की छुट्टी मनाने गए थे। उनके माता-पिता, बहन, बहनोई और उनकी बहन के ससुराल के लोगों ने पहलगाम पहुंचने से पहले सोनमर्ग और गुलमर्ग का दौरा किया था। शुभम के चाचा मनोज द्विवेदी के अनुसार नवविवाहित जोड़े ने मंगलवार को दोपहर में पहलगाम में घुड़सवारी करने का फैसला किया, जबकि परिवार के बाकी लोग अपने होटल के पास ही रुके थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान दो-तीन आतंकवादी शुभम और उसकी पत्नी के पास पहुंचे और हमलावरों ने उनसे पहचान पूछने के बाद शुभम के सिर में गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। शुभम के पिता संजय द्विवेदी ने मनोज को फोन पर यह खबर दी। द्विवेदी ने बताया कि परिजन शुभम का शव कानपुर वापस लाने के लिए दिल्ली रवाना हो चुके हैं।पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और इस मुश्किल घड़ी में उनकी मदद के लिए अधीनस्थों को जरूरी निर्देश दिए हैं। शुभम के चचेरे भाई सौरभ द्विवेदी ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि आतंकवादियों ने पहले शुभम से कलमा (इस्लामी आस्था की घोषणा) पढ़ने को कहा और ऐसा न करने पर उसके सिर में गोली मार दी। सौरभ ने बताया कि शुभम की हत्या करने के बाद एक आतंकवादी ने उसकी पत्नी की ओर मुड़कर कहा, जाओ अपनी सरकार को बताओ कि हमने तुम्हारे पति के साथ क्या किया। जिलाधिकारी (डीएम) जितेंद्र प्रताप सिंह ने पुलिस आयुक्त (सीपी) के साथ बुधवार को शोकाकुल परिवार और उनके रिश्तेदारों से मुलाकात की। एक अधिकारी ने पुष्टि की कि जिला प्रशासन ने उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। सिंह ने शुभम के चाचा मनोज द्विवेदी को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गहरी चिंता से अवगत कराया। उन्होंने बताया मुख्यमंत्री ने फोन पर मुझसे पीड़ित के परिवार के बारे में जानकारी ली और उन्होंने दुख की इस घड़ी में पीड़ित के पैतृक गांव में परिवार से मिलने और उन्हें सांत्वना देने के लिए व्यक्तिगत रूप से जाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि परिवार को हर संभव सहायता मिले। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि पीड़ित परिवार को कोई कठिनाई न हो और शव को लाने सहित सभी काम सुचारू रूप से और सुरक्षित तरीके से किए जाएं। जिलाधिकारी ने बताया कि उन्होंने और पुलिस आयुक्त समेत अन्य अधिकारियों ने शोक संतप्त परिवार के साथ आधे घंटे से अधिक समय बिताया और संवेदना व्यक्त की।(भाषा)

अमेरिकी उप राष्ट्रपति ने किया ताजमहल का दीदार, कहा- यह अद्भुत है!

आगरा। अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस ने बुधवार को सपरिवार आगरा पहुंचकर ताजमहल का दीदार किया। जिला प्रशासन के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने, अपनी पत्नी ऊषा और बच्चों के साथ आगरा पहुंचे वेंस की खेरिया हवाई अड्डे पर अगवानी की। उन्होंने बताया कि उसके बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति कार से ताजमहल परिसर पहुंचे और मोहब्बत की मिसाल मानी जाने वाली इस विश्व धरोहर का दीदार किया। वेंस ने ताजमहल का भ्रमण करने के बाद आगंतुक डायरी में लिखा, ताजमहल अद्भुत है। यह सच्चे प्रेम, मानवीय प्रतिभा का प्रमाण है और भारत जैसे महान देश की एक लाजवाब कृति है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट किया, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे. डी. वेंस और उनके परिवार का उत्तर प्रदेश में हार्दिक स्वागत है। यह भारत का पवित्र हृदय स्थल है और अपनी शाश्वत भक्ति, जीवंत संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। सूत्रों के

मुताबिक, अमेरिकी उपराष्ट्रपति का काफिला जिन मार्गों से गुजरा, उन्हें सजाया गया। सड़क के दोनों और बड़ी संख्या में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने अमेरिका और भारत का झंडा लेकर वेंस का स्वागत किया। वेंस के साथ उनकी पत्नी ऊषा और उनके बेटे इवान और विवेक और बेटी मीराबेल भी हैं। परिवार चार दिवसीय भारत यात्रा पर है। हवाई अड्डे पर वेंस को मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के साथ बातचीत करते देखा गया जिन्होंने मेहमानों का फूलों से स्वागत किया। वेंस परिवार ने हवाई अड्डे से ताजमहल तक कार से यात्रा की। उनके काफिले के मार्ग के साथ-साथ आसपास के मार्गों को भी विशेष रूप से सजाया गया था जिसमें सैकड़ों स्कूली बच्चे अमेरिकी ध्वज और तिरंगा दोनों को लहराते हुए सड़कों पर खड़े थे। सरकार द्वारा जारी एक बयान के अनुसार अमेरिकी उपराष्ट्रपति और उनके परिवार के प्रस्थान मार्ग के प्रमुख चौराहों पर रंग-बिरंगी रंगोली, रेत कला और आकर्षक सजावट की गई, जिससे उत्सव का माहौल बन गया।इस हाई-प्रोफाइल यात्रा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। हवाई अड्डे से शिल्पग्राम होते हुए ताजमहल तक 12 किलोमीटर का रास्ता भारी सुरक्षा घेरे में था। बयान में कहा गया कि अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों को तीन दिन पहले से ही आगरा में तैनात किया गया था।(भाषा)

संदिग्ध अवस्था में बल्ली के सहारे लटकता मिला युवती का शव, पुलिस जांच में जुटी

» प्रेमी युवक के परिजनों पर हत्या कर शव लटकाये जाने का लगाया आरोप

रामनगर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। थाना रामनगर के क्षेत्र में उस समय हड़कम्प मच गया जब एक युवती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया। परिजनों ने प्रेमी युवक के परिजनों पर हत्या कर शव लटकाये जाने का आरोप लगाया है। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पुलिस बल के कोतवाल अनिल कुमार पाण्डे ने सीओ गरिमा पंत के निर्देशन में मामले की छानबीन शुरु कर आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद शव को पीएम के लिये जिला अस्पताल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकई पुरवा मजरे ग्राम पंचायत मीरपुर निवासी रोली देवी पुत्री लल्लू राम यादव उम्र करीब 18 वर्ष का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बुधवार की सुबह अंकित कुमार पुत्र माता प्रसाद के दरवाजे पर दुपट्टे के सहारे बल्ली से लटका मिला। जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। परिजनों को जानकारी होने पर पीड़ित परिवार ने पुलिस को सूचित किया। सूचना के बाद मौके पर सीओ गरिमा पंत, कोतवाल अनिल कुमार पांडे भारी पुलिस बल के साथ पहुंच गये। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरु की। मृतका के भाई अजय कुमार यादव ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर अंकित कुमार पुत्र माता प्रसाद चौहान सहित अन्य परिवारीजनो के खिलाफ हत्या कर शव लटकाये जाने की तहरीर पुलिस को दी है। उन्होंने एक दिन पूर्व से ही मृतक युवती के घर से गायब होने और आरोपी से फोन पर बात करने की बात कही है।

आंधी से क्षतिग्रस्त हुए बिजली खंभों की मरम्मत कार्य हुआ पूरा

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। क्षेत्र मे आई आंधी पानी से क्षतिग्रस्त हुए बिजली के खंभों के लगाने का मरम्मत कार्य पूरा हुआ। उपखंड अधिकारी अभिषेक मल्ल ने मौलाबाद, बेचूपुरवा और पेरी गांव में किये गए कार्यो का निरीक्षण किया। एसडीओ ने विद्युत कर्मचारियों के साथ खड़े होकर बिजली के खंभे व तार लगवाकर आपूर्ति बहाल करवाया। विद्युत विभाग के कर्मचारी खंभों की मरम्मत के साथ-साथ तारों को भी दुरुस्त किया। उपखंड अधिकारी अभिषेक मल्ल ने बताया कि सभी गांवों में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है। गांवों में कुछ उपभोक्ताओं के यहाँ अभी सप्लाई नहीं जा रही है वहां भी विद्युत कर्मचारी पहुंच लगातार काम कर रहे है। इस अवसर पर विद्युत कर्मचारी सुशील कुमार, मोहित कुमार सहित तमाम कर्मचारी मौके पर मौजूद मिले।

प्रेम प्रसंग को लेकर हुई नौवीं कक्षा के छात्र की हत्या

बहराइच। जिले में प्रेम प्रसंग को लेकर नौवीं कक्षा के एक छात्र की उसकी प्रेमिका के भाई ने कथित रूप से गला दबाकर हत्या कर दी और घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए उसे फंदे से लटका दिया। पुलिस ने पिछले महीने 24-25 मार्च को हुई इस घटना का बुधवार को खुलासा कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर क्षेत्र) रामानंद प्रसाद कुशवाहा ने बुधवार को बताया कि पिछले महीने 25 मार्च को पयागपुर थाना क्षेत्र के हसुआपुर गांव में नौवीं कक्षा के छात्र शिवांशु (16) का शव उसके घर से थोड़ी दूर फूस के छप्पर में फंदे से लटकता मिला था। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई थी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी गला दबाए जाने से मौत होने की पुष्टि हुई जिसके बाद पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया था।(भाषा)

संक्षिप्त समाचार

पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत-नेपाल सीमा पर कड़ी की गई चौकसी

महराजगंज। उत्तर प्रदेश पुलिस, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और विभिन्न खुफिया एजेंसियों ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत-नेपाल की सोनौली सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है। क्षेत्र में आतंकवादियों की आवाजाही रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को लोगों को सीमा पार करने की अनुमति देने से पहले उनकी पहचान की पड़ताल करने के लिए कहा गया है। महराजगंज के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सोमेंद्र मीना ने पीटीआई-भाषा को बताया कि भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और राष्ट्र विरोधी तत्वों की घुसपैठ को रोकने के लिए एसएसबी ने नेपाल जाने वाले प्रत्एक मार्ग पर क्लोज सर्किट कैमरे और ड्रोन कैमरे लगाए हैं। उन्होंने बताया कि ये कैमरे मुख्य सड़कों के अलावा सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) चौकियों पर भी लगाए गए हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नेपाल की खुली सीमा सुरक्षा बलों के लिए बड़ी चुनौती है। मित्र राष्ट्र होने के कारण यहां रोजाना अनेक लोग सीमा पार करते हैं और राष्ट्र विरोधी तत्व इसका फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले की नेपाल से लगती 84 किलोमीटर लंबी खुली सीमा है, इसलिए एसएसबी और पुलिस के जवान हर आने-जाने वाले की जांच कर रहे हैं। मीना ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा पर सोनौली और ठूंठीबारी चौकियों पर मेटल डिटेक्टर लगा दिए गए हैं। सीमा पार से तस्करी रोकने के लिए मादक पदार्थ और हथियारों का पता लगाने में प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड तैनात किए गए हैं। इन कुत्तों को हथियारों और मादक पदार्थों के संबंध में विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया कि डॉग स्क्वॉड की तैनाती के बाद सीमावर्ती क्षेत्र में संदिग्ध लोगों की जांच करने में मदद मिलेगी। मीना ने बताया कि नेपाली सुरक्षा एजेंसियों की भी मदद ली जा रही है, ताकि कोई राष्ट्र विरोधी तत्व भारतीय सीमा में घुसपैठ न कर सके। सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और महाराजगंज में नेपाल सीमा पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि एसएसबी और पुलिस सीमा से सटे भीड़भाड़ वाले इलाकों और ढाबों पर संदिग्ध लोगों की जांच कर रही है। इसके साथ ही डॉग स्क्वायड की मदद से सोनौली भारत-नेपाल सीमा से गुजरने वाले लोगों और वाहनों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। (भाषा)

दो कारोबारियों से लूट के मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस के सिपाही समेत दो गिरफ्तार

नोएडा। शहर के थाना सेक्टर-113 क्षेत्र में दो व्यापारियों के साथ हुई लूट के मामले में नोएडा पुलिस ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश पुलिस के एक सिपाही समेत 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार पुलिसकर्मी ने खुद को विशेष कार्य बल (एसटीएफ) का अफसर बताकर घटना को अंजाम दिया। इस घटना में शामिल चार लोग अभी फरार हैं, जिनमें दो लोग कारोबारियों के दोस्त हैं। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जोन प्रथम राम बदन सिंह ने बताया कि सेक्टर-76 के सिलिकॉन सिटी में रहने वाले अश्विनी से उसके दिल्ली निवासी दोस्त रजत वर्मा 18 अप्रैल की रात मिलने आए थे। अधिकारी के अनुसार इसी दौरान कुछ लोग उनके फ्लैट पर आए तथा खुद को एसटीएफ का अधिकारी बताकर दोनों दोस्तों को बंधक बना लिया और करीब 18.70 लाख रुपए, दो लैपटॉप और दो मोबाइल फोन लूट लिए। पुलिस ने जब इस मामले की जांच की तो पता चला कि रजत वर्मा व अश्विनी के कानपुर निवासी दो दोस्तों ने उत्तर प्रदेश पुलिस के एक सिपाही के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि घटना की जांच कर रही पुलिस ने सिपाही कोमल सिंह यादव निवासी कानपुर और आरोपी आरुष त्रिपाठी को गिरफ्तार कर लिया है। कोमल प्रयागराज पुलिस लाइन में तैनात है और एक साल से गैर हाजिर चल रहा है। सिंह ने बताया कि इनके पास से घटना में प्रयुक्त दो कार, 6 लाख रुपए, दो लैपटॉप और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इस घटना में शामिल अन्य आरोपियों शोभित, गौरव, दीपांशु और उत्कर्ष की पुलिस तलाश कर रही है। डीसीपी ने बताया कि जांच में पता चला है कि अश्विनी और रजत ने कुछ दिन पहले दीपांशु व शोभित से वीडियो कॉल पर बात की थी। उन्होंने कहा कि इस दौरान शराब पीते हुए अश्विनी व रजत ने फ्लैट में रखी नकदी दोनों को दिखाई, तभी से दीपांशु व शोभित लूट की साजिश रच रहे थे। रजत का दिल्ली में ज्वेलरी और अश्विनी का टिकट आरक्षण का धंधा है।(भाषा)

एएमयू के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में दो छात्र गुटों के बीच झड़प, पांच आरोपी गिरफ्तार

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मंगलवार रात छात्रों के दो गुटों के बीच हुई झड़प और गोलीबारी के सिलसिले में विश्वविद्यालय के कई छात्रों समेत 10 युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय पांडेय ने बुधवार को बताया कि अस्पताल के आपातकालीन सेवा केंद्र में हुई झड़प के बाद घटनास्थल से पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में कल 10 युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है उन्होंने बताया कि वारदात के दौरान दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी भी हुई। इस झड़प के बाद अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों ने सुरक्षा व्यवस्था में चूक का हवाला देते हुए अस्पताल के शटर बंद कर दिए। इससे दर्जनों मरीज फंस गए। उन्होंने बताया कि मौके से गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान सुहैल, जैद, अल्तमश और अहमद फैज के रूप में हुई है। एएमयू के प्रॉक्टर मोहम्मद वसीम अली ने पीटीआई-भाषा को बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से अहमद फैज विश्वविद्यालय का छात्र है। उन्होंने कहा कि अभी भी इस बात की पुष्टि की जा रही है कि गोलीबारी के समय मौके पर गिरफ्तार किए गए अन्य चार लोग विश्वविद्यालय के छात्र हैं या फिर बाहरी लोग हैं। एएमयू के सूत्रों के मुताबिक मंगलवार की शाम एएमयू एथलेटिक्स ग्राउंड में वार्षिक हॉर्स शो के दौरान बैठने की जगह को लेकर उठे विवाद के बाद छात्रों के दो समूहों में झड़प हो गई। इस झड़प में मोहम्मद आदी नामक एक छात्र घायल हो गया।(भाषा)

आतंकवादियों और उनके आकाओं पर हो सख्त कार्रवाई : भाजपा सांसद

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद साक्षी महाराज ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए उम्मीद जताई कि सरकार आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कदम उठाएगी। भाजपा सांसद ने बुधवार को संवाददाताओं से बातचीत में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए केंद्र सरकार से मांग की कि आतंकवादियों और उनके आकाओं के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई हो कि भविष्य में कोई इस तरह की नापाक हरकत करने की हिम्मत न कर सके। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस घटना को लेकर बेहद दुखी हैं और आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कदम उठाएंगे। साक्षी महाराज ने कहा कि देश के आज़ाद होने और फिर विभाजन के

बाद से लेकर आज तक लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहलगाम में हिंदुओं की पहचान पूछ-पूछकर निर्मम हत्या की गई, जो सभ्यता और मानवता की सारी सीमाएं लांघने वाला कृत्य है। उन्होंने कहा आज तक दुनिया में कहीं भी एक भी उदाहरण ऐसा नहीं मिलेगा, जहां हिंदुओं ने इस तरह से मुसलमानों का कत्लेआम किया हो। योगी ठीक कहते हैं कि 100 हिंदुओं के बीच एक मुस्लिम का घर सुरक्षित है, लेकिन 50 मुसलमानों के बीच 10 हिंदुओं के घर सुरक्षित नहीं हैं। (भाषा)

आतंक का पर्याय बनी बाघिन पकड़ी गई

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जिले के महेशपुर वन क्षेत्र के कई गांव में आतंक का पर्याय बनी एक बाघिन को दक्षिण खीरी में वन विभाग के अधिकारियों ने बेहोश करके पकड़ लिया। प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) संजय बिस्वाल ने बुधवार को बताया कि यह बाघिन पिछली 12 अप्रैल से महेशपुर रेंज के अंतर्गत मुदा जवाहर गांव और उसके आसपास के इलाकों में दहशत का कारण बनी हुई थी। उसके हमले में एक ग्रामीण घायल हो गया था। बिस्वाल ने बताया कि अधिकारियों ने जाल का उपयोग करके बाघिन के नौ महीने के मादा शावक को भी पकड़ लिया। उनके मुताबिक, हालांकि, एक अन्य नर शावक बच निकलने में कामयाब रहा और गश्ती दल उसे खोजने और उसकी मां से मिलाने के लिए इलाके में उसकी तलाश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछली 19 अप्रैल को राज्य के मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक से इजाजत मिलने के बाद बाघिन को पकडने का अभियान शुरू किया गया था।(भाषा)

जिलाधिकारी ने पारिजातधाम का निरीक्षण कर दिए दिशा निर्देश

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, (ग्रुप 5 सं.)। तहसील सिरौलीगौसपुर क्षेत्र के बरौलिया गांव स्थित पारिजातधाम मे जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बुधवार को निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले पारिजात वृक्ष के दर्शन-पूजन किए।परिसर की स्थिति देखकर जिलाधिकारी ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में फैली गंदगी की सफाई और कूड़ा निस्तारण के लिए उचित स्थान चिन्हित करने को कहा। फव्वारों की मरम्मत कर उन्हे चालू रखने,लॉन में नई घास लगवाने और नर्सरी के रखरखाव तथा परिसर मे तालाब सरोवर पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मेला परिसर में खराब पड़ी लाइटों की मरम्मत, बंद पड़ी कैंटीन को पुनः चालू करने या वैकल्पिक उपयोग के लिए भी निर्देश जारी किए। जिलाधिकारी ने बताया कि पारिजात वृक्ष के संरक्षण के लिए नियमित रूप से दवाइयों का छिड़काव

किया जा रहा है। पारिजातधाम के बाद श्री कोटवाधाम पहुंचे जिलाधिकारी ने अघहरन सरोवर व बड़े बाबा के दरबार पहुंचकर उन्होंने दर्शन पूजन किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह, तहसीलदार शरद सिंह, खंड विकास अधिकारी अदिति श्रीवास्तव, एसडीओ वन विभाग वरुण प्रताप सिंह, वन क्षेत्राधिकारी अल्पना पाण्डेय,तहसीलदार शरद सिंह, डिप्टी रेंजर मोहित श्रीवास्तव, वन दरोगा तुषार कुमार, ग्राम प्रधान जयप्रकाश वर्मा, लेखपाल सुभेन्द्र अवस्थी, आशुतोष मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। तत्पश्चात जिला अधिकारी शशांक त्रिपाठी श्रीकोटवाधाम बड़े बाबा के दरबार पंहुच कर समर्थ साहेब जगजीवन दास बड़े बाबा के दर्शन पूजन के पश्चात पवित्र अभरन सरोवर अमृत सरोवर का निरीक्षण किया एंव उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को अभरन सरोवर के अधूरे पड़े काम को पूरा कराने के निर्देश दिए।

खेल ऐसी विधा है जो सर्वांगीण विकास करता है : श्याम सुन्दर वर्मा

अम्बेडकर नगर, (ग्रुप 5 सं.)। जनपद में चल रही 47 वीं राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के चौथे दिन प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष श्यामसुंदर वर्मा उर्फ साधु वर्मा और बीजेपी के अयोध्या प्रभारी मिथलेश त्रिपाठी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया अतिथि द्वय ने अपने संबोधन में खिलाड़ियों उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि खेल ऐसी विधा है जो सर्वांगीण विकास करता है आयोजन सचिव डॉ. हनुमान प्रताप सिंह ने पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि पांच दिवसीय इस प्रतियोगिता में देश भर से कुल 32 टीमें प्रतिभाग कर रही है कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त और राजस्व सदानंद गुप्ता अपर जिलाधिकारी न्यायिक रंजीत सिंह उप जिलाधिकारी अकबरपुर अरविंद त्रिपाठी,परियोजना निदेशक अनिल कुमार सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे प्रातः कालीन ही प्रतियोगिता के फ्री क्वार्टर का पहला मैच हरियाणा वर्सेस राजस्थान के बीच खेला गया जिसमें हरियाणा ने 27 और 10 के अंतर से राजस्थान को पराजित किया हरियाणा की तरफ से राहुल ने सर्वाधिक नोबेल किया वहीं राजस्थान की तरफ से विकास ने तीन गोल किए। दूसरा मैच पश्चिम बंगाल और मणिपुर के बीच खेला गया जिसमें पश्चिम बंगाल में 21-17 के अंतर से मणिपुर को पराजित किया इसमें वेस्ट बंगाल की तरफ से मणिकंदन सर्वाधिक 12 गोल किए वहीं मणिपुर की तरफ से प्रेम सुनने कल 6 गोल किए। उसके बाद दिल्ली और गुजरात के बीच मैच खेला गया जिसमें गुजरात ने 16- 15 के कड़े अंतर से दिल्ली की टीम को पराजित किया गुजरात की तरफ से भावेश ने सर्वाधिक छह गोल किए वहीं दिल्ली की तरफ से मोहित ने भी छह गोल किए। फिर झारखंड और कर्नाटक के बीच मैच खेला गया जिसमें झारखंड ने बहुत कड़े मुकाबले में 19- 17 के अंतर से कर्नाटक को पराजित किया झारखंड की तरफ से दीपक ने सर्वाधिक 13 गोल किए वहीं कर्नाटक की तरफ से सर्वाधिक पांच गोल अभिषेक ने किया। उसके बाद उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश के बीच मैच खेला गया जिसमें उत्तर प्रदेश में 26-17 के अंतर से आंध्र प्रदेश को पराजित किया उत्तर प्रदेश की तरफ से मनीष ने छह गोल वहीं आंध्र प्रदेश की तरफ से जगदीश ने छह गोल किए। फिर उसके बाद पंजाब और महाराष्ट्र के बीच मैच खेला गया जिसमें महाराष्ट्र ने कुल 14 गोल किए वहीं पंजाब में नौ गोल किये इस प्रकार महाराष्ट्र ने 149 के अंतर से पंजाब को पराजित किया वहीं महाराष्ट्र की तरफ से गणेश ने सर्वाधिक पांच गोल किए और पंजाब की तरफ से शैलेंद्र ने तीन गोल किए। उसके बाद चंडीगढ़ और बिहार के बीच मैच खेला गया जिसमें चंडीगढ़ ने कुल 31 और बिहार में मात्र 18 गोल किये इस प्रकार चंडीगढ़ में 31-18 के अंतर से बिहार को पराजित किया चंडीगढ़ की तरफ से विपुल ने सर्वाधिक 8 गोल किए वहीं बिहार की तरफ से शिवम ने अकेले सात गोल किए। फिर गोल्डन ईगल और श्याम हैंडबॉल अकादमी के बीच मैच खेला गया जिसमें श्याम हैंडबॉल अकादमी ने 17-10 के अंतर से गोल्डन ईगल को पराजित किया श्याम हैंडबॉल अकादमी की तरफ से दिनेश ने चारकोल वहीं गोल्डन ईगल की तरफ से तनिष्क शर्मा ने कुल तीन गोल किए।

न्यायिक अधिकारियों द्वारा किया गया वृद्धाश्रम व जिला कारागार का निरीक्षण

अम्बेडकर नगर, (ग्रुप 5 सं.)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा प्रेषित प्लान ऑफ एक्शन 2025-26 के अनुपालन में राम सुलीन सिंह, जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, के निर्देशानुसार वृद्धाश्रम, अकबरपुर, में वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण एवं अधिकार के सम्बन्ध में भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता, अपर जिला जज, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, द्वारा विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन एवं शेल्टर होम्स निरीक्षण समिति द्वारा वृद्धाश्रम एवं जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। इस विधिक साक्षरता शिविर में भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता, अपर जिला जज, अभिषेक सिंह, सिविल जज, जूनियर डिवीजन जुडीशियल मजिस्ट्रेट टाण्डा, आश्री शाह, सिविल जज, जूनियर डिवीजन, त्वरित, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मधारी एवं पीएलवी तथा वृद्श्रम अकबरपुर से सत्यप्रकाश, प्रबन्धक, वृद्धाश्रम, अकबरपुर, एवं वृद्धजन द्वारा प्रतिभाग किया गया। शिविर को सम्बोधित करते हुये भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता, अपर जिला जज द्वारा बताया गया कि सरकार द्वारा बुजुर्गों के लिये कई योजनायें तथा नीतियां शुरू की हैं इन योजनाओं का उद्देश्य देश भर में वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, कल्याण तथा उनकी स्वतंत्रता को बढ़ावा देना है।

संक्षिप्त समाचार

संस्कृतनगरी में संस्कृत शिक्षकों की भारी कमी, 52 में से केवल 21 पदों पर तैनाती

ऋषिकेश, एजेंसी। राज्य सरकार द्वारा घोषित संस्कृतनगरी में द्वितीय राजभाषा संस्कृत का अस्तित्व गंभीर संकट में है। यहां संचालित 12 संस्कृत विद्यालय व महाविद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी है। कुल 52 स्वीकृत पदों में से 21 पदों पर ही शिक्षक कार्यरत हैं। राज्य में संस्कृत भाषा को द्वितीय राजभाषा का दर्जा तो दिया गया है, मगर सरकारी स्तर पर इस दिशा में कमियों को दूर करने के लिए कोई प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। ऋषिकेश, मुनि की रेती और स्वर्गाश्रम क्षेत्र में करीब 12 संस्कृत विद्यालय और महाविद्यालय संचालित हो रहे हैं। इन विद्यालय और महाविद्यालयों में 52 शिक्षकों के सृजित पदों में से मात्र 21 पदों पर शिक्षक कार्यरत हैं। विद्यालयों में प्रबंधकीय व्यवस्था पर तैनात और मामूली मानदेय पाने वाले प्रबंधकीय शिक्षकों पर इसकी जिम्मेदारी है। श्री स्वर्गाश्रम ट्रस्ट संस्कृत विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य विनायक भट्ट ने बताया कि संस्कृत शिक्षा एवं विद्यालयों की दशा बहुत ही चिंताजनक है। यदि प्रदेश के संत, महंत और धार्मिक ट्रस्ट अशासकीय संस्कृत विद्यालय न चलाएं तो सरकार कैसे संस्कृत शिक्षा की बात कर पाएगी। संस्कृत भाषा की दशा को सुधारने के लिए राज्य निर्माण से अभी तक कोई भी सरकार ध्यान नहीं दे पाई है।

जिला पंचायत के बैरियर को 300 मीटर आगे लगाया गया

ऋषिकेश, एजेंसी। एसडीएम यमकेश्वर अनिल चन्याल और क्षेत्राधिकारी श्रीनगर अनुज कुमार ने लक्ष्मणझूला क्षेत्र में पहुंचकर यातायात व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान जिला पंचायत के बैरियर को 300 मीटर आगे लगाया गया। रॉफ्ट संचालकों को अपने नंबर से वाहनों का संचालन करने को कहा गया। एसडीएम यमकेश्वर और सीओ श्रीनगर अनुज कुमार ने बताया कि जाम लगने की शिकायत पर गरुडचट्टी, जानकी सेतु, चीला आदि स्थानों पर यातायात व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। गरुड़चट्टी स्थित टोल बैरियर पर पर्ची काटने के कारण जाम लगने का मामला सामने आया। लोगों नेबताया कि जाम में काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। इस पर जिला पंचायत संचालकों के साथ वार्ता कर बैरियर को 300 मीटर आगे की तरफ शिफ्ट किया गया। अब लोगों को जाम से निजात मिलेगी।

नशे का कारोबार रोकने के लिए एसएसपी से मिले लोग

ऋषिकेश, एजेंसी। नगर पालिका मुनि की रेती ढालवाला क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार को रोकने के लिए लोगों ने टिहरी एसएसपी आयुष अग्रवाल से मुलाकात की। कहा कि पालिका क्षेत्र में आए दिन बाहरी लोग उपद्रव मचा रहे हैं। नशे के सौदागर क्षेत्र में सक्रिय हैं। गली, मोहल्लों में नशे के कारण क्षेत्र का वातावरण दूषित हो रहा है। इससे क्षेत्र में आपराधिक घटनाएं भी हो रही हैं। गली-मोहल्लों में शराब की होम डिलीवरी हो रही है। नागरिकों की समस्या सुन एसएसपी ने थाना प्रभारी प्रदीप राणा को समस्या के समाधान के निर्देश दिए। पालिका क्षेत्र में नशे पर नियंत्रण लगाने के लिए स्थानीय लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया इस तरह व्यक्त किया।

जंगलों को आग से बचाने के लिए व्यवस्थाएं कीं चाकचौबंद

ऋषिकेश, एजेंसी। राजाजी टाइगर रिजर्व, नरेंद्रनगर वन प्रभाग मुनि की रेती और देहरादून वन प्रभाग में जंगलों को आग से बचाने के लिए व्यवस्थाएं चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए गए हैं। गर्मी का मौसम शुरू होते ही जंगलों में आग की घटनाएं शुरू हो जाती हैं। इसको रोकने के लिए वन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी अलर्ट मोड पर हैं। राजाजी टाइगर रिजर्व अंतर्गत गौहरी रेंज अधिकारी राजेश जोशी ने बताया कि रेंज क्षेत्र में पांच फायर क्रू स्टेशन बनाए गए हैं। इनमें 10 फायर वॉचर तैनात हैं। प्रत्येक स्टेशनों पर दो-दो फायर वॉचर तैनात किए गए हैं। नरेंद्रनगर वन प्रभाग मुनि की रेती के रेंज अधिकारी विवेक जोशी ने बताया कि शिवपुरी और नरेंद्रनगर रेंज में करीब 24 क्रू स्टेशन बनाए गए हैं। सभी स्टेशनों में चार-चार फायर वॉचर तैनात हैं। ऋषिकेश रेंज अधिकारी गंभीर सिंह धमांदा ने बताया कि रेंज अंतर्गत चार क्रू स्टेशन बनाए गए हैं। प्रत्येक स्टेशनों में चार-चार फायर वॉचर तैनात हैं, जो 24 घंटे घटनाओं की जानकारी कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराएंगे।

वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व का अनोखा संगम है कैलाश मानसरोवर, कई धर्मों की जुड़ी है आस्था

देहरादून, एजेंसी।
करीब पांच साल बाद कैलाश मानसरोवर की यात्रा 30 जून से शुरू होने जा रही है. इस बार कुल 250 भक्तों को ही यात्रा पर जाने की अनुमति मिली है. केंद्र सरकार के साथ-साथ उत्तराखंड सरकार भी कैलाश मानसरोवर की यात्रा की तैयारियों में जुटी हुई है. भोलेनाथ के भक्त उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के लिपुलेख पास से होते हुए ही कैलाश मानसरोवर जाते हैं. कैलाश मानसरोवर न सिर्फ सनातनियों, बल्कि अन्य धर्मों के लिए भी काफी महत्वपूर्ण स्थान रखता है. आज उसी के बारे में आपको विस्तार से जानकारी देते हैं.

बता दें कि उत्तराखंड में कैलाश मानसरोवर यात्रा की जिम्मेदारी केएमवीएन यानी कुमाऊं मंडल विकास निगम को सौंपी गई है. साल 1981 से केएमवीएन ही कैलाश मानसरोवर यात्रा का संचालन कर रहा है. कैलाश मानसरोवर की यात्रा दिल्ली से शुरू होती है और पिथौरागढ़ जिले के लिपुलेख पास मार्ग से होते हुए पूरी होती है. इस बार यात्रा के लिए 50-50 यात्रियों के पांच दल बनाये गये हैं.

कैलाश मानसरोवर यात्रा की धार्मिक मान्यता- कैलाश मानसरोवर को भगवान शिव का घर कहा जाता है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ही भगवान शिव माता पार्वती के साथ कैलाश पर्वत पर निवास करते हैं. भगवान शिव का निवास माने जाने के कारण हिंदू धर्म में इसका खास महत्व है. साथ ही कैलाश मानसरोवर यात्रा को मोक्ष और आध्यात्मिक मुक्ति का प्रतीक भी माना जाता है. इसके साथ ही कैलाश पर्वत को ब्रह्मांड का केंद्र भी कहा जाता है.

पुराणों में भी कैलाश मानसरोवर का जिक्र- मत्स्य पुराण, स्कंद पुराण और शिव पुराण में कैलाश खंड नाम से एक-एक अलग अध्याय मौजूद हैं, जिनमें कैलाश पर्वत की महिमा का बखान किया गया है. मान्यता है कि कैलाश पर्वत से ऊपर स्वर्ग लोक और नीचे मृत्यु लोक है. यानी कैलाश पर्वत के ऊपर स्वर्ग का द्वार है. इन सप्त ऋषियों में भारद्वाज, भृगु, गौतम, अत्रि, कश्यप, विश्वामित्र और वशिष्ठ शामिल है. सनातन धर्म के चार वेदों में ऋग्वेद को विश्व की प्राचीनतम पुस्तक माना जाता है, जिसमें कुल 10 मंडल हैं और दूसरे से 8वें मंडल के रचयिता भी यही सप्त ऋषि थे. ऐसे में कैलाश मानसरोवर की ऐतिहासिकता उत्तर वैदिक काल तक जाती है. बता दें कि उत्तर वैदिक काल 1000 से 600 ई0 पूर्व के मध्य तक माना जाता है. जानिए क्यों कहा जाता है मन सरोवर- कैलाश मानसरोवर को मन सरोवर भी कहा जाता है. मान्यता के अनुसार कैलाश मानसरोवर को ब्रह्म के मन से निर्मित माना जाता है. साथ ही कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा का महत्व सिर्फ सनातन संस्कृत में नहीं है, बल्कि बौद्ध और जैन धर्म में भी कैलाश मानसरोवर को काफी पवित्र स्थान और मोक्ष प्राप्ति का स्थान माना जाता है. बौद्ध धर्म के लिए पूजनीय स्थल- बौद्ध धर्म के लोगों के लिए ÷डेमचोक÷ पूजनीय स्थल है. कहा जाता है कि गौतम बुद्ध ने कैलाश मानसरोवर में तपस्या की थी और बुद्ध की माता ने यहां की यात्रा की थी. ऐसे में इस स्थान की प्रमाणिकता बौद्ध स्त्रोतों के अनुसार 600 ई0 पूर्व तक जाती है. इसी तरह बौन संप्रदाय के लोग भी इसे अपना पवित्र स्थल मानते हैं. जैन धर्म के संतों का भी पवित्र स्थल- इस स्थान को जैन धर्म के लोग उनके पहले तीर्थंकर ऋषभदेव का निर्वाण स्थल मानते हैं. वहीं सनातन धर्म में इस बात की मान्यता है कि द्वापर युग में महाभारत होने के बाद पांडवों ने स्वर्गारोहण यात्रा शुरू की थी. आखिर में धर्मराज युधिष्ठिर कैलाश पर्वत से स्वर्ग की सीढ़ी चढ़े थे. इतिहासकार प्रो. एमएस गोसाईं ने बताया कि साल 1981 से तत्कालीन राज्य सरकार और भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से कैलाश मानसरोवर यात्रा को संचालित किया जा रहा है. पौराणिक और ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो पौराणिक यात्रा सनातन धर्म एक अभिन्न अंग रहा है. ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता कि कैलाश मानसरोवर की यात्रा 1981 से शुरू हुई है, बल्कि यह यात्रा वैदिक काल से ही संचालित हो रही है. कैलाश की 52 किमी लंबी परिक्रमा करने में लगभग दो से तीन दिन का समय लग जाता है. करीब 320 वर्ग मीटर में फैली कैलाश मानसरोवर झील को मन सरोवर यानी ब्रह्मा के मन से निर्मित माना जाता है. यही वजह है कि कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं में उत्साह रहता है. कैलाश मानसरोवर के वैज्ञानिक पहलू- कैलाश मानसरोवर संबंधित वैज्ञानिक पहलुओं की बात करें तो, कैलाश मानसरोवर में असीमित चुंबकीय क्षेत्र का प्रवाह है, जहां पर सामान्य आदमी का रह पाना संभव नहीं है. वैज्ञानिकों का मानना है कि इस क्षेत्र में अलौकिक शक्तियां हैं. साथ ही वहां पर ओम की ध्वनि भी निकलती है जो लोगों को स्पष्ट रूप से सुनाई देती है. यही नहीं, वैज्ञानिक इस बात को मानते हैं कि कैलाश पर्वत ब्रह्मांड का केंद्र है, इसके एक तरफ उत्तरी ध्रुव और दूसरी ओर दक्षिणी ध्रुव स्थित है.

बांसवाड़ा में लगा शिविर, केदारनाथ यात्रा के लिए 2500 से अधिक घोड़ा-खच्चरों का हुआ पंजीकरण

रुद्र प्रयाग, एजेंसी।
पशु डॉक्टरों ने घोड़ा-खच्चरों की जांच कर उनका पंजीकरण किया। पशुपालकों को पशुओं के भोजन और देखरेख के की जानकारी दी गई।

आगामी 2 मई से शुरू हो रही केदारनाथ यात्रा के लिए पशुपालन विभाग ने बांसवाड़ा में घोड़ा-खच्चर पंजीकरण शिविर का आयोजन किया। इस मौके पर कुल 202 घोड़ा-खच्चरों का पंजीकरण करते हुए उन्हें इंटरनल टैग लगाए। अभी तक 2500 से अधिक घोड़ा-खच्चरों का पंजीकरण किया जा चुका है।

सोमवार को वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. सतेंद्र यादव के नेतृत्व में पशु डॉक्टरों ने घोड़ा-खच्चरों की जांच कर उनका पंजीकरण किया। पशुपालकों को पशुओं के भोजन और देखरेख के की जानकारी दी गई। शिविर में घोड़ा-खच्चरों की उम्र, वजन के हिसाब से जांच की गई। साथ ही हॉर्ष फ्लू और ग्लैंडर्स बीमारी की जांच के लिए खून के सैंपल लिए गए।

दूसरी तरफ केदारनाथ यात्रा में घोड़ा-खच्चरों का संचालन करने वाली कंपनी जी-मैक्स के यात्रा प्रभारी खुशाल सिंह ने बताया कि अभी तक यात्रा के लिए 2500 से अधिक घोड़ा-खच्चरों का पंजीकरण किया जा चुका है। पहले चरण में पांच हजार घोड़ा-खच्चरों का पंजीकरण किया जाना है। यात्रा में घोड़ा-खच्चरों से जुड़ी समस्या के निस्तारण के लिए कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जा रहा है।

यात्रा के दौरान व्यवस्थाएं दुरुस्त बनाएं : प्रेमचंद

ऋषिकेश, एजेंसी। चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए नवनियुक्त एसडीएम योगेश मेहरा ने विधायक प्रेमचंद अग्रवाल से मुलाकात की। विधायक ने चारधाम यात्रा, अतिक्रमण, कानून व्यवस्था समेत तहसील में प्रशासनिक व्यवस्था सुधारने के लिए निर्देशित किया।

बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय में हुई मुलाकात के दौरान विधायक ने कहा कि अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह से चारधाम यात्रा शुरू होने जा रही है। चारधाम यात्रा में अव्यवस्था न फैले, इसके लिए संयुक्त रूप से विभागों और पुलिस टीम को निर्देशित कर व्यवस्था बनाएं।

यात्रा काल में अतिक्रमण होने से यातायात बाधित होता है। इसके लिए रूपरेखा तैयार करें। आगामी मानसून के लिए अभी से तैयारियां प्रारंभ करें, जिससे मानसून काल के दौरान बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में समस्या आए तो त्वरित उनका समाधान हो सके।

इसके लिए कॉल सेंटर, बाढ़ के दौरान उपयोग में आने वाले उपकरणों की जांच कर ली जाए।

टिहरी कप्तान का फरमान, 6 माह तक पुलिस कर्मियों को नहीं मिलेगी छुट्टी

ऋषिकेश, एजेंसी। सिपाहियों की कमी से जूझ रहे जनपद टिहरी गढ़वाल के पुलिस कप्तान आयुष अग्रवाल ने चारधाम यात्रा की दृष्टि से एक अहम निर्णय लिया है. उन्होंने अग्रिम आदेश तक सभी पुलिस कर्मियों के छुट्टी लेने पर रोक लगा दी है. यह रोक आकस्मिक कारणों पर लागू नहीं होगी. दरअसल 30 अप्रैल से उत्तराखंड की प्रसिद्ध चारधाम यात्रा शुरू हो रही है. जनपद टिहरी चारधाम यात्रा के लिए अपने आप में अहम जिला माना जाता है. इसी जिले से गंगोत्री, यमुनोत्री और श्रीनगर के लिए चारधाम यात्रा पर जाने वाले और लोकल वाहन आवागमन करते हैं. लेकिन सिपाहियों की कमी के चलते किस प्रकार चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों और उनके वाहनों के लिए व्यवस्था बनाई जाएगी, यह पुलिस कप्तान आयुष अग्रवाल के लिए चुनौती बन गया है.

चारधाम यात्रा के कारण छुट्टी नहीं ले पाएंगे पुलिसकर्मी- उन्होंने अपनी इस चुनौती का हल निकालने के लिए बड़ा फैसला लिया है. जनपद में 140 सिपाहियों की मौजूदगी के साथ वह चारधाम यात्रा को बेहतर बनाने की कोशिश में लगे हुए हैं. इसीलिए उन्होंने सभी सिपाहियों के अग्रिम आदेश तक छुट्टी लेने पर रोक लगा दी है. एसपी ने यह भी कहा है कि कोई भी इंस्पेक्टर या प्रभारी बिना उनकी अनुमति के किसी भी सिपाही को छुट्टी नहीं देगा. आकस्मिक वजह से छुट्टी लेने वाले सिपाही को पूरी डिटेल के साथ कारण स्पष्ट लिखकर देना होगा, तभी उसे छुट्टी दी जाएगी.

गौरतलब है कि उत्तराखंड की प्रसिद्ध चारधाम यात्रा 30 अप्रैल 2025 से शुरू हो रही है. चारधाम में यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ धाम आते हैं. 30 अप्रैल को यमुनोत्री और गंगोत्री धामों को कपाट खुलेंगे. ये दोनों धाम उत्तरकाशी जिले में हैं. इनका रास्ता टिहरी जिले से होकर जाता है. यमुनोत्री और गंगोत्री दर्शन करने के बाद जब तीर्थयात्री केदारनाथ और बदरीनाथ धाम को जाते हैं तो रास्ता टिहरी जिले से होकर ही श्रीनगर को निकलता है. ऐसे में टिहरी गढ़वाल में यात्रा व्यवस्था और यात्रियों के वाहनों के संचालन को लेकर पुलिस की जिम्मेदारी बढ़ जाती है.

जंगल में छिपा था रेवाड़ी का पांच हजार का इनामी कलुआ

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी।
गूलरभोज के ठंडानाला के रहने वाले हरियाणा के रेवाड़ी के पांच हजार के ईनामी ठग को पुलिस ने पीपलपड़ाव रेंज के जंगल से गिरफ्तार किया है। जंगल में छिपे दो और संदिग्धों को पकड़ा है।

गूलरभोज के ठंडानाला के रहने वाले हरियाणा के रेवाड़ी के पांच हजार के ईनामी ठग को पुलिस ने पीपलपड़ाव रेंज के जंगल से गिरफ्तार किया है। जंगल में छिपे दो और संदिग्धों को पकड़ा है। पुलिस की सूचना पर रेवाड़ी पुलिस ईनामी ठग को लेने गदरपुर रवाना हो चुकी है।

दो दिन पहले हरियाणा के गुरूग्राम और गदरपुर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गूलरभोज के ठंडा नाला गांव में पीएसी के साथ दबिश दी थी। टीम ने विभिन्न राज्यों में ठगी के मामलों में लिप्त सैफ अली और शहजाद मोहम्मद को गिरफ्तार किया था। दोनों के खिलाफ गुरूग्राम में केस दर्ज थे। इसके अलावा टीम ने कार्रवाई में बाधा डालने के आरोप में छह लोगों को हिरासत में लिया था।

सोमवार को फिर से गदरपुर पुलिस ने ठंडानाला में अन्य राज्यों के वांछित अभियुक्तों की तलाश में दबिश दी लेकिन टीम को घरों में बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं ही मिलीं। पुलिस को पता चला कि गैंग के कुछ सदस्य पीपलपड़ाव रेंज के जंगलों में छुपे हैं। पुलिस ने वेश बदलकर जंगल में सघन अभियान चलाकर वहां छिपे इब्राहिम उर्फ कलुआ निवासी ठंडानाला को गिरफ्तार किया। उस पर ठगी के मामले में हरियाणा के रेवाड़ी जिले में पांच हजार रुपये का इनाम घोषित है। इसके अलावा टीम ने जंगल में छिपे अनवर और मुजाहिर को भी हिरासत में लिया है। एसएसपी ने बताया कि अन्य वांछितों की तलाश हेतु सघन अभियान आगे भी जारी रहेगा। ईनामी इब्राहिम को लेने के लिए रेवाड़ी पुलिस गदरपुर पहुंच रही है।

हरियाणा के रेवाड़ी और गुरूग्राम में ठगी के मामले में पुलिस को ठंडानाला निवासी एजाज और रफाकत की भी तलाश है। हरियाणा पुलिस ने दोनों की गिरफ्तारी के लिए जिला पुलिस से सहयोग मांगा है। दो बार की कार्रवाई में दोनों हत्थे नहीं चढ़ सके हैं। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। पुलिस और ठग गैंग दोनों अपने अपने मुखबिरों को लगाए हुए हैं। एसएसपी ने बताया कि ठंडा नाला के आसपास गैंग के मुखबिर हैं। ये लोग दिन-रात गांव की तरफ होने वाली आवाजाही पर नजर रखते हैं। पुलिस के पहुंचने की सूचना गैंग सदस्यों को देते हैं।

15 वर्ष तक की आयु वर्ग में एक लाख से अधिक पंजीकरण

चमोली, एजेंसी। एक माह में ऑनलाइन पंजीकरण का आंकड़ा 19 लाख पार कर चुका है। इसमें 0 से 15 वर्ष की आयु वर्ग में 1,11,298 पंजीकरण किए जा चुके हैं।

चारधाम यात्रा में बच्चों से लेकर बूढ़े और जवान आने को तैयार हैं। एक माह के भीतर ऑनलाइन यात्रा पंजीकरण में अब तक 0 से 15 वर्ष की आयु वर्ग में 1,11, 298 बच्चे पंजीकरण करा चुके हैं। जबकि 60 से ऊपर आयु वर्ग में 2.58 लाख से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया है। युवाओं में चारधाम यात्रा करने के लिए काफी उत्साह है।

चारधाम यात्रा में हर साल तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ रही है। समय के साथ यात्रा का स्वरूप भी बदल रहा है। अब यात्रा में आने के लिए बच्चे, बूढ़े और जवान सब आतुर हैं।

नौ साल की बेटी को लेकर बिचौलिया के साथ गई विवाहिता, पति काट रहा पुलिस के चक्कर

हरिद्वार, एजेंसी। महिला 15 साल के बेटे को पति के पास छोड़ गई। और नौ साल की बेटी को लेकर बिचौलिया के साथ चली गई। अब पति पुलिस के चक्कर काट रहा है।

एक विवाहिता नौ साल की बेटी को लेकर बिचौलिया के साथ चली गई। वहीं, 15 साल के बेटे को पति के साथ छोड़ गई। बेटा और पति थाने से लेकर एसएसपी कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं। पति का आरोप है कि कई बार पत्नी और उसके प्रेमी ने उस पर हमला भी किया।

ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र निवासी पति विकास मंगलवार को एसएसपी कार्यालय पहुंचा। उसने बताया कि मई वर्ष 2009 में उनकी शादी उत्तरकाशी के एक गांव में हुई। शादी रुड़की निवासी सिंचाई विभाग में तैनात जेई ने करवाई थी। तब वह उत्तरकाशी में ही जेई के पद पर तैनात था। जेई से उसके पारिवारिक संबंध हैं।

बताया जा रहा है कि अब जेई की पदोन्नति हो गई है और अधिशासी अभियंता हो गया है। उसका एक 15 साल का बेटा है और नौ साल की बेटी है। वह सुबह घर से निकल जाता है और देर शाम लौटता है। आरोप है कि जनवरी 2025 को विकास ने पत्नी और बिचौलिया को सिडकुल के पेंटागन मॉल के पास देखा। पत्नी से जब उसने आने का कारण पूछा तो दोनों हमलावर हो गए।

पीड़ित विकास का कहना है कि जब वह पत्नी को प्रेमी से मिलने के लिए मना करता था तो वह पुलिस को बुलाने की धमकी देती थी। कई बार तो वह जान बचाकर भागा। बच्चों के भविष्य की चिंता करते हुए समझौता कर लेता। इसी बीच बेटे ने पत्नी के प्रेमी के बारे में बताया कि जब भी उसके आप घर से बाहर होते तो अंकल घर में दिनभर मम्मी के साथ बंद कमरे में रहते हैं।

भेद खुलने पर वह प्रेमी के साथ चली गई। पीड़ित पति विकास का आरोप है कि प्रेमी ने उसकी पत्नी को रोशनाबाद स्थित पीएम आवास योजना के फ्लैट में रखा हुआ है। यहां न तो उसके बेटे को मिलने दिया जा रहा है और न ही बेटी को उसके पास भेज रही है।

उत्तराखंड में नदी-नालों पर हुए अतिक्रमण के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई, लक्सर में बाणगंगा सफाई अभियान शुरू

नैनीताल, एजेंसी।
उत्तराखंड हाईकोर्ट ने देहरादून की विभिन्न नदियों, नालों, खालों में हुए अतिक्रमण को लेकर दायर अलग-अलग जनहित याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की. मामले की सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से बताया गया कि रिस्पना नदी के किनारे दो अतिक्रमण चिन्हित किये गए हैं.

नदियों में अतिक्रमण के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई- अतिक्रमणकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई और मुकदमा दर्ज करने के सम्बंध में रायपुर देहरादून के थानाध्यक्ष से व्यक्तिगत शपथ पत्र दायर करने को कहा है. मामले की सुनवाई अब 2 मई को होगी. कोर्ट ने अगली सुनवाई के दिन भी प्रमुख सचिव वन आरके सुधांशु, प्रमुख सचिव सिंचाई डॉ राजेश कुमार, सचिव शहरी विकास नीतीश कुमार झा और सचिव राजस्व एसएन पांडे को कोर्ट में उपस्थित रहने को कहा है. हाईकोर्ट के आदेशों के अनुपालन की रिपोर्ट देने को कहा है.

दो मई को होगी अगली सुनवाई- मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की कोर्ट ने देहरादून क्षेत्र में नदी नालों बिना मानचित्र स्वीकृति के किए जा रहे अवैध निर्माण तुरंत रोकने को कहा है. सोमवार को हुई सुनवाई पर सरकार की ओर से कहा गया कि उन्होंने कोर्ट के आदेश की अनुपालन रिपोर्ट कोर्ट में पेश कर दी है. कोर्ट के आदेश के अनुसार ही पूर्व में एक कमेटी गठित कर

सर्वे किया गया है और अतिक्रमण को चिन्हित किया गया.

मामले के अनुसार अजय नारायण शर्मा, रेनू पाल व उर्मिला थापर ने उच्च न्यायालय में अलग अलग जनहित याचिका दायर कर कहा है कि देहरादून में सहस्त्रधारा में जलमग्न भूमि में भारी निर्माण कार्य किए जा रहे हैं. इससे जल स्रोतों के सूखने के साथ ही पर्यावरण को खतरा पैदा हो रहा है. जबकि दूसरी याचिका में कहा गया है कि ऋषिकेश में नालों, खालों और ढांग पर बेइंतहां अतिक्रमण और अवैध निर्माण किया गया है. तीसरी जनहित याचिका में यह भी कहा गया है कि देहरादून में 100 एकड़, विकासनगर में 140 एकड़, ऋषिकेश में 15 एकड़, डोईवाला में 15 एकड़ करीब नदियों की भूमि पर अतिक्रमण किया जा चुका है.

लक्सर से बाणगंगा सफाई अभियान शुरू- इधर लक्सर में हरिद्वार सांसद पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बाणगंगा को स्वच्छ बनाने के लिए अभियान शुरू किया है. उन्होंने लक्सर में जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर विधि विधान के साथ पूजा अर्चना हवन करते हुए गंगा सफाई अभियान की शुरुआत कर दी है. सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि विश्वभर में नदियों का जलस्तर कम होने से ग्लोबल वार्मिंग और पेयजल संकट जैसी कई गंभीर समस्याएं पैदा हो रहीं हैं. देश में सरस्वती नदी इसका बड़ा उदाहरण है. नदियों के प्रदूषित होने और जलस्तर कम होने के कई गंभीर परिणाम अभी से दिखने लगे हैं. हम सभी को इसके लिए सचेत होने की आवश्यकता है.

सांसद त्रिवेंद्र रावत ने शुरू किया अभियान- उन्होंने बताया कि जनपद में पश्चिम बहनी बाणगंगा नदी को स्वच्छ बनाने के लिए निर्बल निर्धन विधिक सहायता समिति और देवभूमि सेवा संस्थान के सहयोग से अभियान शुरू किया जा रहा है.

ग्रुप-5 समाचार

www.group5news.com/epaper

Visit us at: www.group5news.com/epaper

सम्पादकीय

कायराना हमला

सैयद अहमर हसनैन

कश्मीर एक बार फिर आतंकवाद खून से लथपथ है। कम से कम 28 पर्यटकों के मारे जाने की आशंका है - मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है - और कई अन्य घायल हुए हैं, क्योंकि आतंकवादियों ने कश्मीर आने वाले पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय गंतव्य पहलगाम में खून बहाया है। खून से लथपथ और विकृत शवों के ढेर में पड़े हुए, नरेंद्र मोदी सरकार जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति का दावा भी कर रही है। विडंबना यह है कि इस हमले से कुछ दिन पहले, लेफ्टिनेंट-गवर्नर मनोज सिन्हा ने कहा था कि कश्मीर में आतंकवाद के जाल को काट दिया गया है और अब जम्मू ही है जो आतंकवादियों द्वारा खून-खराबे का खामियाजा भुगत रहा है। दिल्ली में अपने आकाओं की तरह श्री सिन्हा भी कश्मीर पर गलत साबित हुए हैं - एक बार फिर। पहलगाम में यह भयावह घटना और भी महत्वपूर्ण हो सकती है क्योंकि यह संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस की भारत यात्रा के दौरान हुई है। इस हमले से देश के भीतर और बाहर जो ध्यान आकर्षित होगा, उससे मोदी के प्रचारकों के लिए चौथे स्तंभ की मदद से सामान्य स्थिति का आख्यान प्रस्तुत करना मुश्किल हो जाएगा।

हाल के दिनों में यह एकमात्र मौका नहीं है जब आतंकवादियों ने कश्मीर में पर्यटकों को निशाना बनाया है वैष्णो देवी के पास रियासी में पिछले साल जून में आतंकवादियों ने नौ पर्यटकों की हत्या कर दी थी। इन हमलों से पर्यटन को गहरा झटका लगने की संभावना है, जिसका कश्मीर पर्यटन-संचालित अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। पहलगाम की गूंज सीमा पार भी महसूस की जाएगी, जिससे पाकिस्तान के उन संदिग्ध तत्वों को प्रोत्साहन मिलेगा जो भारत में शांति और सुरक्षा के विरोधी हैं। नई दिल्ली के विचारकों ने इस त्रासदी का जवाब हमेशा की तरह जोरदार बयानबाजी से दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री कश्मीर पहुंचे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि और हम न केवल उन लोगों का पता लगाएंगे जिन्होंने इस हमले को अंजाम दिया बल्कि हम उन लोगों तक भी पहुंचेंगे जिन्होंने पर्दे के पीछे बैठकर भारत की धरती पर इस नापाक कृत्य को अंजाम देने की साजिश रची। भारत इतनी पुरानी सभ्यता और इतना बड़ा देश है कि वह किसी भी आतंकवादी गतिविधि से भयभीत नहीं हो सकता। ऐसे कृत्यों के लिए जिम्मेदार लोगों को निकट भविष्य में मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। सिंह ने पहलगाम में हुए हमले को अत्यंत अमानवीय बताया, जिसने 'हम सभी को दुखी कर दिया है। मैं भारत के इस दृढ़ संकल्प को दोहराना चाहूंगा कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति कतई बर्दाश्त नहीं करने (जीरो टॉलरेंस) की है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में पत्नी और 9 वर्ष के बेटे के सामने जान गंवाने वाले ओडिशा निवासी प्रशांत सत्पथी महीनों तक पैसे बचाकर कश्मीर की यात्रा पर गए थे। इसे लेकर वह काफी उत्साहित थे। पर्यटक के बड़े भाई सुशांत ने बताया कि प्रशांत की मौत की खबर सुनकर मां सदमे के कारण कुछ बोल नहीं पा रहीं। ओडिशा के बालासोर जिले में स्थित केंद्रीय प्लास्टिक इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में लेखा सहायक के रूप में कार्यरत प्रशांत (40) पत्नी और बेटे के साथ छुट्टियां मनाने कश्मीर गए थे। पत्नी प्रियदर्शनी आचार्या ने बताय कि जब हम बैसरन में रोपवे से उतर रहे थे, तभी प्रशांत के सिर में गोली लगी वह वहीं ही गिर पड़े। सेना एक घंटे बाद आई। आने वाले दिनों में घाटी से उठने वाली चीख-पुकार को दबाने की कोशिश करने वाली सामूहिक सरकारी कश्मीर नीति की विफलताओं को नहीं छिपा सकता। एकतरफा तानाशाही उपायों ने न केवल आम कश्मीरी को अलग-थलग कर दिया है, बल्कि आतंकवाद की लपटों को बुझाने में भी विफल रहा है। लेफ्टिनेंट गवर्नर की कठपुतली सरकार, जिसने एक निर्वाचित राज्य सरकार को नपुंसक बना दिया है, को भी दोष से बचने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। नई दिल्ली को कश्मीर पर फिर से विचार करने की जरूरत है। लेकिन, खराब परिस्थितियों को देखते हुए, राज्य का दर्जा तुरंत वापस पाना और कश्मीर की निर्वाचित सरकार की शक्तियों का फिर से बहाल होना असंभव है।

कश्मीर में नरसंहार

पहलगाम में मजहबी आतंक का सबसे बर्बर चेहरा

ललित गर्ग

सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हमलावरों ने दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग से होते हुए किश्तवाड़ के रास्ते बैसरन तक पहुंच बनाई। घटना दोपहर करीब तीन बजे की है, जब बैसरन के घास के मैदान और आसपास के इलाकों में भारी संख्या में पर्यटक मौज-मस्ती कर रहे थे, कुछ खच्चरों की सवारी का आनंद ले रहे थे तो कुछ परिवार पिकनिक मना रहे थे। तभी घात लगाए बैठे आतंकियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना के लिये सीधे तौर पर पाकिस्तान जिम्मेदार है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि चंद दिन पहले ही पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने किसी जिहादी की तरह हिंदुओं और भारत के खिलाफ अपनी घृणा का भद्दा प्रदर्शन किया था। अबू मूसा का वह भाषण और उसके तुरंत बाद हुआ पहलगाम नरसंहर दर्शाता है कि पीओके में बैठे आतंकी सरगना न केवल भारत विरोधी जहरीला प्रचार फैला रहे हैं, बल्कि कश्मीर घाटी की शांति, विकास एवं सौहार्द को बाधित करने की हर कोशिश को सफल बनाने में जुटे हैं। वे आगामी समय में घाटी को फिर से अशांत करने की योजना पर भी काम कर रहे हैं। इस भीषण आतंकी हमले के बाद घाटी में पर्यटन संबंधी कारोबार करीब-करीब ठप पड़ना तय है...

जम्मू-कश्मीर में स्थित पहलगाम, जिसे 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से जाना जाता है, मंगलवार को एक भीषण, दर्दनाक एवं अमानवीय आतंकी हमले का गवाह बना, एक बार फिर जिहादी आतंक का घिनौना-बर्बर चेहरा दिखा। आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष-निहत्थे पर्यटकों की जिस तरह पहचान पता करके गोलियां बरसाईं, उससे यही पता चलता है कि वे केवल खौफ ही नहीं पैदा करना चाहते थे, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों का खून बहाकर दुनिया का ध्यान भी खींचना चाहते थे। यह आतंकवाद एवं सांप्रदायिक घृणा का अब तक का सबसे घिनौना एवं बर्बर हमला एवं चेहरा है, जिसमें हिन्दू सुनकर चलाई गोलियां। जो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मूल एजेंडे का हिस्सा है। इस जघन्य एवं त्रासद घटना में निर्दोष पर्यटकों को तब मौत की गहरी नींद सुलाया गया, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत में हैं और भारतीय प्रधानमंत्री सऊदी अरब में। इस हमले ने यह प्रकट किया कि कश्मीर में बचे-खुचे आतंकी किसी भी सीमा तक गिरने पर आमादा हैं। आतंकियों ने उन पर्यटकों को निशाना बनाया, जो कश्मीरियों की रोजी-रोटी को ही सहारा देने कश्मीर गए थे। यह हमला इतना वीभत्स था कि उसने हर संवेदनशील दिल को झकझोर कर रख दिया। आतंकियों ने नृशंसता की सारी सीमाएं पार करते हुए अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 28 पर्यटक, जिनमें दो विदेश नागरिक भी थे, की दर्दनाक मौत हो गई।

हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने ली है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हमलावरों ने दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग से होते हुए किश्तवाड़ के रास्ते बैसरन तक पहुंच बनाई। घटना दोपहर करीब तीन बजे की है, जब बैसरन के घास के मैदान और आसपास के इलाकों में भारी संख्या में पर्यटक मौज-मस्ती कर रहे थे, कुछ खच्चरों की सवारी का आनंद ले रहे थे तो कुछ परिवार पिकनिक मना रहे थे। तभी घात लगाए बैठे आतंकियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना के लिये सीधे तौर पर पाकिस्तान जिम्मेदार है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि चंद दिन पहले ही पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने किसी जिहादी की तरह हिंदुओं और भारत के खिलाफ अपनी घृणा का भद्दा प्रदर्शन किया था। अबू मूसा का वह भाषण और उसके तुरंत बाद हुआ पहलगाम नरसंहर दर्शाता है कि पीओके में बैठे आतंकी सरगना न केवल भारत विरोधी जहरीला प्रचार फैला रहे हैं, बल्कि कश्मीर घाटी की शांति, विकास एवं सौहार्द को बाधित करने की हर कोशिश को सफल बनाने में जुटे हैं। वे आगामी समय में घाटी को फिर से अशांत करने की योजना पर भी काम कर रहे हैं। इस भीषण आतंकी हमले के बाद घाटी में पर्यटन संबंधी कारोबार करीब-करीब ठप पड़ना तय है। आखिर इतनी भयावह घटना के बाद कौन पर्यटक कश्मीर की ओर रुख करेगा? लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर पहलगाव में आतंकियों ने पूरे देश में आक्रोश की लहर पैदा करने वाली घटना को अंजाम दिया है। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पहली बार कश्मीर में इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों और उनके समर्थकों को करारा जवाब दिया जाना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। पहलगाम में आतंकी हमले की गंभीरता इससे प्रकट होती है कि जहां गृहमंत्री अमित शाह आनन-फानन श्रीनगर के लिए रवाना हुए, वहीं सऊदी अरब गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा बीच में छोड़कर दिल्ली आ गये। दिल्ली आते ही एयरपोर्ट पर ही एक मीटिंग की, जिसमें अजित डोभाल से गंभीर मंत्रणा के बाद इस आतंकवादी घटना के खिलाफ एक्शन लेना प्रारंभ कर दिया। मोदी एवं शाह के एक्शन से उम्मीद बंधी है कि इस बार कुछ निर्णायक होगा। पहलगाम की सुंदर घाटी को रक्त रंजित करने के लिये आतंकवाद का जिन्न भले ही निकल आया हो, लेकिन इस बार निर्दोष एवं बेकसूर लोगों का रक्त व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। यह हमला पाकिस्तान की बौखलाहट का नतीजा है, उसी के इशारे पर किया गया। यह मानने के पुख्ता एवं पुष्ट कारण हैं कि पाकिस्तान सुलगते बलूचिस्तान

से दुनिया का ध्यान हटाना चाहता है और उसे यह रास नहीं आ रहा कि कश्मीर में स्थितियां तेजी से सामान्य होती जा रही हैं। भारत को पाकिस्तान के शैतानी इरादों के प्रति और अधिक सतर्क रहना चाहिए था। वह न पहले भरोसे लायक था और न अब। अब आतंकियों को शह और सहयोग देने वाले पाकिस्तान को निर्णायक रूप से सबक सिखाया जाना ज्यादा जरूरी हो गया है। तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक बड़ी जीत बनी है, जिससे भी पाकिस्तान भयभीत बना। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों और विशेषतः जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ न केवल था, बल्कि आर्थिक एवं अन्य तरह का सहयोग भी शामिल है। पहलगाम की ताजा घटना हो या बार-बार होने वाली आतंकी घटनाएं तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इन हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश एवं दुनिया के सामने आने का डर पाकिस्तान को सता रहा था, तभी उसने इस पहलगाम की घटना को अंजाम दिया। लेकिन अब हद हो गयी। अब एक साथ कई मोर्चे पर आतंकवाद के खिलाफ कमर कसनी होगी, अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का असली बड़ा काम यहां से शुरू करना होगा।

क्या है देश के अपमान की परिभाषा !

बड़बोलापन

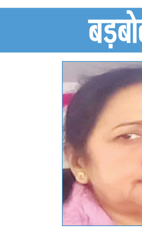

निर्मल रानी

इसी बहाने सत्ता सुख भोगने वालों ने अपने आक़ा को न केवल अपनी आक्रामक सक्रियता जताने के लिये बल्कि अपने पद व राजनैतिक भविष्य को सुरक्षित रखने के लिये राहुल गांधी के प्रति तरह तरह के अपशब्द कह डाले। इस तिलमिलाहट के एक मायने तो यह भी हैं कि यही आरोप राहुल गाँधी भारत में ही लगायें तो कोई बात नहीं,आपत्ति केवल यह है कि उन्होंने यह सब अमेरिका में जाकर क्यों कह दिया ? दरअसल राहुल गांधी ने पिछले दिनों अमेरिकी ब्राउन यूनिवर्सिटी में अपने संबोधन में कहा था कि - यह बिल्कुल स्पष्ट है कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है और सिस्टम में कुछ गड़बड़ है। मैंने यह कई बार कहा है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में वयस्कों की संख्या से ज़्यादा लोगों ने मतदान किया। चुनाव आयोग ने हमें शाम 5:30 बजे तक के मतदान के आंकड़े दिए और शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच 65 लाख मतदाताओं ने मतदान कर दिया ? ऐसा होना शारीरिक रूप से असंभव है। एक मतदाता को मतदान करने में लगभग 3 मिनट लगते हैं और अगर आप गणित लगाएं तो इसका मतलब है कि सुबह 2 बजे तक मतदाताओं की लाइनें लगी रहीं। लेकिन ऐसा नहीं हुआ...

कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी देश विदेश में कहीं भी बोलते हैं तो उनके एक एक शब्द पर सत्ताधारी दल के नेताओं के कान लगे होते हैं। शायद भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रधानमंत्री के भाषण को भी इतने ग़ौर से न सुनते हों जितने कि राहुल गाँधी व सांसद प्रियंका गाँधी व सोनिया गाँधी के भाषण सुने जाते हों। ज़ाहिर है लगभग 11 वर्ष तक केंद्र में सरकार चलाने के बावजूद चूँकि अभी भी नेहरू गाँधी परिवार वर्तमान सत्ता को सीधे तौर पर चुनौती दे रहा है और संसद से लेकर सड़कों तक सत्ता से ऐसे सवाल पूछ रहा जिसका जवाब देने से सत्ता कतराती रहती है। इसीलिये इन्हें नेहरू गाँधी परिवार की बातों में ही बतंगड़ बनाने की सामग्री तलाशनी होती है। ख़ासकर राहुल गाँधी जो बातें अपने देश में भी करते हैं यही बात यदि वे विदेश में जाकर करें तो इन्हें यह सब विदेशी धरती पर देश का अपमान करनानज़र आता है। वैसे भी राहुल गाँधी ने अमेरिका में बोस्टन की ब्राउन यूनिवर्सिटी में जाकर कौन सी ऐसी नई बात कह दी या नया आरोप लगा दिया जो वे यहाँ संसद से लेकर अपनी जनसभाओं या पत्रकारों के समक्ष नहीं उठाते रहे हैं ?

वे अनेक बार भारतीय चुनाव आयुक्त और चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठा चुके हैं। वहां भी उन्होंने चुनाव आयोग पर समझौता करने का आरोप लगाया और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदान के आंकड़ों में गड़बड़ी का वही दावा किया जो यहाँ भी कई बार कर चुके हैं। फिर आख़िर वही बात विदेश की धरती पर करने से वे देशद्रोही, ग़द्दार, देश के दुश्मन और न जाने क्या क्या कैसे हो गये?आज के सूचना प्रौद्योगिकी इंटरनेट के दौर में क्या ऐसा संभव है कि कोई घटना या कोई वक्तव्य किसी सीमा तक सीमित रखा जा सके? जब युद्ध के मैदान से सीधी ख़बरें पलक झपकते पूरे विश्व में पहुँच जाती हैं तो मीडिया सम्बोधन में तो वैसे भी विश्व के संवाददाता मौजूद रहते हैं। सब कुछ लाईव चल रहा होता है। फिर यह तो बहुत ही बचकानी सी बात है कि राहुल ने यह बात विदेश में क्यों कह दी ? और इसी बहाने सत्ता सुख भोगने वालों ने अपने आक़ा को न केवल अपनी आक्रामक सक्रियता जताने के लिये बल्कि अपने पद व राजनैतिक भविष्य को सुरक्षित रखने के लिये राहुल गांधी के प्रति तरह तरह के अपशब्द कह डाले। इस तिलमिलाहट के एक मायने तो यह भी हैं कि यही आरोप राहुल गाँधी भारत में ही लगायें तो कोई बात नहीं,आपत्ति केवल यह है कि उन्होंने यह सब अमेरिका में जाकर क्यों कह दिया ? दरअसल राहुल गांधी ने पिछले दिनों अमेरिकी ब्राउन यूनिवर्सिटी में अपने संबोधन में कहा था कि - ÷यह बिल्कुल स्पष्ट है कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है और सिस्टम में कुछ गड़बड़ है। मैंने यह कई बार कहा है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में वयस्कों की संख्या से ज़्यादा लोगों ने मतदान किया। चुनाव आयोग ने हमें शाम 5:30 बजे तक के मतदान के आंकड़े दिए और शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच 65 लाख मतदाताओं ने मतदान कर दिया ? ऐसा होना शारीरिक रूप से असंभव है। एक मतदाता को मतदान करने में लगभग 3 मिनट लगते हैं और अगर आप गणित लगाएं तो इसका मतलब है कि सुबह 2 बजे तक

मतदाताओं की लाइनें लगी रहीं। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब हमने उनसे वीडियोग्राफ़ी देने के लिए कहा तो उन्होंने न केवल मना कर दिया, बल्कि उन्होंने क़ानून भी बदल दिया ताकि हम वीडियोग्राफ़ी के लिए न कह सकें। यही सवाल कांग्रेस व विपक्ष द्वारा संसद में मीडिया में और चुनाव आयोग के सामने भी उठाये जा चुके हैं। और विदेशी मीडिया अनेक बार इसकी रिपोर्टिंग भी कर चुका है। अमेरिकी अख़बार पूर्व में जहां भारत जैसे विशाल और जटिल देश में बड़े पैमाने पर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की क्षमता भारतीय चुनाव आयोग की इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन जैसी तकनीकी प्रगति व मतदाता जागरूकता अभियानों की तारीफ़ कर चुके हैं वहीं इन्हीं अमेरिकी अख़बारों द्वारा 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने वाले लेख भी लिखे जा चुके हैं। द वाशिंगटन पोस्ट और न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे प्रमुख अख़बारों द्वारा अपने लेखों में भारतीय चुनाव आयोग पर सत्तारूढ़ दल (विशेष रूप से भारतीय जनता पार्टी) के प्रति कथित पक्षपात के आरोपों का ज़िक्र किया जा चुका है। इसीतरह 2024 के चुनावों के दौरान, अमेरिकी अख़बारों के कुछ लेखों में भारतीय चुनाव आयोग की कार्रवाइयों, जैसे आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों पर कथित निष्क्रियता या देरी, और विपक्षी नेताओं के ख़िलाफ़ जांच को लेकर भी सवाल उठाए जा चुके हैं। द गार्जियन और टाइम मैगज़ीन जैसे प्रकाशनों ने भी इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जिसे अमेरिका सहित पूरे विश्व में पढ़ा व देखा गया। यह और बात है कि ऐसे लेख अथवा संपादकीय विदेशी मीडिया में प्रकाशित होने के बाद कुछ सत्ता समर्थक भारतीय विश्लेषकों या सरकारी अधिकारियों, अथवा किसी मंत्री द्वारा ऐसी कवरेज को ÷पश्चिमी पक्षपात÷ या ÷माइंड गेम÷ कह कर अपना पक्ष रख दिया जाता है। ख़ास तौर पर उस समय जबकि इससे भारत की छवि का नकारात्मक रूप से चित्रण होता हो। लिहाज़ा राहुल पर भड़ास निकालकर अपनी वफ़ादारी का सुबूत देने के बजाये देश के नेता विपक्ष द्वारा उठाये गये सवालों का तार्किक जवाब दिया जाना चाहिये। वे वहां क्यों कह रहे हैं के बजाये यह बताना चाहिये कि उन्हें आख़िर ऐसा क्यों कहना पड़ रहा है ? उनके सवालों पर उन्हें घटिया शब्दों से संबोधित करने व उनके ख़िलाफ़ गोदी मीडिया की जुगलबंदी कर राजनैतिक माहौल तैयार करने से बेहतर है कि भारतीय चुनाव आयोग देश को तथा विपक्ष को अपनी बेगुनाही का सुबूत दे और जनता में अपना विश्वास पैदा करे। रहा सवाल देश की छवि बिगाड़ने का तो देश और दुनिया देख रही है कि देश के अपमान की परिभाषा क्या है और देश की छवि कौन और कैसे बिगाड़ रहा है। और कौन देश को कमज़ोर कर रहा है।

भारतीय नारियों का मान

जब पतियों ने नारियों को बढ़ाया !

के. विक्रम राव

जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस ने जयपुर में (23 अप्रैल 2025) राजस्थान अंतराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित स्वागत समारोह में कहा कि वे भारतीय मूल की पत्नी उषा के पति के नाते भारत में ज्यादा मशहूर हैं। बनिस्बत एक राजनेता के। उनके श्रोताओं में राजस्थान के भाजपाई मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हर्ष व्यक्त कर रहे थे। डोनाल्ड ट्रंप ने भी वाशिंगटन में राष्ट्रपति की शपथ लेते हुए कहा था मेरी इच्छा थी कि हसीन उषा बाला चिलकूरी वान्स को अपना उपराष्ट्रपति प्रत्याशी नामित करूं। ट्रंप का कथन था उषा प्रथम एशियन-अमेरिकी सनातनी-विप्र महिला हैं। निर्वाचित उपराष्ट्रपति वांस से कहीं अधिक विवेकशील और चुंबकीय हैं। उषा के पुत्र ईवान ने तो सार्वजनिक रूप से कहा कि वे अपने ननिहाल भारत में ही रहेगा। शपथ ग्रहण के उत्सव में डोनाल्ड ट्रंप ने टिप्पणी की थी कि उषा अपने पति से कहीं अधिक चतुर और क्रियाशील हैं। इसका आधारभूत कारण भी है।

उषा के पूर्वज अठारहवीं सदी में पश्चिम गोदावरी तटीय वडलूरू ग्राम के चिलुकुरी चातुष्टय पंडित भ्रातावर्ग अद्वितीय विद्वान थे। अर्थात् ट्रंप-प्रशासन को आंध्र के विप्र समाज का ज्ञान भी प्राप्त होगा। भारत भी लाभान्वित रहेगा। चालीस-वर्षीय लेखक, वकील और पूर्व सैनिक (ईराक़ युद्ध में थे) जेम्स डेविड वान्स ने तेलुगुभाषी, आंध्र माता-पिता की संतान उषा से पिछले दशक (2014) में विवाह किया। दोनों तब ओहयो राज्य के विधि विश्वविद्यालय में सहपाठी थे। उषा के माता-पिता चेन्नई में वैज्ञानिक थे। उषा के मित्र उन्हें किताबी कीड़ा और नेता कहते थे। वे पत्रकार भी रहीं। येल लॉ जर्नल की संपादक थीं। मीडिया की स्वतंत्रता के संघर्ष में सक्रिय थीं। उषा का परिवार ब्राह्मण विद्वानों का है। उनके दादा पंडित चिलुकुरी बुच्चिपापय्या शास्त्री कृष्णा जिला के साईपुरम ग्राम में संस्कृत पंडित और वेदशास्त्री रहे। उनकी विशाखापत्तनमवासी दादी ने भगवदगीता का अंग्रेज़ी अनुवाद किया था। वकील उषा के मुवक्किलों में पैरामाउंट फिल्म तथा वाल्ट डिज्नी हैं। भारत में भी पति की बदौलत पत्नी को राजनीतिक महत्व मिलना कई राज्यों में हो चुका है। लखनऊ का किस्सा है। सुचेता कृपलानी एक भारतीय राजनीतिज्ञ और स्वतंत्रता सेनानी थीं। वह भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री थीं, जिन्होंने 1963 से 1967 तक उत्तर प्रदेश सरकार की प्रमुख के रूप में कार्य किया। सुचेता का यूपी का मुख्यमंत्री बनना भी एक ऐतिहासिक घटना रही। जवाहरलाल नेहरू के विरोध के बावजूद तब चंद्रभानु गुप्ता मुख्यमंत्री बन गए थे। मगर पुत्री इंदिरा गांधी के प्रतिद्वंदियों को काटने के लिए प्रधानमंत्री नेहरू कांग्रेस अध्यक्ष के. कामराज के नाम पर एक योजना बनाई और अपनी काबीना से मोरारजी देसाई, एस.के. पाटिल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सीबी गुप्ता को भी हटा दिया। तब इस रिक्त पद पर गुप्ताजी के समर्थन से सुचेताजी देश की और उत्तर प्रदेश की प्रथम महिला मुख्यमंत्री बनीं। मगर श्रेय आचार्य जेबी कृपलानी को जाता है क्योंकि पति के आग्रह पर ही उनकी पत्नी को गुप्ताजी ने मुख्यमंत्री चुनाव जितवाया था। इस संदर्भ में जेडी वेंस का अपने उपराष्ट्रपति बनने में उषा के रोल की तारीफ करना वाजिब है हालांकि भारत में बहुत कम पतियों ने अपनी पत्नियों को राजनीति में आगे बढ़ाया हो। जैसे बिल क्लिंटन ने हिलेरी को, बराक ओबामा ने अपनी पत्नी मिशेल रोबिन्सन को आगे बढ़ाया है। भारत में कुछ ही दिन में उषा वेंस बड़ी लोकप्रिय हो गई खासकर दिल्ली की अक्षरधाम मंदिर की यात्रा के बाद।

अनमोल विचार

- अगर आप पर कोई विश्वास रखता है तो उसके विश्वास को ना तोड़े और उसकी मदद अवश्य करे ।
- कर्म से कोई नहीं बच सकता कर्म तो करना ही है तब ही आप अच्छे फल की आशा कर सकते हो ।
- अगर व्यक्ति ग़लत है तो उसके साथ ना रहे आज नहीं तो कल आपके साथ विश्वासघात ज़रूर करेगा।
- हमे नहीं पता की हम कब कामियाब होगे पर ये तो पक्का है की कोशिश नहीं करोगे तो अवश्य नाकामयाबी मिलेगी ।
- ज़िंदगी में बहुत से परिवर्तन आते है उसे स्वीकार करे कोई ना कोई परिवर्तन आपको शिखर तक ज़रूर ले जाएगा ।

जानकारी

कृतज्ञता हेतु नमन

भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का जीवन संघर्ष, सादगी और संस्कारों से परिपूर्ण है। उनके अभिभाषणों में अक्सर उनके बचपन की एक मार्मिक और शिक्षाप्रद घटना का उल्लेख होता है, जो हमें प्रकृति के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का अद्भुत संदेश देती है। वे कहती हैं कि वे एक छोटे से गांव से हैं, जहां उनका बचपन बेहद साधारण और कठिन परिस्थितियों में बीता। उनके घर में खाना लकड़ी जलाकर बनाया जाता था, क्योंकि कोई अन्य साधन उपलब्ध नहीं था। उनके माता-पिता जंगल से सूखी लकड़ियां चुनकर लाते, फिर उन्हें घर लाकर सुखाते और छोटे-छोटे टुकड़ों में काटते। एक दिन उन्होंने गौर किया कि उनके पिता लकड़ी जलाने से पहले सिर झुका कर नमन करते हैं। उन्होंने जिज्ञासावश पूछ लिया, 'पिता जी, आप लकड़ी जलाने से पहले नमन क्यों करते हैं?' पिता जी मुस्कराए और सहज भाव से बोले 'बेटी, यह लकड़ी अब सूख चुकी है, बूढ़ी हो चुकी है। लेकिन अपने जीवन में इसने हमें बहुत कुछ दिया है फल, फूल, छाया, हवा और पानी। और अब जब यह बूढ़ी हो चुकी है, तब भी हमारे काम आ रही है। इसलिए मैं इसे जलाने से पहले इससे क्षमा मांगता हूं।'

आज का राशिफल

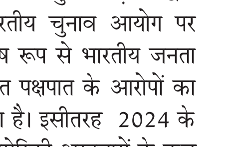

मेषः घर-बाहर आज प्रसन्नता बनी रहेगी। संतान के संबंध में संतोष रहेगा। व्यावसायिक अथवा आजीविका संबंधी समस्या का समाधान हो सकेगा। पुरुषार्थ का पूर्ण फल मिलेगा। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। बाहर सहायता से काम होंगे।

वृषभःआज जोखिम व जमानत के कार्य टालें। खर्च का बोझ बढ़ेगा। किसी पर अत्यधिक भरोसा न करें। व्यापार, नौकरी में अड़चनें आने से मनोबल में कमी आ सकती है। संतान पक्ष की चिंता रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुनः संतान की प्रगति होगी। व्यापार-व्यवसाय में प्रगतिकारक वातावरण का सृजन होगा। सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। पारिवारिक स्थिति आनंददायक रहेगी।

कर्क :बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। अधूरे काम समय से पूरे होने के योग हैं। नए कार्यों से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे। धन का संग्रह होगा। विवाद व जल्दबाजी से बचें। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। नए काम करने की इच्छा बनेगी।

सिंहःआज दौड़धूप अधिक करना होगी। घरेलू मामलों में अपनी वाणी पर संयम रखें। विरोधियों से सावधान रहें। परिवार की परेशानी का हल संभव है। भागीदारी के कामों में सफलता मिलेगी। यात्रा में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें।

कन्याः मान-सम्मान मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सुख एवं पत्नी के सहयोग से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। किसी से बहस न करें। काम-धंधे में सफलता के शुभ संकेत हैं। प्रेम में सफलता मिलेगी।

तुलाः बाहरी तथा घरेलू मामलों में प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। सोच-समझकर कार्य करना लाभप्रद रहेगा। पुरुषार्थ सफल होगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखना चाहिए। व्यापार में नवीन प्रस्ताव मिलेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

वृश्चिक : घर में आत्मसम्मान बना रहेगा। सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे। पारिवारिक सुख-शांति बरकरार रहेगी। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। यात्रा होगी। अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आज अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें।

धनुः जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। संतान की गतिविधियों पर नजर रखना होगी। कामकाज का बोझ बढ़ने से व्यापार पर विपरीत असर हो सकता है। वाद-विवाद से दूर रहें। फालतू खर्च होंगे। लेन-देन में सावधानी रखें।

मकरः व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष लाभ का योग है। आर्थिक उन्नति होगी। सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति करेंगे। ईश्वर के प्रति श्रद्धा बढ़ेगी। लेनदारी वसूल होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

कुंभ :वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए दिन अच्छा होने की संभावना है। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। परिवार में मेल-मिलाप बढ़ेगा। अधिकारी वर्ग में महत्व बढ़ेगा। तीर्थयात्रा हो सकती है।

मीनः नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना आवश्यक। पुराने रुके कामों, लेनदेन में सफलता की संभावना है। विद्यार्थियों को शिक्षा में उपलब्धि हासिल होने के योग हैं।

आज का पंचांग

24 अप्रैल को वैशाख कृष्ण पक्ष की उदया तिथि एकादशी और गुरुवार का दिन है। एकादशी तिथि आज दोपहर 2 बजकर 33 मिनट तक रहेगी। आज दोपहर बाद 3 बजकर 56 मिनट तक ब्रह्म योग रहेगा। साथ ही आज सुबह 10 बजकर 49 मिनट तक शतभिषा नक्षत्र रहेगा, उसके बाद पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र लग जायेगा। इसके अलावा आज वरुथिनी एकादशी का व्रत किया जायेगा।

24 अप्रैल 2025 का शुभ मुहूर्त

वैशाख कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि- 24 अप्रैल 2025 को दोपहर 2 बजकर 33 मिनट तक रहेगी

ब्रह्म योग- 24 अप्रैल को दोपहर बाद 3 बजकर 56 मिनट तक

शतभिषा नक्षत्र- 24 अप्रैल को आज सुबह 10 बजकर 49 मिनट तक शतभिषा नक्षत्र रहेगा, उसके बाद पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र लग जायेगा

व्रत-त्योहार- 24 अप्रैल को वरुथिनी एकादशी का व्रत किया जायेगा। आज के दिन भगवान विष्णु की पूजा-आराधना करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

सूर्योदय-सूर्यास्त का समय

सूर्योदय- सुबह 5:47 बजे

सूर्यास्त- शाम 6:51 बजे

हैवेल्स इंडिया के शेयरों में 4.8 प्रतिशत की गिरावट आई

● कंपनी ने क्यू4 में 16.4 प्रतिशत लाभ वृद्धि दर्ज की

● ब्रोकरेज फर्मों ने कंपनी के लिए सकारात्मक रुख बनाए रखा है

नई दिल्ली, एजेंसी। हैवेल्स इंडिया के शेयर बुधवार को शेयर मार्केट खुलने के आधा घंटे भीतर ही 4.8 प्रतिशत गिरकर 1,585.05 रुपये पर आ गए। यह बीएसई पर दिन का सबसे निचला स्तर था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि कंपनी ने त्त्4 के नतीजे जारी करते समय,ष्ट जैसे गर्मी के प्रोडक्ट्स की मांग को लेकर चिंता जताई थी। कंपनी को डर है कि गर्मी में बिकने वाले सामान, जैसे,ष्ट आदि की बिक्री कम हो सकती है।

कंपनी ने मंगलवार को अपने त्त्4स्नङ्घ25 के नतीजे घोषित किए थे। इसमें कंपनी का शुद्ध लाभ 16.4 प्रतिशत बढ़कर 522 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही में यह 449 करोड़ रुपये था। कंपनी का शुद्ध राजस्व इस तिमाही में 6,532 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की इसी तिमाही में 5,434 करोड़ रुपये से 20.2 प्रतिशत अधिक है। इससे पता चलता है कि कंपनी के उत्पादों की मांग अच्छी है। पिछली तिमाही यानी क्यू3 एफवाय25 में राजस्व 4,883 करोड़ रुपये था। इस तिमाही में राजस्व में काफी सुधार हुआ है।

कैसी रही कंपनी के शेयर की स्थिति- मंगलवार को बीएसई पर हैवेल्स इंडिया के शेयर 1 प्रतिशत बढ़कर 1,664.75 रुपये पर बंद हुए थे। लेकिन बुधवार को यह मामूली गिरावट के साथ 1,656.95 रुपये पर खुले। इसके बाद इसमें गिरावट आनी शुरू हुई। मार्केट खुलने के आधा घंटे के भीतर ही यह शेयर करीब 5 फीसदी की गिरावट के साथ 1,585.05 रुपये पर आ गया था। हालांकि बाद में इसमें कुछ सुधार आया। 9ः50 पर यह शेयर 2.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,621.15 रुपये पर था।

क्या कहना है एक्सपर्ट का

ब्रोकरेज फर्म नुवामा ने हैवेल्स इंडिया पर सकारात्मक रुख बनाए रखा है। कंपनी के क्यू4 एफवाय25 के नतीजों के बाद नुवामा ने 1,890 रुपये के लक्ष्य मूल्य के साथ खरीदें रेटिंग दी है। नुवामा का मानना है कि कंपनी के नतीजे बहुत अच्छे रहे हैं। वहीं इक्विरस कैपिटल ने हैवेल्स इंडिया पर सकारात्मक रुख दोहराया है।

3 साल से घाटे में है इंटेल, इस हफ्ते कर रही बड़ी छंटनी, 20 प्रतिशत कर्मचारियों की जाएगी नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक दिग्गज कंपनी इंटेल इसी हफ्ते बड़ी छंटनी की घोषणा करने वाली है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अपने 20 प्रतिशत से ज्यादा कर्मचारियों को निकाल सकती है। कंपनी के इस फैसले की वजह बेवजह का रेड टेप घटाना और कंपनी को फिर से इंजीनियरिंग-केंद्रित बनाना है। ये कदम नए सीईओ लिप-बू टैन की रणनीति का हिस्सा है, जो मार्च 2025 में

कंपनी की कमान संभाली हैं। बता दें कंपनी ने अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि घोषणा जल्द होगी। ये छंटनी मुख्य रूप से मैनेजमेंट लेयर और नॉन-टेक्निकल भूमिकाओं में हो सकती है।

क्या है पूरा मामला- पिछले कुछ सालों से इंटेल, एनवीडिया जैसी कंपनियों से टक्कर लेने में नाकाम रहा है, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के चिप मामले में। कंपनी तीन साल से घाटे में है और बिक्री लगातार गिर रही है। इसकी वित्तीय हालत भी खराब है।

पहले भी कंपनी कर चुकी है छंटनी- 2023 में इंटेल में 1,24,800 कर्मचारी थे। 2024 में 15,000 नौकरियां काटकर कर्मचारियों की संख्या 1,08,900 कर दी गई। अब फिर 20 प्रतिशत कटौती की तैयारी है। यानी 20000 से अधिक लोगों की नौकरी जानी तय है।

जीवाश्म ईंधन के खिलाफ हैं दुनिया भर के बिजनेस लीडर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। जीवाश्म ईंधन के खिलाफ दुनिया भर के बिजनेस लीडर्स भी एकजुट होने लगे हैं। एक वैश्विक सर्वेक्षण में 15 देशों के बिजनेस लीडर्स ने कहा कि अब जीवाश्म ईंधन को छोड़कर रिन्यूएबल एनर्जी की तरफ तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है। यह सर्वे दुनिया की मध्यम और उच्च श्रेणी की कंपनियों के प्रमुखों के बीच किया गया। सर्वे के नतीजे बताते हैं कि हरित ऊर्जा को लेकर दुनिया टर्निंग प्वाइंट पर पहुंच चुकी है। बता दें

जीवाश्म ईंधन, जैसे कोयला, कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस, लाखों साल पहले मृत पौधों और जानवरों के अवशेषों से बनते हैं। ये पृथ्वी की सतह के नीचे दबे रहते हैं और हाई टेंपरेचर और प्रेशर के कारण ऊर्जा के स्रोत के रूप में बनते हैं।

क्या कह रहे 97 प्रतिशत बिजनेस लीडर्स- सर्वे के मुताबिक 97 प्रतिशत बिजनेस लीडर्स चाहते हैं कि सरकारें कोयला और अन्य पारंपरिक ईंधनों से हटकर सोलर, विंड और अन्य क्लीन एनर्जी की तरफ अपनी नीतियों को ले जाए। करीब 78 प्रतिशत ने साफ कहा कि वे 2035 या उससे पहले ही रिन्यूएबल एनर्जी आधारित बिजली प्रणाली लागू होते देखना चाहते हैं।

ऑपरेशन और सप्लाई चेन पर क्या पड़ेगा प्रभाव- सावंता संस्था द्वारा किए गए इस सर्वे के अनुसार ज्यादातर कंपनियों ने कहा कि अगर उनके देशों की सरकारें रिन्यूएबल एनर्जी की तरफ तेजी से नहीं बढ़तीं, तो वे अपना ऑपरेशन और सप्लाई चेन उन देशों में शिफ्ट कर सकती हैं, जहां ये सुविधाएं मौजूद हैं।

तरीका बदला और टेक्नोलॉजी का किया इस्तेमाल

● अब महीने में 5 लाख की कमाई, लोग कह रहे वाह

नईदिल्ली, एजेंसी। गुजरात के धीरेंद्र कुमार देसाई ने आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके केले की खेती में क्रांति ला दी है। वह प्रति एकड़ 35 टन केले की उपज हासिल करते हैं। खेती से उनकी सालाना कमाई

50-60 लाख रुपये है। 51 वर्षीय धीरेंद्र कुमार ने टिश्यू कल्चर तकनीक और आधुनिक सिंचाई विधियों को अपनाकर अपनी खेती को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उनकी सफलता की कहानी पूरे देश के किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने अन्य किसानों को भी आधुनिक खेती के तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया है। आइए, यहां धीरेंद्र कुमार देसाई की सफलता के सफर के बारे जानते हैं।

खेती में बदलाव लाने का किया फैसला- धीरेंद्र कुमार भानुभाई देसाई गुजरात के भरूच जिले के झगाड़िया तालुका के पनेठा गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने 1991 में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद खेती शुरू की। उनका परिवार पहले पारंपरिक तरीके से खेती करता था। इससे ज्यादा फायदा नहीं होता था। धीरेंद्र कुमार ने खेती में बदलाव लाने का फैसला किया। उन्होंने आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया। अपनी खेती को पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने आसपास के किसानों को भी मदद की।

केले और गन्ने की खेती से शुरुआत- धीरेंद्र कुमार ने केले और गन्ने की खेती से शुरुआत की। उन्हें कई तरह की परेशानियां आईं, जैसे कि पैसे की कमी और खेती के लिए जरूरी चीजों का अभाव। एक बार वह कृषि दौरे पर गए। वहां उन्होंने ड्रिप सिंचाई, टिश्यू कल्चर और इंटीग्रेटेड बायो-न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट के बारे में जाना। मोर क्रॉप पर ड्रॉप' यानी हर बूंद में ज्यादा फसल के नारे से प्रेरित होकर धीरेंद्र कुमार ने लगातार फसल उगाने का तरीका अपनाया। इससे उनकी पैदावार बहुत बढ़ गई। साथ ही लागत कम हो गई।

खेती में कई नए तरीके अपनाए- धीरेंद्र कुमार ने केले की खेती में कई नए तरीके अपनाए। उन्होंने ड्रिप सिंचाई, प्लांट टिश्यू कल्चर, हरी खाद और बायो-कंपोस्टिंग का इस्तेमाल किया। वह केले की त9 किस्म उगाते हैं। उनकी तकनीक पूरे देश में एक मिसाल बन गई है। उनकी पैदावार दोगुनी हो गई है। पहले प्रति एकड़ 15 टन केले की उपज होती थी, जो अब बढ़कर 35 टन प्रति एकड़ हो गई है। उनके खेत में ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल करके फसलों पर कीटनाशक का छिड़काव किया जाता है। इससे और भी बेहतर तरीके से काम हो पाता है।

को-ऑपरेटिव सोसाइटी बनाई

धीरेंद्र कुमार ने अपनी निजी सफलता से बढ़कर किसानों के समुदाय को ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने केला उत्पादकों के लिए एक को-ऑपरेटिव सोसाइटी बनाई है। इससे किसानों को सामूहिक रूप से मार्केटिंग करने और अपनी आय बढ़ाने में मदद मिलती है।

उनके प्रयासों से गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के 1,000 से अधिक किसानों को हाई-टेक केले की खेती के तरीकों को अपनाने की प्रेरणा मिली है। केले के अलावा, देसाई ने अपने खेत में ब्राजील के मीठे संतरे की किस्म नाटल के 1200 पौधे लगाए हैं।

हर्बलाइफ इंडिया ने लॉन्च किया स्लीप एन्हान्स

मुंबई, एजेंसी। हर्बलाइफ, जो एक जानी-मानी हेल्थ और वेलनेस कंपनी है, ने स्लीप एन्हान्स टीएम नाम से एक नया प्रोडक्ट लॉन्च किया है। यह कैफीन-फ्री और प्लांट बेस्ड है, और इसमें इस्तेमाल की गई चीज़ें वैज्ञानिक रूप से जांची गई हैं। माना जाता है कि इससे नींद की क्वालिटी बेहतर होती है। यह प्रोडक्ट ऐसे समय आया है जब भारत में नींद से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं, जिसकी वजहें हैं—भागदौड़ भरी जिंदगी, मोबाइल-स्क्रीन पर ज़्यादा वक्त बिताना और बढ़ता तनाव।

आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में, अच्छी नींद अब किसी लक्ज़री की बात नहीं, बल्कि जरूरत बन चुकी है। लेकिन काम के दबाव, बढ़ते स्क्रीन टाइम और तनाव के कारण कई लोग अच्छी नींद लेने में मुश्किल महसूस करते हैं। अध्ययन बताते हैं कि लगभग आधे भारतीय सुबह उठते ही थकान महसूस करते हैं, और सोने से पहले डिजिटल स्क्रीन का इस्तेमाल उनकी नींद की गुणवत्ता को और बिगाड़ देता है। इस बढ़ती समस्या को समझते हुए, हर्बलाइफ भारत में नींद सुधारने के लिए कदम बढ़ा रहा है। स्लीप एन्हान्स में अफ्रॉन नामक असली केसर का अर्क है और साबित हो चुका है कि सोने से एक घंटा पहले 28 दिनों तक इसे लेने से नींद की गुणवत्ता को सुधारने में मदद मिलती है। स्लीप एन्हान्स में कोई एडेड शुगर, आर्टिफिशियल फ्लेवर नहीं है और ये कैफीन फ्री है। जिससे यह रात की दिनचर्या में एक प्रभावी उपाय बन जाता है।

इसका फ्लेवर हिबिस्कस का है और इसमें केसर का अर्क है, जिसके बारे में क्लीनिकली यह साबित हुआ है कि यह नींद की गुणवत्ता को सुधारता है, उठने के बाद मूड को बेहतर बनाता है और शांतिपूर्ण तरीके से जागने में मदद करता है। अजय खन्ना, मैनेजिंग डायरेक्टर, हर्बलाइफ इंडिया का कहना है, सोने का मतलब सिर्फ आराम करना नहीं है, बल्कि अपने शरीर और दिमाग को रीसेट और रीचार्ज करना भी है। स्लीप एन्हान्स में केसर का अर्क होता है जोकि क्लीनिकली नींद की क्वालिटी बेहतर बनाने और सोकर उठने पर सुकून महसूस कराने में मददगार साबित हुआ है।

ट्रेड वॉर से सुस्त रहेगी भारत की इकोनॉमी ग्रोथ अनुमान पर आईएमएफ ने चलाई कैंची

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रेड वॉर और ग्लोबल टेंशन की वजह से भारत की इकोनॉमी सुस्त रह सकती है। दरअसल अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वित्त वर्ष 2026 के विकास पूर्वानुमान को 30 बेसिस पॉइंट घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ ने इससे पहले 6.5 प्रतिशत का अनुमान लगाया था। आईएमएफ ने अपने वर्ल्ड इकोनॉमी आउटलुक में कहा- भारत के लिए 2025 में ग्रोथ का आउटलुक अपेक्षाकृत अधिक स्थिर है और वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत रहेगी। वृद्धि को विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में निजी खपत से समर्थन मिलेगा। रिपोर्ट के अनुसार भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2026-27 में 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है जबकि 2024-25 में यह 6.5 प्रतिशत रही। वृद्धि दर का यह अनुमान जनवरी, 2025 के अनुमान की तुलना में 0.3 प्रतिशत कम है और इसका कारण व्यापार तनाव और वैश्विक अनिश्चितता है।

क्या कहा आईएमएफ ने- आईएमएफ ने कहा कि 2025 में वैश्विक वृद्धि 2.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पहले के अनुमान से 0.5 प्रतिशत कम है। 2026 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर तीन प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में विकसित अर्थव्यवस्थाओं के बारे में कहा गया कि ग्रोथ

रेट 2025 में घटकर 1.4 प्रतिशत और 2026 में 1.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। ग्रोथ का यह अनुमान 2025 के लिए जनवरी में जताये गये अनुमान की तुलना में 0.5 प्रतिशत कम है। यह 2024 में 1.8 प्रतिशत रही थी।

किस देश के लिए क्या है अनुमान

इस साल के अनुमान में कनाडा, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका की वृद्ध दर अनुमान को कम किया गया है जबकि स्पेन के अनुमान को बढ़ाया गया है। अमेरिका के लिए, 2025 में वृद्धि दर घटकर 1.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो 2024 से एक प्रतिशत कम है। साथ ही जनवरी, 2025 के अनुमान से 0.9 प्रतिशत कम है।

चीन के जीडीपी ग्रोथ पर अनुमान- चीन के लिए 2025 की जीडीपी वृद्धि को घटाकर चार प्रतिशत कर दिया गया है। जनवरी की रिपोर्ट में इसे 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। यह हाल ही में लागू आयात शुल्क के प्रभाव को दर्शाता है। इसके साथ 2026 के लिए भी वृद्धि के अनुमान को 4.5 प्रतिशत से घटाकर 4.0 प्रतिशत कर दिया गया है।

देश के सबसे बड़े प्रॉब्लम-सॉल्विंग प्लेटफॉर्म

एचसीएल जिगसॉ के छठे एडिशन के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। एचसीएल ने देश के सबसे बड़े प्रॉब्लम-सॉल्विंग प्लेटफॉर्म, एचसीएल जिगसॉ का छठा एडिशन पेश किया है। यह प्लेटफॉर्म खासतौर पर स्कूल के छात्रों के लिए तैयार किया गया है, ताकि उनमें नवाचार, विश्लेषण और तार्किक सोच को बढ़ावा दिया जा सके। एचसीएल जिगसॉ का उदेश्य छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं को समझने और सुलझाने में सक्षम बनाना है। इसमें कक्षा 6 से 9 तक के छात्रों का मूल्यांकन 21वीं सदी की महत्वपूर्ण स्किल्स के आधार पर किया जाता है, जिनमें रिसर्च, क्रिटिकल थिंकिंग और कम्युनिकेशन शामिल है। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक छात्र या स्कूल पर जाकर 31 जुलाई तक रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। कुल 12 लाख रुपए से अधिक की पुरस्कार राशि फाइनलिस्ट्स को दी जाएगी, जिसमें एचसीएल के इनोवेशन लैब्स में लर्निंग अवसर भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, एचसीएल जिगसॉ सभी स्कूल के छात्रों को बिना किसी शुल्क के भाग लेने का मौका देता है। छठे एडिशन में, प्रोजेक्ट-आधारित चुनौती का उद्देश्य

कोलैब, क्रिएट और कॉन्कर रहेगा, जो इस साल के मिशन के तौर पर पेश किया गया है। सम्पूर्ण भारत के लिए संचालित की जा रही यह पहल भारत के शीर्ष युवा प्रॉब्लम सॉल्वर्स के विकास को बढ़ावा देने पर आधारित है, जो उनके क्रिटिकल थिंकिंग कौशल को एक सख्त मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से मजबूत करती है और इसके लिए उन्हें पुरस्कृत भी करती है। यह पहल भारत की नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप है, जो कॉग्निटिव लर्निंग (संज्ञानात्मक शिक्षा) और भविष्य के लिए तैयार स्किल्स को बढ़ावा देती है। इस पहल पर विचार करते हुए, रजत चंदोलिया, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट और हेड- ब्रांड, एचसीएल ग्रुप, ने कहा, एचसीएल में, हमारा उद्देश्य युवाओं की क्षमता को बढ़ावा देना है, ताकि वे गतिशील दुनिया के साथ-साथ आगे बढ़ सकें। एचसीएल जिगसॉ कोई क्विज़ या ओलंपियाड नहीं है, बल्कि यह एक लॉन्चपैड है, जो युवा विचारकों, सहयोगियों और रचनाकारों को समर्पित है। अब तक हमें मिली भागीदारी शानदार रही है। ऐसे में, अब हम इस एडिशन से और भी अधिक स्कूलों को प्रेरित करने के लिए उत्साहित हैं, ताकि वे अपने छात्रों की क्षमता को उजागर कर सकें, जहाँ कक्षाएँ वास्तविक दुनिया से मिलती हैं।

स्प्राइट की बोतल से निकला हंसी का जिन्न, कपिल शर्मा-अनुराग कश्यप की जोड़ी ने मचाया धमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। नींबू और नींबू-पानी के फ्लेवर वाली लोकप्रिय बेवरेज स्प्राइट ने अपने सुपरहिट कैंपेन 'जोक इन ए बॉटल' के नए सीजन के साथ फिर एक बार धूम मचाई है। जेन ज़ी की सोच और पॉप कल्चर को साथ लेकर यह नया संस्करण एक दिलचस्प ट्विस्ट के साथ आया है, जिसमें पहली बार कॉमेडी किंग कपिल शर्मा और संजीदा फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप की जोड़ी नजर आ रही है। दोनों की मजेदार नोकझोंक से भरपूर इस कैंपेन में दर्शकों को हंसी और ताजगी का डबल डोज मिलता है।

ब्रांड फिल्म की शुरुआत अनुराग कश्यप द्वारा कपिल शर्मा को एक रिलेटेबल ऐड का आइडिया देने से होती है, जिसके बाद दोनों की रचनात्मक सोच आपस में टकराती है।

कपिल जहां अनुराग के ऐड डेब्यू का मजाक उड़ाते हैं, वहीं अनुराग अपने विजन को जमकर बचाते हैं और इसी टकराव से निकलती है हंसी की फुल ऑन डोज। क्लाइमेक्स में कपिल के पंच के साथ जब अनुराग 'जोक इन ए बॉटल' को अपने स्टाइल में जादुई चिराग में बदल देते हैं, तो दर्शकों की हंसी थम नहीं पाती। यह तीसरा सीजन भी स्प्राइट के ट्रेडमार्क रिफ्रेशमेंट और ह्यूमर का वही मजेदार मेल लेकर आया है, जो 'ठंड रख' के फॉर्मूले को और भी एंटरटेनिंग बनाता है।

'जोक इन ए बॉटल' सिर्फ एक विज्ञापन नहीं बल्कि एक एंटरटेनमेंट प्रॉपर्टी बन चुका है, जिसमें शॉर्ट कॉमिक वीडियोज़, मजेदार मीम्स और टॉप क्रिएटर्स के कंटेंट से भरपूर एक खास मीम स्टूडियो शामिल है।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टैकपोल का निधन, गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी 207 रन की यादगार पारी

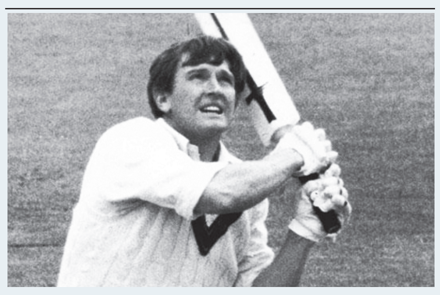

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज कीथ स्टैकपोल का हृदयघात से निधन हो गया है। वह 84 वर्ष के थे। उन्होंने वर्ष 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। स्टैकपोल ने ऑस्ट्रेलिया के 43 टेस्ट मैच खेले और 7 शतक के साथ 2087 रन बनाए। इसके साथ ही उन्होंने लेग स्पिन गेंदबाज के रूप में 15 विकेट भी लिए।

उन्होंने केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टेस्ट शतक बनाया। उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 207 रन 1970 में गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 55.21 की औसत से तीन शतक बनाए। इयान चैपल की कप्तान में 1972 की एशेज में उन्होंने 53.88 की औसत से 485 रन बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। स्टैकपोल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कुल मिलाकर 10,100 रन बनाए और 148 विकेट लिए। वे एक प्रमुख टीवी और रेडियो कमेंटेटर भी रहे। उन्हें 1973 में विजडन क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया। स्टैकपोल ने 1974 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने कहा, 'कीथ क्रिकेट के खेल में सबसे महान योगदानकर्ताओं में से एक थे और उनकी विरासत भविष्य में भी कायम रहेगी।

थप्पड़ से किया घायल, लाईव मैच में धराशायी हुआ ये खिलाड़ी, पाकिस्तान सुपर लीग में चौंकाने वाला मामला

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान में चल रही टी20 लीग से चौंकाने वाला मामला सामने आया है. वहां 22 अप्रैल को मुल्तान सुल्तांस और लाहौर कलंदर्स के बीच खेले मुकाबले में घटी एक घटना ने सबका ध्यान खींचा है. मामला थप्पड़ मारने और उससे एक खिलाड़ी के घायल होने से जुड़ा है. हालांकि, ये सबकुछ जान-बूझकर नहीं हुआ. फिर भी गलती से हुई वो मिस्टेक उस खिलाड़ी को जमीन पर गिराने के लिए काफी रही, जिसे थप्पड़ लगा. मामला मुल्तान सुल्तांस के दो खिलाडियों उबैद शाह और उस्मान खान से जुड़ा है. मैच में ये घटना लाहौर कलंदर्स की इनिंग के 15वें ओवर में घटी. इस ओवर की आखिरी गेंद पर उबैद शाह ने सैम बिलिंग्स का विकेट लिया. जिसका जश्न मनाने के चक्कर में उबैद शाह, विकेटकीपर उस्मान खान को हाई-फाई देने गए. मगर वो उसका सही से अंदाजा नहीं लगा पाए और वो सीधा थप्पड़ की तरह उनके चेहरे पर लगा. इस घटना में उस्मान खान को थोड़ी चोटें आई और वो जमीन पर भी धराशायी हुए पड़े दिखे.

मैड्रिड ओपनः

तीन साल में पहली बार मैड्रिड ओपन में उतरेंगे जोकोविच, 100वें टूर खिताब पर रहेगी नजरें

मैड्रिड, एजेंसी। जोकोविच मैड्रिड में तीन बार के चैंपियन रहे हैं। उन्होंने 2011, 2016 और 2019 में यहां खिताब जीते हैं। वह 2022 के सेमीफाइनल में अल्कारेज से हार के बाद यहां पहली बार खेलेंगे। पूर्व चैंपियन नोवाक जोकोविच तीन साल में पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में उतरेंगे। उनकी निगाह अपने 100वें टूर खिताब पर होगी। जोकोविच को चौथी वरीयता दी गई है और वह उसी हाफ में हैं जिसमें दूसरी वरीयता प्राप्त स्थानीय दर्शकों के चहेते कार्लोस अल्कारेज होंगे। जोकोविच का मैड्रिड ओपन में जीत हार का रिकॉर्ड 30-9 का है। 37 वर्षीय जोकोविच मैड्रिड में तीन बार के चैंपियन रहे हैं। उन्होंने 2011, 2016 और 2019 में यहां खिताब जीते हैं। वह 2022 के सेमीफाइनल में अल्कारेज से हार के बाद यहां पहली बार खेलेंगे। हाल में म्यूनिख में खिताब जीतने वाले दुनिया के दूसरे नंबर के अलेक्जेंडर ज्वेरेव यहां शीर्ष वरीय होंगे, जबकि तीसरी वरीयता टेलर फिट्ज को दी गई है। बार्सिलोना ओपन के दौरान अल्कारेज अपने दाएं पांव का इलाज करना पड़ा। अल्कारेज को उम्मीद है कि चोट उन्हें मैड्रिड में परेशान नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि ऐसा होता है कि जब आप बहुत ज्यादा मैच खेलो और आपको आराम करने के लिए कम दिन मिले।

आईपीएल 2025

राहुल बने सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाज

लखनऊ, एजेंसी। केएल राहुल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ने मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) पर दिल्ली कैपिटल्स की आठ विकेट की जीत के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। राहुल ने 130 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की और इस सूची में डेविड वॉर्नर (135), विराट कोहली (157), एबी डिविलियर्स (161) और शिखर धवन (168) को पीछे छोड़ दिया।

आईपीएल 2024 में (लखनऊ सुपर जायंट्स) के लिए कप्तानी कर चुके राहुल इस साल दिल्ली कैपिटल्स के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर खेल रहे हैं। गत वर्ष राहुल की लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक से तीखी नोकझोंक के बाद फ्रैंचाइजी द्वारा उन्हें रिलीज कर दिया गया था। राहुल ने लखनऊ सुपर जायंट्स के सामने 42 गेंदों पर पर नाबाद 57 रनों का पारी खेली। उन्होंने एडन मारक्रम, दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई के स्पिन आक्रमण के खिलाफ सावधानी से बल्लेबाजी की।

हालांकि, बीच-बीच में वह अपने शॉट्स भी खेलते रहे। राहुल ने 40 गेंदों में तीन चौकों और 3 छक्कों की मदद से अर्धशतक बनाया और अक्षर पटेल के साथ मिलकर लखनऊ के गेंदबाजों को वापसी करने का मौका नहीं दिया। उन्होंने प्रिंस यादव की गेंद पर छक्का लगाकर मैच अपने नाम कर लिया। राहुल इस सीजन में जबरदस्त फॉर्म में हैं, वह हाल ही में 200 आईपीएल छक्के लगाने वाले सबसे तेज भारतीय बने और वे वेस्टइंडीज के बड़े हिटर क्रिस गेल और आंद्रे रसेल के बाद तीसरे सबसे तेज खिलाड़ी हैं।

राहुल इस सीजन में दिल्ली के लिए शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने इस मौके पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इस सीजन में उनका स्ट्राइक रेट 155.67 रहा है जो लीग में उनके 12 सीजन का दूसरा सबसे अधिक स्ट्राइक रेट है। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने आठ पारियों में 359 रन बनाए हैं और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है।

उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ रहा, जब उन्होंने नाबाद 93 रन की पारी खेली और टीम को छह विकेट से जीत दिलाई। राहुल निजी कारणों के चलते दिल्ली कैपिटल्स के लिए अपना पहला मैच नहीं खेल पाए थे।

केएल राहुल और विराट कोहली के बीच हैरतअंगेज संयोग, इस लत के बारे में जानकर ठनक जाएगा माथा

नई दिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल और विराट कोहली. दोनों दो अलग बल्लेबाज. खेलने का अंदाज अलग, मिजाज अलग. लेकिन, लत दोनों को एक सी लगी है. आदत दोनों की एक सी दिख रही है. दोनों को लगी लत का नतीजा अब ये है कि उनके साथ एक हैरतअंगेज संयोग जुड़ चुका है. सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि दोनों को लत क्या लगी है? उसके तार आईपीएल में रन चेज कर इनके मैच जिताने से जुड़ते हैं. और, संयोग ये है कि उस मामले में दोनों की कहानी पिछले 7 सालों से हूबहू एक सी है. आईपीएल में चेज करते हुए टीम को जिताने के दौरान केएल राहुल ने जितने रन बनाए हैं, पिछले 7 सालों में उतने ही रन विराट कोहली के बल्ले से भी निकले हैं. मतलब साल 2018 से अब तक कोहली और राहुल आईपीएल में चेज कर रन बनाने और मैच जिताने के मामले में एक जैसे हैं. आईपीएल में विनिंग चेज में विराट कोहली ने साल 2018 से अब तक 1222 रन बनाए हैं. इतने ही रन इस दौरान केएल राहुल के भी हैं. अब दो बल्लेबाजों के बीच ऐसी समानता देखकर माथा तो ठनकेगा ही.

दो बल्लेबाज, सात साल, फिर भी एक बराबर रन

आईपीएल में विराट कोहली ने विनिंग चेज में 1222 रन 76.38 की औसत और 144.4 की स्ट्राइक रेट से बनाए हैं. उन्होंने इस दौरान 12 फिफ्टी प्लस स्कोर बनाए हैं, जिसमें 100 रन उनका बेस्ट स्कोर है. वही अगर केएल राहुल की बात करें तो उन्होंने अपने 1222 रनों की स्क्रिप्ट 81.47 की औसत और 149.2 की स्ट्राइक रेट से लिखी है. उन्होंने 14 फिफ्टी प्लस स्कोर जड़े हैं. जबकि नाबाद 98 रन राहुल का बेस्ट स्कोर रहा है.

आईपीएल 2025 में

विराट और राहुल की टीम

आईपीएल में विराट कोहली आरसीबी का हिस्सा हैं. वहीं केएल राहुल ने 2018 से अब तक कई टीमों से क्रिकेट खेला है. आईपीएल 2025 में राहुल दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं और शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. आईपीएल 2025 में विराट और राहुल दोनों की ही टीमें अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं. राहुल की टीम दिल्ली कैपिटल्स पॉइंट्स टेबल में फिलहाल नंबर दो पर है. वहीं विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु भी टॉप फोर में बनी है.

आईपीएल 2025: दिल्ली कैपिटल्स करने जा रही इस बार भी प्लेऑफ में एंट्री! आंकड़े दे रहे गवाही

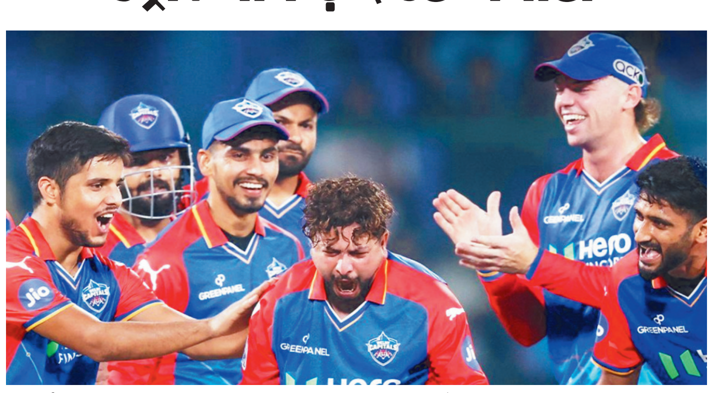

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 8 विकेट से मात दे दी। इस मैच में मुकेश कुमार ने चार विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई, जिसके चलते उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड मिला। यह आईपीएल 2025 का 40वां मैच था, जिसमें दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी फॉर्म का एक बार फिर प्रदर्शन किया। यह टीम अपने 8 मैचों में अभी तक 6 जीत दर्ज कर चुकी है और प्लेऑफ में जाने की प्रबल दावेदार के तौर पर उभरी है। अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश कर रही डीसी की टीम के लिए यह इस लीग के इतिहास में पांचवां मौका है, जब उन्होंने अपने शुरुआती आठ मैचों में छह जीत दर्ज की हैं। ताजा जीत से अंक तालिका में दूसरे स्थान पर मौजूद डीसी की टीम ने इससे पहले सीजन 2009, 2012, 2020, 2021 में शुरुआती आठ मैचों में छह जीत दर्ज की थी। खास बात यह है कि इन चारों मौकों पर डीसी की टीम ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है। ऐसे में आंकड़े अगर कुछ इशारा करते हैं, तो इस बार भी दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ में जाने के लिए बड़ा कदम बढ़ा चुकी है। आईपीएल 2025 में प्रत्येक टीम को 14-14 मैच खेलने हैं। दिल्ली कैपिटल्स की टीम गुजरात टाइटंस के साथ टॉप-2 पर मौजूद है। दोनों ही टीमों ने आठ मैचों में छह जीत दर्ज की हैं।

हालांकि नेट रन रेट के आधार पर डीसी को दूसरा स्थान मिला है। इस मैच में केएल राहुल अपनी पुरानी टीम के खिलाफ खेल रहे थे और उन्होंने 42 गेंदों पर 57 रनों की पारी खेली, जिसमें वह नाबाद पवेलियन लौटे। राहुल एक शानदार बल्लेबाज रहे हैं, जिन्होंने आईपीएल में सबसे तेज 5,000 रन भी पूरे कर लिए हैं। राहुल ने इसके लिए केवल 130 पारी ली हैं। डेविड वार्नर ने इससे पहले 135 पारियों में पांच हजार रन पूरे किए थे। विराट कोहली 157 पारियों में ऐसा कर चुके हैं।

हॉकीः

भैंस को चारा-पानी देने वाली काशी की बेटी पूजा ऑस्ट्रेलिया में 23 नंबर की जर्सी में लहराएंगी तिरंगा

वाराणसी, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय महिला हॉकी टीम में गंगापुर की निवासी पूजा यादव का चयन हुआ है। मिडफील्डर पूजा वाराणसी की पहली महिला हॉकी खिलाड़ी बन गई, जिसका चयन भारतीय महिला हॉकी टीम में शामिल किया गया है। पांच मैचों की अंतरराष्ट्रीय हॉकी शृंखला खेलने काशी की बेटी पूजा यादव मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया पहुंचीं। 23 नंबर की जर्सी में 26 अप्रैल को पहला मैच पर्थ में खेलेंगी। गंगापुर निवासी दुधिया की बेटी पूजा यादव का बचपन गरीबी में गुजरा है। वह गंगापुर नगर पंचायत के एक कमरे के पुश्तैनी मकान में 6 बहनों और भाई के साथ

रहती हैं। वह खेल के साथ अपनी भैंस को चारा और पानी भी देती थीं। मां कलावती देवी ने बताया कि वह हर रोज पूजा के टीम में चयन होने की दुआ मांगती थीं। उनकी इच्छा है कि बेटी हॉकी में जीत दिलाकर देश का मान बढ़ाए। पति महेंद्र यादव बेटी को खेलने नहीं जाने देते थे। उसके खेल को देखकर लोगों ने पिता से तारीफ की। ओलंपियन ललित उपाध्याय ने काफी मदद की। उन्होंने बेटी को हॉकी किट दी थी। गंगापुर हॉकी अकादमी के प्रदीप सिंह, चरण दास गुप्ता ने बताया कि पूजा ने गंगापुर मैदान और अकादमी से हॉकी सीखी है। सचिव अवधेश लाल मौर्य ने बताया कि पूजा यादव ने जूनियर नेशनल में गोल्ड मेडल जीता था। प्रतिभा देखकर बहुत से लोगों ने हॉकी खेलना शुरू किया।

ओलंपियन ने बताया कि टीम की महत्वपूर्ण खिलाड़ी

ओलंपियन ललित उपाध्याय ने बताया कि पूजा भारतीय महिला हॉकी टीम की महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। मिडफिल्डर पर खेल को आगे बढ़ाने के साथ खेल की गति बरकरार रखने की जिम्मेदारी होती है। वैसे खिलाड़ी किस पोजीशन से खेलेगा यह खेल की रणनीति पर निर्भर करता है। मैच के अनुसार रणनीति में बदलाव भी होता है।

छह भाई-बहनों में पांचवें नंबर की हैं पूजा

छह भाई बहनों में पूजा पांचवें नंबर पर है। उनसे छोटा एक भाई है। तीन बहनों की शादी हो चुकी है। पूजा यादव का चयन पिछले महीने सीनियर वूमेन नेशनल कोचिंग कैंप साई सेंटर बंगलूरू के लिए हुआ था। पूजा भारतीय टीम के साथ 21 अप्रैल से 5 मई तक ऑस्ट्रेलिया में खेलेंगी।

खेलो इंडिया यूथ गेम में जीता था स्वर्ण पदक

पूजा ने उत्तर प्रदेश की तरफ से खेलो इंडिया में हिस्सा लेते हुए गोल्ड मेडल जीता, सीनियर नेशनल साइन डिपार्टमेंटल में कांस्य पदक जीत चुकी हैं। उत्तर प्रदेश की ओर से सीनियर नेशनल में भी प्रतिभाग किया। इस शृंखला में चयन होने पर पूजा ने खुशी जाहिर की है। कहा कि अब बड़ा लक्ष्य है।

आईपीएल 2025: राजस्थान के खिलाफ घरेलू मैदान पर रिकॉर्ड में सुधार करने उतरेगा आरसीबी

बेंगलुरु एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में जब राजस्थान रॉयल्स का सामना करेगा तो उसका लक्ष्य अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने रिकॉर्ड में सुधार करना होगा। आरसीबी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उन सभी में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

आरसीबी ने देश के अन्य स्थानों पर अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन अपने घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन के कारण उसको नुकसान हो रहा है। आरसीबी के बल्लेबाज अजीब तरह के दबाव में नजर आ रहे हैं जबकि उसके गेंदबाज भी यहां की पिच से सामंजस्य नहीं बिठा पा रहे हैं। यहां की पिच धीमी है और आरसीबी के बल्लेबाज उस पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। वह इस दुविधा में नजर आते हैं कि संभलकर खेला जाए या फिर आक्रामक रवैया अपनाया जाए। इसका सबूत यहां टीम का स्कोर है। आरसीबी की टीम अभी तक यहां आठ विकेट पर 169 रन, सात विकेट पर 163 रन और नौ विकेट पर 95 रन (14 ओवर में) ही बना पाई है। अन्य स्थानों पर उन्होंने प्रति ओवर 9-10 रन बनाए हैं, लेकिन यहां यह दर गिरकर 7-8 रन प्रति ओवर हो गई है। आरसीबी की बल्लेबाजी के मुख्य आधार विराट कोहली ने अभी तक इस सत्र में 64 की औसत से रन बनाए हैं लेकिन फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल और कप्तान रजत पाटीदार से

बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। आरसीबी के गेंदबाज भी पिच से मदद मिलने के बावजूद उसका फायदा नहीं उठा पाए हैं। आरसीबी को अगर अपने घरेलू मैदान पर हार का सिलसिला तोड़ना है तो उसके गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी के 10 अंक हैं और वह तालिका में तीसरे स्थान पर है लेकिन पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जाइंट्स के भी 10 अंक हैं। मुंबई इंडियंस आठ अंकों के साथ उनसे ज्यादा दूर नहीं है। राजस्थान रॉयल्स की भी अपनी समस्याएं हैं। कप्तान संजू सैमसन चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। उनकी अनुपस्थिति में रियान पराग कप्तानी करेंगे। रॉयल्स के अभी चार अंक हैं और वह अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। राजस्थान के प्रमुख बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, पराग, शिमरोन हेटमायर और नितीश राणा आठ मैचों में छह हार के बावजूद अच्छी फॉर्म में हैं और युवा वैभव सूर्यवंशी द्वारा की गई शुरुआत भी उत्साहजनक है।

लेकिन राजस्थान के गेंदबाजों ने अभी तक निराश किया है। वानिंदु हसरंगा (छह मैच में नौ विकेट) ने उसकी तरफ से अभी तक सर्वाधिक विकेट लिए हैं लेकिन श्रीलंकाई स्पिनर ने एक मैच में चार विकेट लिए हैं और बाकी में संघर्ष किया है। जोफ्रा आर्चर (आठ मैच, आठ विकेट), महेश थीक्षाना (आठ मैच, सात विकेट) और संदीप शर्मा (आठ मैच, छह विकेट) भी कुछ ऐसी ही कहानी पेश करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

क्रिया की प्रतिक्रिया होगी, नया भारत पाकिस्तान को सबक सिखाएगा: शिंदे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट हुए आतंकवादी हमले को लेकर मंगलवार को पाकिस्तान की आलोचना की और कहा कि क्रिया की प्रतिक्रिया होगी। कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट 'मिनी स्विटरलैंड' नाम से मशहूर पर्यटन स्थल बैसरन पर हुए आतंकवादी हमले में दो विदेशी और दो स्थानीय नागरिकों समेत 26 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में ज्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे बड़ा हमला है। पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी)के छद्म संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। मंगलवार देर रात पार्टी के एक कार्यक्रम में शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के कुछ पर्यटकों पर भी आतंकवादियों ने हमला किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्रगति जगताप नाम की एक लड़की से बात की, जिसने बताया कि उसके पिता और चाचा को आतंकवादियों ने गोली मार दी थी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार राज्य के पर्यटकों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, ''लड़की ने बताया कि वे (आतंकवादी) पुलिस की वर्दी में आए और उसके पिता और चाचा का नाम और धर्म पूछा...यह कायरों द्वारा किया गया हमला है।'' शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह आतंकवादियों और उन्हें समर्थन देने वाले पाकिस्तान को सबक सिखाएंगे। उन्होंने कहा, ''यह खेल पाकिस्तान ने शुरू किया है, लेकिन हमें पूरा भरोसा है कि इसे भारतीय जवान खत्म करेंगे।

अमेठी में दलित युवक की हत्या के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

अमेठी , एजेंसी। अमेठी जिले में पुलिस ने 25 वर्षीय दलित युवक शिवम की हत्या के मामले का मंगलवार को खुलासा करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। शिवम की सोमवार शाम गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस अधिक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि 21 अप्रैल को जामो थाना क्षेत्र के आलम सिंह का पुरवा मजरे कल्याणपुर के निवासी छोटेलाल कोरी ने थाने में दी गयी तहरीर में आरोप लगाया था कि उनके बेटे शिवम कुमार कोरी को रितेश सिंह के मुर्गी फार्म में विकास यादव उर्फ सूरज तथा मान सिंह व दो अज्ञात व्यक्तियों ने गले व सिर पर धारदार हथियार से कई वार करके मार डाला है। उन्होंने बताया कि इस मामले में मान सिंह, विकास यादव उर्फ सूरज व दो अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या), 61(2) (आपराधिक षडयंत्र में शामिल होना) व अनुसूचित जाति-जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की सुसंगत धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। दोनों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है।

हिंदू एक नहीं, चार बच्चे पैदा करें : भाजपा सांसद साक्षी महाराज

उन्नाव, एजेंसी। प्रदेश के उन्नाव से भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने विवादित बयान दिया। उन्होंने हिंदुओं से चार बच्चे पैदा करने की अपील की। सांसद साक्षी महाराज ने कहा कि हिंदू एक नहीं, चार बच्चे पैदा करें। भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने मीडिया से बात करते हुए कहा, मैंने बहुत पहले जनवरी में मेरठ में कहा था कि जनसंख?या का संतुलन नहीं बिगड़ना चाहिए, इसलिए या तो हम दो, हमारे दो के लिए कानून बनाया जाना चाहिए और अगर ऐसा नहीं होता है, तो हिंदुओं को तीन नहीं, बल्कि चार बच्चे पैदा करने चाहिए। साक्षी महाराज ने मुर्शिदाबाद में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। ममता सरकार द्वारा की गई जांच में भी अब यह स्पष्ट रूप से सामने आ गया है कि हिंदुओं के साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ, उन्हें वहां से भगाया गया। मुर्शिदाबाद की स्थिति स्पष्ट है। इस मामले में भारत सरकार और सुप्रीम कोर्ट को फैसला लेना होगा। साक्षी महाराज ने अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव किसी भी दल के साथ चुनाव लड़ लें, लेकिन मैं उनको बता देना चाहता हूं कि भाजपा थी।

विंग कमांडर के साथ मारपीट के मामले ने पकड़ा तूल

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में एक स्थानीय निवासी और भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी के बीच हुई रोड रेज की घटना पर टिप्पणी की, जिसके परिणामस्वरूप शारीरिक झड़प हुई और दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गईं। सिद्धारमैया ने कर्नाटक के लोगों और उनके समावेशी मूल्यों का बचाव करते हुए एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में लिखा कन्नड़ लोगों को अपनी मातृभाषा पर गर्व है, लेकिन वे संकीर्ण या असहिष्णु नहीं हैं। भाषाई मामलों पर दूसरों पर हमला करना या उन्हें गाली देना हमारी संस्कृति में नहीं है।

सोमवार की सुबह हुई यह घटना तब प्रकाश में आई जब विंग कमांडर शिलादित्य बोस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि उन पर एक बाइक सवार ने हमला किया, जिसकी बाद में पहचान कॉल सेंटर कर्मचारी विकास कुमार के रूप में हुई, जबकि बोस और उनकी पत्नी मधुमिता हवाई अड्डे की बस पकड़ने जा रहे थे। वीडियो में, खून से लथपथ बोस ने आरोप लगाया कि कुमार ने उन पर और उनकी पत्नी पर हमला किया और उन्हें कन्नड़ में गाली दी। बोस ने यह भी कहा कि हमले में अन्य लोग भी शामिल थे। उसी वीडियो में उन्होंने कहा कि उन्हें कर्नाटक और कन्नड़ लोगों की समावेशिता पर भरोसा नहीं रहा।

हालांकि, सीसीटीवी फुटेज में एक अलग एंगल सामने आया जिसमें बोस को हमलावर के रूप में देखा गया। सीसीटीवी फुटेज की खोज के बाद कुमार ने एक जवाबी शिकायत दर्ज की जिसके आधार पर बोस पर हत्या के प्रयास का आरोप लगाया गया। सिद्धारमैया ने इस घटना पर ध्यान देते हुए अपने पोस्ट में कहा कि कर्नाटक में लंबे समय से देश भर के लोगों को गले लगाने, उनके साथ सम्मान से पेश आने और उन्हें अपने लोगों में से एक के रूप में स्वीकार करने की गौरवशाली परंपरा रही है। इस भूमि की समावेशी भावना इतिहास में अच्छी तरह से प्रलेखित है। मुख्यमंत्री ने घटना की कवरेज के लिए राष्ट्रीय मीडिया के कुछ हिस्सों की कड़ी आलोचना की। यह बेहद खेदजनक है कि कुछ राष्ट्रीय मीडिया आउटलेट्स ने अपनी जिम्मेदारी और पेशेवर नैतिकता की उपेक्षा करते हुए एक व्यक्ति द्वारा लगाए गए निराधार आरोप को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया है, जिससे पूरे राज्य की गरिमा पर दाग लगा है। इससे हर कन्नड़ व्यक्ति को दुख और पीड़ा हुई है।

उन्होंने आगे कहा कि घटना के संबंध में मैंने पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया है कि वे इसमें शामिल व्यक्तियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करें, चाहे वे किसी भी पद या रैंक के हों। राज्य सरकार इस मामले को अत्यंत गंभीरता से ले रही है और पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मई में खुलेगा ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के पहले चरण का टेंडर

गुरुग्राम एजेंसी।
ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के पहले चरण का टेंडर एक मई को खुलेगा। गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने टेंडर की समयावधि को बढ़ा दिया है। इस टेंडर को मंगलवार शाम को खोला जाना था। गत आठ मार्च को जीएमआरएल ने ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तहत मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से लेकर सेक्टर-नौ तक होते हुए सेक्टर-101 तक मेट्रो निर्माण के लिए टेंडर आमंत्रित किए थे। इस टेंडर के तहत 22 अप्रैल तक आवेदन भरना था। करीब 14.5 किलोमीटर लंबे इस पहले चरण के तहत कई बड़ी कंपनियों की तरफ से प्री-बिड में सवाल किए हैं।

इन सवालों के जवाब को तैयार करने में समय लग गया। ऐसे में इस टेंडर की समयावधि को बढ़ाकर एक मई कर दिया है। पहले चरण के तहत 1286 करोड़ रुपये मेट्रो निर्माण पर खर्च किए जाएंगे। बता दें कि 28.5 किमी लंबे मेट्रो रूट के तहत 27 स्टेशन का निर्माण होना है। इसके निर्माण पर करीब 5452 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा।

पहले चरण के मेट्रो रूट में बख्तावर चौक पर अंडरपास आ रहा है। इसका निर्माण जीएमआरएल से करवाने का फैसला लिया है। दूसरे चरण में पांच अंडरपास तैयार होने हैं। इनमें एक चिंतपूर्णी मंदिर के समीप, दूसरा सेक्टर-तीन और पांच की मुख्य सड़क पर शीतला माता मंदिर की तरफ, तीसरा कृष्णा चौक पर बजघेड़ा से लेकर सेक्टर-पांच की तरफ, चौथा रेजांगला चौक पर और पांचवां अंडरपास पालम विहार रोड और ओल्ड दिल्ली रोड की कनेक्टीविटी पर तैयार किया जाएगा। जीएमआरएल की तरफ से तीन चरण में मेट्रो को तैयार किया जाएगा। पहले चरण में मिलेनियम सिटी सेंटर से लेकर सेक्टर-नौ और सेक्टर-101 तक मेट्रो का निर्माण होगा, दूसरे चरण में सेक्टर-नौ से लेकर डीएलएफ साइबर सिटी तक मेट्रो का निर्माण किया जाएगा। तीसरे चरण में मेट्रो डिपो का निर्माण होगा। मेट्रो डिपो को लेकर अभी तक जीएमआरएल को जमीन नहीं मिली है।

देश के पूर्वी हिस्से से जुड़ेगा एनसीआर बोड़ाकी स्टेशन पर दौड़ेगी वंदे भारत सहित 100 ट्रेने; बनेंगे 12 प्लेटफॉर्म

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के बोड़ाकी में एक रेलवे स्टेशन बनने वाला है जो एनसीआर को देश के पूर्वी हिस्से से जोड़ेगा। इसे ग्रेटर नोएडा टर्मिनल कहा जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि यह उत्तर भारत के सबसे आधुनिक हब में से एक हो सकता है। जिसपर वंदे भारत और अन्य प्रीमियम एक्सप्रेस सहित 100 ट्रेनों को चलाया जा सकता है। 176 हेक्टेयर के बड़े मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के अंदर 46 हेक्टेयर में फैले इस स्टेशन में व्यापक रखरखाव कार्यों के लिए 12 प्लेटफॉर्म और 63 यार्ड लाइनें होंगी। जबकि ग्राउंड फ्लोर पर रेलवे ऑपरेशन होंगे, ऊपर की मंजिलों में कमर्शियल स्पेस होंगे, जिसमें मिश्रित उपयोग वाला विकास होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पूरक के रूप में - जहां कुछ महीनों बाद परिचालन शुरू होने वाला है। उससे एक घंटे से भी कम की दूरी पर स्थित यह स्टेशन, दिल्ली-एनसीआर और पूर्वी भारत के बीच कनेक्टिविटी में मदद करेगा। ट्रांसपोर्ट हब, जिसका ग्रेटर नोएडा टर्मिनल एक हिस्सा होगा। यह एक अंतर-राज्यीय बस स्टैंड, एक स्थानीय बस टर्मिनल और डिपो स्टेशन को बोडाकी से जोड़ने वाले मेट्रो कॉरिडोर को एकीकृत करेगा, जो ग्रेटर नोएडा, नोएडा और एनसीआर शहरों के यात्रियों के लिए एक कनवर्जेंस पाइंट होगा। इसके डिजाइन में किए बदलावों के बाद परियोजना का दायरा शुरुआती अवधारणा के बाद से काफी बदल गया है। इसके लिए पहले 1,850 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे। टीओआई कोअधिकारियों ने बताया कि इसकी बढ़ी हुई क्षमताओं के साथ बजट के दोगुना होने की उम्मीद है। ग्रेटर नोएडा टर्मिनल चालू होने पर, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और अन्य एनसीआर शहरों से पूर्व की ओर जाने वाले यात्री यातायात को कम करेगा।

गुरूग्राम के 70 फीसदी निजी स्कूलों में आग से बचने का कोई इंतजाम नहीं

गुरूग्रम, एजेंसी।
बढ़ती गर्मी से जिले में आगजनी की घटनाएं होने के बाद भी निजी स्कूलों से लेकर कोचिंग सेंटरों में आग से बचाव के इंतजाम नहीं है। 70 प्रतिशत ऐसे स्कूल हैं,जिनमें फायर से जुड़े उपकरण नहीं लगे हैं। 30 प्रतिशत स्कूलों की ओर से फायर एनओसी है। वहीं, निजी स्कूलों में सुरक्षा नीति नहीं लागू होने से सुरक्षा को लेकर खतरा बढ़ गया है। इसको लेकर अभिभावको को चिंता है। फायर विभाग के अनुसार गुरुग्राम में 527 निजी स्कूल संचालित होते हैं।

इसमें अधिकांश स्कूलों के पास बिल्डिंग प्लान मंजूर कराए बिना इमारत बनाई है। इसमें स्कूल संचालित करते है। स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा के मानक पूरे नहीं हैं, इनके अंदर भी कोई आग से हादसा होता है तो गंभीर परिणाम सामने आएंगे। क्योंकि ये बहुमंजिला इलाकों में काफी संकरी और तंग जगहों में चल रहे हैं, जहां न तो आपात काल में निकासी का कोई रास्ता है,न आग से बचाव के कोई प्रबंध किए गए है।

आठ साल पहले शिक्षा विभाग की ओर से स्कूलों में आगजनी की घटना को लेकर छात्रों की सुरक्षा के लिए नीति बनाई थी। इसमें छात्रों की सुरक्षा के लिए स्कूल की नीति में स्कूल परिसर को सुरक्षित रखना, छात्रों को विभिन्न खतरों के बारे में शिक्षित करना और आपातकालीन स्थिति में उचित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना शामिल है। शहर के रेलवे रोड, सेक्टर-14 समेत कई स्थानों पर चल रहे कोचिंग सेंटरों में भी कोई इंतजाम नहीं हैं। कोचिंग सेंटर में बच्चों की सुरक्षा के लिए नियम लागू नहीं किए जा रहें हैं। यहां न तो आपातकाल में के समय बाहर निकलने का कोई रास्ता है और न आग से बचाव के कोई इंतजाम किए गए। अभिभावक अम्बरीश रंजन ने कहा कि बच्चे के स्कूल में न कभी फायर सेफ्टी के बारे में सुना और न कभी स्कूल ने मॉक ड्रिल की कोई जानकारी दी गई। सचिन गुप्ता ने कहा कि गुरुग्राम के स्कूलों में फायर उपकरण कभी नहीं देखा गया। अग्नि निकास, दिव्यांगों के लिए मार्ग (व्हील चेयर) आदि शामिल हैं। अग्निशमन विभाग के अनुसार बच्चों का जमावड़ा बेसमेंट में नहीं हो सकता। लोकेश यादव ने कहा कि निजी स्कूलों में आग सुरक्षा के मानकों को बेहतर बनाने के लिए सरकार, स्कूलों और फायर विभाग को सख्त निर्णय लेने चाहिए। बच्चे के स्कूल में भी आग सुरक्षा के इंतजाम अपर्याप्त हैं। बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकता हो।

ऑल इंडिया पैरेंट्स संस्थापक प्रदीप रावत ने कहा कि हर स्कूल में फायर सेफ्टी उपकरण होना और चालू हालत में होना अति आवश्यक है। आखिर बच्चों की सुरक्षा का सवाल है। दिल्ली एनसीआर में कई स्कूल फायर मॉक ड्रिल करते भी हैं, लेकिन सब स्कूल नहीं करते हैं। प्रशाशन सुनिश्चित करें कि ये जिम्मेदारी स्कूल ठीक से निभाएं।

देश गलत दिशा में जा रहा, विपक्षी नेताओं को दुश्मन समझ रहे: अशोक गहलोत

शिमला, एजेंसी।
राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले में मंगलवार को गांधी परिवार का जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि इससे किसी को कोई व्यक्तिगत लाभ नहीं हुआ। गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह जांच एजेंसियों का दबाव बनाकर गांधी-नेहरू परिवार को निशाना बना रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह बात शिमला में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कही, उन्होंने कहा 'नेशनल हेराल्ड' की सभी संपत्तियां एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड के नियंत्रण में हैं और यंग इंडिया नाम के एक गैर-लाभकारी संगठन के माध्यम से इसकी देनदारियों को चुकाने का प्रयास किया जा रहा है।

गहलोत ने कहा कि देश गलत दिशा में जा रहा है, विपक्षी नेताओं के साथ 'दुश्मनों' जैसा व्यवहार किया जा रहा है और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग व केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर उन्हें (विपक्षी नेताओं को) निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नौ साल पुराने 'नेशनल हेराल्ड' मामले को अब बदला लेने के लिए उठाया जा रहा है। गहलोत ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी को खत्म करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'कांग्रेस मुक्त भारत' की बात कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस देश की 'विरासत' है और इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि गांधी परिवार ने मोतीलाल नेहरू और जवाहरलाल नेहरू के समय से लेकर आज तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन पार्टी के सदस्यों को विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 35 वर्ष में गांधी परिवार के किसी भी सदस्य ने सरकार में कोई पद नहीं संभाला है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री पद की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया और मनमोहन सिंह को इस प्रतिष्ठित पद पर नियुक्त किया। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कथित अनियमितताओं पर चिंता व्यक्त की और आरोप लगाया कि विपक्ष, खासकर राहुल गांधी की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस नेता ने यह भी दावा किया कि चुनावी बॉण्ड की शुरूआत से चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को नुकसान पहुंचा है।

शादी का दबाव बनाया तो प्रेमी ने पत्थर से कुचला; 2 बच्चों की मां की खाली प्लाट में मिली लाश

गुरुग्राम , एजेंसी।
गुरुग्राम से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां लोकल क्लब में काम करने वाली एक महिला की लाश खाली प्लाट में पड़ी मिली तो चारो तरफ कोहराम मच गया। घटना की छानबीन हुई तो हत्या करने वाला शख्स महिला का प्रेमी निकला। आरोपी अभिषेक मिश्रा ने पत्थर से कुचलकर दो बच्चों की मां को मौत के घाट उतारा और खाली प्लाट में फेंककर फरार हो गया।

एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि स्थानीय क्लब में काम करने वाली महिला रूपाली (30) का शव रविवार को सेक्टर 83 के खाली प्लाट में पड़ा मिला तो चारो तरफ हड़कंप मच गया। प्लाट में लाश पड़ी होने की सूचना पुलिस को मिली तो मौके पर पहुंचकर लाश को बरामद किया गया और जांच शुरू हुई।

जांच में सामने आया है कि महिला अपने 2 बच्चों के साथ चक्करपुर गांव में किराए के मकान में रहती थी। उसका अभिषेक मिश्रा नामक युवक के साथ प्रेम संबंध भी था। 25 वर्षीय अभिषेक मिश्रा बिहार का रहने वाला है और दिल्ली के राजोकरी इलाके में रहता था। वह 30 वर्षीय रूपाली के साथ रिलेशनशिप में था। सिही गांव से गिरफ्तार किया गया। गुरुग्राम पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि महिला उस पर शादी के लिए दबाव बना रही थी। उसके लगातार दबाव से तंग आकर उसने महिला की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी और शव को खाली प्लॉट में फेंक दिया।

मुजफ्फरनगर दंगा: सुबूतों के अभाव में 16 आरोपी बरी

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। मुजफ्फरनगर की एक अदालत ने मंगलवार को 2013 में जिले में हुए दंगों के मामले में 16 आरोपियों को सुबूतों के अभाव में बरी कर दिया। अपर जिला न्यायाधीश (त्वरित सुनवाई अदालत) निशांत सिंगला ने 18 अप्रैल को सभी 16 आरोपियों को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष अपने आरोप साबित करने में विफल रहा है। विशेष शासकीय अधिवक्ता नरेंद्र शर्मा ने बताया कि एसआईटी ने नगला बजुर्ग गांव के निवासी 16 आरोपियों नजर मोहम्मद, कासिम, जहीर, गयूर, मीर हसन, खालिद, गुलशेर, शमशाद, मुस्तफा, जानमोहम्मद, असगर, फारुख, अनवर, जान मोहम्मद, जावेद, मोहम्मद अय्यूब के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया था कि आरोपियों ने 2013 में जिले के भोपा थाना क्षेत्र के नगला बुजुर्ग के पास अपने गांव भोकाहेड़ी में नगला मदोर में एक पंचायत में भाग लेने के बाद लौट रहे सोहनवीर सिंह सहित कई लोगों की ट्रैक्टर-ट्रॉली पर धारदार हथियारों और लाठियों से हमला किया था जिसमें सोहनवीर सिंह की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। सोहनवीर सिंह के बेटे जोगेंद्र सिंह ने भोपा थाने में मामला दर्ज कराया था। सितंबर 2013 में मुजफ्फरनगर में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान 60 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी।

लखनऊ में तेज धूप और गर्म हवा से बाहर निकलना हुआ मुश्किल

लखनऊ , एजेंसी।
लखनऊ में तेज धूप और गर्म हवा ने लोगों का बाहर निकलना मुश्किल कर दिया। दोपहर में सड़कें तपने लगीं तो कई जगह सन्नाटा पसरा दिखा। वहीं स्कूल की छुट्टी के दौरान बच्चे बेहाल नजर आए। अभिभावक भी इंतजार में छांव की तलाश में दिखे। मंगलवार सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 2.3 डिग्री अधिक था।इस सीजन में अब तक दो बार तापमान 40 डिग्री तक पहुंचा है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल अगले तीन दिनों तक कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। दिन के साथ रात का तापमान भी ज्यादा रहा। रात का न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.2 डिग्री ज्यादा 25.4 दर्ज किया गया। अमौसी स्थित मौसम केन्द्र के अनुसार आसमान साफ होने की वजह से धूप दिन में धरती की सतह गर्म कर रही है। हवा में भी गर्माहट है जिससे रात में तापमान ज्यादा नीचे नहीं जा रहा है।

ट्रेनों में एसी दगा दे रहे 150 शिकायतें आईं

लगातार बढ़ते तापमान में ट्रेनों की बोगियों में लगा एसी दगा दे रहा है। कूलिंग ठप होने से यात्री पसीने से तरबतर हो रहे हैं। रेल प्रबंधन से शिकायत किए जाने के बाद भी हालात वही हैं। लखनऊ होकर चलने वाली एनईआर और एनआर की विभिन्न ट्रेनों में एसी की कूलिंग ठप होने की 150 से अधिक शिकायतें पिछले एक माह में सामने आई हैं। किराया भरपूर लेने के बावजूद एसी सुविधा न देने से नाराजगी भी बढ़ा रही है। एक माह में अवध-असम, लिच्छवी, बेगमपुरा, हमसफर, गोरखपुर-मुंबई, कोलकाता-जम्मूतवी सहित एक दर्जन से अधिक एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों में कूलिंग कारगर नहीं रहने के मामले सामने आए हैं। दोपहर में सड़कें तपने लगीं तो कई जगह सन्नाटा पसरा दिखा। वहीं स्कूल की छुट्टी के दौरान बच्चे बेहाल नजर आए। अभिभावक भी इंतजार में छांव की तलाश में दिखे। मंगलवार सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 2.3 डिग्री अधिक था।इस सीजन में अब तक दो बार तापमान 40 डिग्री तक पहुंचा है। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल अगले तीन दिनों तक कोई राहत मिलती नहीं दिख रही है। दिन के साथ रात का तापमान भी ज्यादा रहा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सैयद अहमर हसनैन द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन , 55- बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक - सैयद अहमर हसनैन R.N.I.No-UPHIN/2008/27122 - Ph : 0522-4048974, Email : news@group5.in समाचार पत्र के समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

बिहार को बंगाल बनाना चाहते हैं लालू यादव

हम उनके मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देंगे: केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह रविवार को नवगछिया अनुमंडल के खरीक प्रखंड स्थित तेलघी गांव पहुंचे। जहां वे डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह में शामिल हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू प्रसाद यादव बिहार को पश्चिम बंगाल की राह पर ले जाना चाहते हैं, जबकि ममता बनर्जी पहले ही बंगाल को बांग्लादेश में तब्दील कर चुकी हैं।

गिरिराज सिंह ने कहा, देश देख रहा है कि बंगाल में क्या हो रहा है। वहां की सरकार हिंसा को प्रश्रय दे रही है और अब लालू यादव उसी मॉडल को बिहार में लागू करना चाहते हैं, लेकिन हम उनके मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देंगे। गिरिराज सिंह ने जनसंख्या वृद्धि पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, ÷पिछले 10 साल में भारत की जनसंख्या 21 करोड़ बढ़ी है। ऑस्ट्रेलिया की कुल जनसंख्या महज ढाई से तीन करोड़ है। यानी हम हर साल एक

ऑस्ट्रेलिया पैदा कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं को रोजगार की नई परिभाषा समझाते हुए कहा कि आज के दौर में प्राइवेट नौकरी को ही अच्छी नौकरी माना जाना चाहिए।

हर हर महादेव का जयघोष

कार्यक्रम के दौरान गिरिराज सिंह ने लोगों से माय कसम खा के हर हर महादेव कहो का नारा लगवाया और समाज को धर्म, संस्कृति और राष्ट्रवाद के प्रति जागरूक रहने की अपील की। विवादित बयानों के लिए चर्चित गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे के सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश को लेकर दिए गए हालिया बयान पर जब गिरिराज सिंह से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने हाथ जोड़ लिए और बिना कोई टिप्पणी किए आगे बढ़ गए। गिरिराज सिंह का यह बयान न केवल बिहार की राजनीति को गरमा सकता है, बल्कि बंगाल की घटनाओं को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की रणनीति का संकेत भी देता है। वहीं, जनसंख्या नियंत्रण और रोजगार जैसे मुद्दों को छूकर उन्होंने 2024 के बाद के भारत की प्राथमिकताओं पर भी संकेत दिए हैं।

बिहार के किसी भी जिले में जलसंकट नहीं

पटना, एजेंसी। गर्मी चढ़ते ही बिहार में जगह-जगह से पानी के लिए हाहाकार मचने की खबर आने लगती है। इसके बावजूद भारत सरकार की नजर में एक भी निर्जल जिला नहीं है। यानी, कोई भी जिला भूजल के क्रिटिकल या अति दोहन के शिकार की श्रेणी में नहीं है। इसका खुलासा केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय की ओर से जारी रिपोर्ट में हुआ है। जलशक्ति मंत्रालय की यह रिपोर्ट हाल में संसद के पटल पर रखी गई है। इसके मुताबिक, देशभर में भूजल के मामले में 122 जिले गंभीर (क्रिटिकल) या अति दोहन (ओवर एक्सप्लॉयटेड) जिलों की श्रेणी में हैं। इनमें बिहार का एक भी जिला नहीं है। इसका मतलब है कि बिहार के किसी भी जिले में जलसंकट नहीं है। जानकारों के मुताबिक, बिहार सरकार के जल-जीवन-हरियाली मिशन के कारण भूजल स्तर की स्थिति में सुधार हो रहा है। पड़ोसी झारखंड भी रेडलाइन से बाहर रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड का कोई भी जिला गंभीर या अतिदोहन के शिकार जिलों की सूची में नहीं है। राजस्थान के 29 जिले, उप्र के 12 जिले, हरियाणा के 17 जिले, मप्र के 07 जिले और पंजाब के 20 जिले भूजल के गंभीर या अतिदोहन के शिकार जिलों की सूची में हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पटना शहर समेत चार इलाके भूजल के अतिदोहन के शिकार हैं। इनमें नालंदा जिले का नगरनौसा और जहानाबाद जिले का रतनी फरीदपुर तथा काको भी शामिल है। इसी तरह नौ इलाके गंभीर स्थिति में हैं। इनमें मुजफ्फरपुर का मुशहरी, नालंदा का गिरियक, पटना का संपतचक, समस्तीपुर का ताजपुर और दलसिंहसराय तथा वैशाली जिले का जंदाहा, पातेपुर, हाजीपुर और राजापाकड़ शामिल हैं। इसके अलावा, 49 इलाके भूजल की कमी की समस्या से जूझ रहे हैं।

राजगीर में जल्द स्थापित होगा एमएसएमई विस्तार केंद्र–केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

नालंदा, एजेंसी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय की ओर से राजगीर में एक विस्तार केंद्र की स्थापना शीघ्र ही की जाने वाली है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं का कौशल विकास करके उन्हें हुनरमंद बनाना और रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना है। यह केंद्र अपने विविध कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय युवाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। परियोजना प्रबंधक सचिन कुमार ने इस अवसर पर बताया कि ÷विस्तार केंद्र में लगभग 10 करोड़ रुपए के निवेश से विभिन्न प्रकार की आधुनिक मशीनें स्थापित की जाएंगी। युवाओं को इन मशीनों के संचालन और उत्पाद निर्माण की बारीकियां सिखाई जाएंगी।÷ उन्होंने यह भी बताया कि राजगीर में केंद्र के लिए उपयुक्त स्थल का चयन प्रक्रियाधीन है और आशा व्यक्त की कि जल्द ही इसकी स्थापना संपन्न हो जाएगी।

आसपास के युवाओं के लिए भी अवसर

यह केंद्र न केवल राजगीर बल्कि आसपास के क्षेत्रों के युवाओं के लिए भी वरदान साबित होगा। सरकार की योजना राजगीर के अलावा गया सहित अन्य जिलों में भी इसी प्रकार के विस्तार केंद्र स्थापित करने की है। राजगीर पहले से ही एक महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र के रूप में पहचाना जाता है। यहां हस्तशिल्प, रेडीमेड वस्त्र, खाद्य एवं कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण उद्योग, फुटवियर, लकड़ी शिल्प, और स्टील अलमारी निर्माण जैसे कई उद्योग पहले से ही संचालित हैं। ऐसे में यह नया विस्तार केंद्र इन उद्योगों के विकास में उत्प्रेरक का काम करेगा।

नई दिल्ली–पटना तेजस राजधानी एक्सप्रेस में नाबालिग लड़की से छेड़छाड़, हड़कंप

पटना, एजेंसी। नई दिल्ली-पटना तेजस राजधानी एक्सप्रेस में एक नाबालिग लड़की से छेड़खानी की सूचना से रेलवे में हड़कंप मच गया। आरपीएफ और जीआरपी की टीम जांच में जुट गई, लेकिन छेड़खानी करने वाले का पता नहीं चला। परिजनों ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। बताया जाता है कि राजधानी एक्सप्रेस में सोमवार को एक यात्री परिवार के साथ सफर कर रहे थे। प्रयागराज से जब ट्रेन पटना के लिए बढ़ी तो किसी ने देर रात सोई बच्ची के साथ छेड़खानी कर दी। शोर मचाने पर परिजन जग गए। इस पर आरोपित भाग गया। परिजनों ने रेलवे के टोल फ्री नंबर पर सूचना दी।

कार के सीक्रेट चैंबर से 58.5 किलो चांदी बरामद–बांका में पश्चिम बंगाल के दो तस्कर गिरफ्तार

संदिग्ध कार की तलाशी में मिली कामयाबी

बांका, एजेंसी। बांका में पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान एक कार से 58 किलो 480 ग्राम चांदी के जेवरात बरामद किया। मौके से पश्चिम बंगाल के दो तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बाराहाट पुलिस ने यह कार्रवाई का है। मंगलवार की देर शाम बाराहाट पुलिस ने भागलपुर-हंसडीहा सड़क मार्ग पर यह करवाई किया। इस दौरान पूछताछ और जांच पड़ता चलता रहा।

पश्चिम बंगाल के 2 तस्कर गिरफ्तार

बाराहाट थानाध्यक्ष दीपक पासवान ने बताया कि भागलपुर-दुमका मुख्य मार्ग पर वाहन जांच की जा रही थी। एक संदिग्ध कार की तलाशी में उसके अंदर बने गुप्त तहखाने से भारी मात्रा में चांदी के जेवर मिले। इलेक्ट्रिक तराजू पर मापने पर बरामद चांदी कुल वजन 58 किलो 480 ग्राम निकला। पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर निवासी गुरु प्रसाद करमोकार और अमन मलिक हैं। पूछताछ में पता चला कि वे चांदी को पश्चिम बंगाल से दरभंगा ले जा रहे थे।

तस्करी रैकेट के सदस्यों को तलाश जारी

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओ अविनाश कुमार और एसडीपीओ अर्चना कुमारी ने मौके का जायजा लिया। एसडीपीओ के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस इस तस्करी रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है। एसडीपीओ अर्चना कुमारी ने बताया कि मामले की सूचना इनकम टैक्स और जीएसटी विभाग को दी गई है। दोनों विभाग जल्द ही चांदी के स्रोत और कर चोरी की जांच करेंगे। पुलिस द्वारा मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नालंदा में 4 साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के कतरीसराय में साइबर थाना पुलिस ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी धनी एप के माध्यम से लोगों को कम ब्याज पर लोन और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का झांसा देकर ठगी कर रहे थे। साइबर डीएसपी ज्योति शंकर ने बताया कि यह गिरोह जवाहरचक गांव में सक्रिय था और इस कार्रवाई में पुलिस ने उनके कब्जे से 13 मोबाइल फोन समेत कई आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में कर्नाटक के गुलबर्गा निवासी मनोज बक्सिधर जो इस गिरोह का मुख्य सरगना बताया जा रहा है, जवाहरचक गांव के अशोक महतो की बेटा कुश कुमार और रंजीत कुमार (जो सहोदर भाई हैं) और महेश चौधरी का बेटा अमरजीत कुमार शामिल हैं।

देश के विभिन्न हिस्सों में घटना को अंजाम दिया : डीएसपी शंकर ने बताया कि आरोपियों ने कम ब्याज दर पर व्यक्तिगत ऋण तथा सरकारी योजनाओं का लालच देकर कई लोगों को अपने जाल में फंसाया था। इसके लिए वे फर्जी दस्तावेजों और झूठे वादों का सहारा लेते थे। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह गिरोह देश के विभिन्न हिस्सों में साइबर अपराध की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। पुलिस अब इनके नेटवर्क की जांच कर रही है ताकि इनके अन्य सहयोगियों का पता लगाया जा सके।

लोन दिलाने के नाम पर ठगी, 6 साइबर ठग गिरफ्तार

नवादा, एजेंसी। साइबर अपराध के खिलाफ नवादा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसपी अभिनव धीमान के निर्देश पर पुलिस ने ऑनलाइन लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले 6 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना पर के आधार पर वारिसलीगंज थाना क्षेत्र में की गई।

गुप्त सूचना पर पुलिस की छापेमारी

डीएसपी महेश चौधरी ने मंगलवार को वारिसलीगंज थाना में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि पुलिस को टाटी मीर बिगहा गांव में साइबर ठगों की सक्रियता की सूचना मिली थी। इसके बाद एक विशेष टीम बनाकर छापेमारी अभियान चलाया गया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान आरोपी भागने लगे, लेकिन चार लोगों को मौके पर ही दबोच लिया गया। पुलिस को पूछताछ

के दौरान दो अन्य आरोपियों के मालिचक गांव में छिपे होने की जानकारी मिली, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

6 आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल और डेटा शीट बरामद : गिरफ्तार किए गए आरोपियों में रितेश कुमार, विनय कुमार, जालेंधर कुमार, रोहित कुमार, त्रिवेणी कुमार और जयपाल कुमार शामिल हैं। ये आरोपी धनी फाइनेंस एंड सर्विस समेत कई अन्य फर्जी कंपनियों के नाम से ऑनलाइन लोन दिलाने का झांसा देकर लोगों को ठगते थे। छापेमारी के दौरान 6 मोबाइल फोन और 13 डेटा शीट बरामद की गई हैं। इन डेटा शीट्स में लोगों के नाम, मोबाइल नंबर और अन्य संवेदनशील जानकारियां दर्ज थीं, जिन्हें ठगी के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा

पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और नेटवर्क का भी पता लगाया जा रहा है।

बंधकों को छुड़ाने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने किया पथराव

नवादा, एजेंसी। नवादा के कौआकोल थाना क्षेत्र में पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। घटना टीकोडीह गांव की है, जहां स्थानीय लोगों ने धनबाद के चार व्यक्तियों को बंधक बना रखा था। सूचना मिलते ही कौआकोल थाने की पुलिस टीम बंधकों को छुड़ाने के लिए गांव पहुंची। पुलिस को देखते ही ग्रामीण उग्र हो गए। उन्होंने पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया। इस हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए।

धनबाद के 4 व्यक्तियों को बनाया बंधक

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, टीकोडीह गांव के लोगों और धनबाद के चार व्यक्तियों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद के चलते ग्रामीणों ने उन्हें बंधक बना लिया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गया में 3 शराब तस्करों को किया गिरफ्तार–कार में सैकड़ों बीयर की बोतलें हुईं बरामद

गया, एजेंसी। गया में उत्पाद विभाग की टीम ने नेशनल हाईवे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 शराब तस्करों को पकड़ा है। दो अलग-अलग मामलों में भारी मात्रा में शराब जब्त की गई है। 3 में से 2 शराब तस्कर नीतीश कुमार और करण कुमार कार से शराब ले जा थे। कार से सैकड़ों बीयर की बोतलें बरामद हुई हैं। वहीं दूसरी कार्रवाई में एक बाइक सवार 40 लीटर शराब के साथ पकड़ा गया है। जानकारी के अनुसार, समेकित जांच चौकी के पास उत्पाद विभाग की टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक कार की तलाशी में पिछले सीट से बियर की बोतलें भरी पाई गईं। कार सवार दो तस्कर करण कुमार और नीतीश कुमार को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों बाराचट्टी थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।

पहले भी इसी रास्ते से गुजर चुके : शुरुआती पूछताछ में इन्होंने शराब को बाहर से लाकर बिहार में खपाने की योजना बताई है। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व में भी वे शराब लेकर इसी रास्ते से कई बार क्रॉस कर चुके हैं। लेकिन इस बार वे धरे गए। वहीं दूसरी ओर, मोहनपुर थाना क्षेत्र के धीरज कुमार को उस समय रंगे हाथ पकड़ लिया गया। जब वह बाइक से शराब की धुलाई कर रहा था। तलाशी में उसके पास से 40 लीटर देसी शराब बरामद हुई।

रोजगार मेला में 354 युवाओं का किया चयन–दरभंगा के बेनीपुर प्रखंड में लगा जॉब कैंप

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में श्रम संसाधन विभाग पटना के निर्देश पर अवर प्रादेशिक नियोजनालय दरभंगा ने मंगलवार को बेनीपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में एक दिवसीय नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला आयोजित किया।

मेले में तकनीकी और गैर तकनीकी क्षेत्र के 19 नियोजकों ने भाग लिया। मेले में 411 शिक्षित बेरोजगारों से बायोडाटा लिया गया। इनमें से 354 आवेदकों का औपबंधिक चयन किया गया।

ये कंपनियां हुईं शामिल

इनमें नेहा एंटरप्राइजेज, चैतन्य इंडिया फिन क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड, स्वतंत्र फाइनेंस, एलआईसी ऑफ इंडिया, एचआरवीएस, पीपल ट्री वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, आमधने प्राइवेट लिमिटेड, फैक्ट्री काम, डेल्हीवेरी लिमिटेड, शिवशक्ति एग्रीटेक लिमिटेड, फ्यूजन फाइनेंस, नव भारत फर्टिलाइजर्स, बालाजी बायो प्लांटेसीक टेक्नोलॉजी, विजन इंडिया, ग्राम रूरल/जीएसए फाउंडेशन, ओरबेल इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सानवी ग्रीन टेक प्राइवेट लिमिटेड, रेट्रोफिट, श्रमसाध्य कार्यालय और एटमा शामिल रहे।

इन्होंने मेले का किया उद्घाटन

मेले का उद्घाटन विधायक बेनीपुर विनय कुमार चौधरी, प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रवीण कुमार, प्रमुख चौधरी मुकुंद कुमार राय, उपनिदेशक नियोजन आशीष आनंद, सहायक निदेशक नियोजन नीतीश कुमार सिन्हा, नियोजन पदाधिकारी मृणाल कुमार चौधरी और निशांत रंजन ने संयुक्त रूप से किया। विधायक ने युवाओं से निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक और रुचि रखने की अपील की।

मेला सफल बनाने में अमिय कुमार, एजाज हुसैन, रंजीत कुमार, जितेन्द्र कुमार, रीतुराज और मनोरंजन कुमार की भूमिका रही।

2-2 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी, बरौनी-पोत्तनूर और पटना-एरनाकुलम के बीच चलेंगी गाड़ियां

गर्मी की छुट्टी को देखते हुए फैसला

बेगूसराय, एजेंसी। गर्मी की छुट्टी के दौरान यात्रियों की संभावित अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे की ओर से कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बरौनी-पोत्तनूर (कोयंबटूर) तथा पटना-एरनाकुलम के बीच एक-एक जोड़ी और धनबाद और लोकमान्य तिलक के बीच 2 जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। ट्रेन नंबर- 06055 पोत्तनूर-बरौनी स्पेशल 26 अप्रैल से 24 मई तक प्रत्येक शनिवार को पोत्तनूर (कोयंबटूर) से 11.50 बजे खुलकर सोमवार को 14.30 बजे बरौनी पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर- 06056 बरौनी-पोत्तनूर स्पेशल 29 अप्रैल से 27 मई तक प्रत्येक मंगलवार को बरौनी से 23.45 बजे खुलकर शुक्रवार को 03.45 बजे पोत्तनूर पहुंचेगी। यह ट्रेन किउल-झाझा-चितरंजन-धनबाद-रांची-राउरकेला-सम्बलपुर-काटपाड़ी के रास्ते चलेगी। ट्रेन नंबर- 06085 एरनाकुलम-पटना स्पेशल 25 अप्रैल से 30 मई तक प्रत्येक शुक्रवार को एरनाकुलम से 23.00 बजे खुलकर सोमवार को 03.30 बजे पटना जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर- 06086 पटना-एरनाकुलम स्पेशल 28 अप्रैल से 02 जून तक प्रत्येक सोमवार को पटना जंक्शन से 23.45 बजे खुलकर गुरुवार को 10.30 बजे एरनाकुलम पहुंचेगी। यह ट्रेन मोकामा-झाझा-आसनसोल-दानकुनी-खड़गपुर-भुवनेश्वर-के रास्ते चलेगी। ट्रेन नंबर- 03327 धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल 26 अप्रैल से 28 जून तक प्रत्येक शनिवार को धनबाद से 08.00 बजे खुलकर रविवार को 17.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर- 03328 लोकमान्य तिलक-धनबाद स्पेशल 27 अप्रैल से 29 जून तक प्रत्येक रविवार को लोकमान्य तिलक से 20.00 बजे खुलकर मंगलवार को 08.40 बजे धनबाद पहुंचेगी। यह ट्रेन बोकारो-लातेहार- डालटनगंज-गढ़वा रोड-सिंगरौली-कटनी साउथ-इटारसी के रास्ते चलेगी। ट्रेन नंबर- 03379 धनबाद-लोकमान्य तिलक स्पेशल 22 अप्रैल से 24 जून तक प्रत्येक मंगलवार को धनबाद से 22.30 बजे खुलकर गुरुवार को 08.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी।

मां की फटकार पर बेटी ने की आत्महत्या–मोबाइल चलाने की लत से परेशान थे पैरेंट्स

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में मां की फटकार पर बेटी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मां बेटी के मोबाइल चलाने की बुरी आदत से परेशान थी और इसी से नाराज होकर बेटी को डांट लगाया था। मां के घर से बाहर निकलते ही लड़की कमरे में गई और ये खौफनाक कदम उठा लिया। जैसे ही मां बाहर से लौटी बेटी दुपट्टे के सहारे फंदे से झूलती मिली। हादसे के बाद परिजन किशोरी को लेकर पूर्णिया जीएमसीएच पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना मधुबनी इलाके में घटी है। मृतका काजल कुमारी (17) है। परिजनों ने शव के पोस्टमॉर्टम से इनकार कर दिया है।

सफाई के लिए मां ने कहा था : किशोरी के पिता सन्नी राय ने बताया कि घर में सामान बिखड़ा पड़ा था, मां रानी देवी ने बेटी को घर की साफ सफाई के लिए कहा था। इस काम को पूरा करने के बाद खाना बनाना था। मां जब बाजार से घर लौटी, किशोरी मोबाइल चलाने में मशगूल थी। इसी से गुस्साई मां ने बेटी को जोरदार फटकार लगाई थी। इन सब के बाद पड़ोसी के बुलाने पर मां कुछ मिनटों के लिए घर से बाहर गई थी। इसी बीच मौका पाकर गुस्साई किशोरी ने अपने कमरे में सुसाइड कर लिया। बेटी को कमरे में झूलता देखा मां ने जोरदार आवाज लगाई, जिसके बाद घर के बाकी सदस्य मौके पर पहुंचे और आनन फानन में किशोरी को जीएमसीएच पूर्णिया लाया गया।

मोहित सूरी की 'सैयारा' में चंकी पांडे के भतीजे के साथ आएंगी नजर अनीत पड्डा?

मोहित सूरी की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' में लीड फीमेल एक्टर के तौर पर अनीत पड्डा नजर आएंगी। वह चंकी पांडे के भतीजे अहान पांडे के साथ इस फिल्म में कास्ट हुई हैं। मंगलवार को मोहित सूरी की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'सैयारा' के रिलीज डेट और इसके लीड एक्टर्स की आधिकारिक घोषणा हुई। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में चंकी पांडे के भाई चिक्की पांडे के बेटे अहान पांडे और अनीत पड्डा लीड भूमिका में नजर आएंगे। सभी की निगाहें अहान और अनीत पर टिकी हैं। जानते हैं आखिर कौन हैं अनीत पड्डा?

कहां से की अभिनय की शुरुआत?

अनीत पड्डा ने काजोल, विशाल जेठवा और प्रियामणि की 'सलाम वेंकी' से अपने अभिनय की शुरुआत की। साल 2022 में रिलीज होने वाली इस फिल्म में अनीत ने नंदिनी की भूमिका निभाई थी। साल 2024 में, उन्होंने नित्या मेहरा की वेब सीरीज बिग 'गर्ल्स डोंट क्राई' में अभिनय किया, जहां उन्होंने रूही आहूजा की भूमिका निभाई।

सोशल मीडिया पर मौजूदगी

22 साल की अनीत सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा सक्रिय नहीं रहती हैं। हालांकि, वह अपने काम से जुड़े अपडेट लगातार साझा करती रहती हैं।

टाइगर श्रॉफ को जान से मारने की धमकी के मामले में बड़ा खुलासा

बॉलीवुड स्टार्स की चमक-धमक भरी लाइफ को देख हर किसी के मन में यह जरूर आता है- वाह! क्या लाइफ है, लेकिन यह स्टारडम उनकी कई परेशानियों का कारण भी बन जाता है। उन्हें कड़ी सुरक्षा में चलना पड़ता है। कभी वह फैंस की भीड़ से घिर जाते हैं, तो कभी कोई उन्हें जान से मारने की धमकी दे देता है। ऐसी ही जान से मारने की धमकी को लेकर एक्टर टाइगर श्रॉफ सुर्खियों में बने हुए हैं। जब इस बात की खबर मुंबई पुलिस को मिली, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। हालांकि बाद में इस मामले में चौंकाने वाला मोड़ सामने आया। दरअसल, मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को एक फोन आया, जिसमें पुलिस को बताया गया कि सिक्योरिटी कंपनी ट्रिग के कुछ लोग एक्टर टाइगर श्रॉफ की हत्या करने जा रहे हैं। उनकी हत्या के लिए हथियार और दो लाख की सुपारी भी दी गई है। इस फोन कॉल के बाद पुलिस हरकत में आ गई और फौरन जांच शुरू कर दी।

जांच में सूचना को गलत पाया गया और पता चला कि यह फोन कॉल 35 वर्षीय मनीष कुमार सुजिंदर सिंह ने की है, जो मूल रूप से पंजाब का रहने वाला है। खार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। आए दिन अभिनेताओं को जान से मारने की धमकी मिलती रही है। इस लिस्ट में सबसे पहला नाम बॉलीवुड एक्टर सलमान खान का आता है। इससे पहले सलमान को भी कंट्रोल रूम में इसी तरह की धमकी भरी कॉल आई थी। उन्हें कई बार गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उनके गैंग की तरफ से जान से मारने की धमकी मिल चुकी हैं। उनके मुंबई स्थित घर में दो बाइक सवारों ने फायरिंग भी की थी, जिसके बाद उनकी सुरक्षा को बढ़ा दिया गया।

टाइगर श्रॉफ की बात करें तो उन्होंने साल 2014 में फिल्म हीरोपंती से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस कृति सेनन नजर आई थीं, दोनों की केमिस्ट्री

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दर्ज किया केस

को काफी पसंद किया गया। इसके बाद वह बागी में नजर आए, जिसमें उन्होंने अपने स्टंट और फाइट सीक्वेंस से लोगों को अपना दीवाना बना दिया। इसके अलावा, उन्होंने ए फ्लाइंग जट्ट, मुन्ना माइकल, हीरोपंती 2, वॉर, स्टूडेंट ऑफ द ईयर, गणपत, बागी-2, बागी 3 और सिंघम अगेन जैसी फिल्मों के जरिए बॉलीवुड में स्टारडम हासिल किया। वह अब बागी 4 की तैयारियों में जुटे हैं।

लोग मेरे बारे में जानते नहीं हैं: रानी चटर्जी

भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन रानी चटर्जी फिटनेस के मामले में बॉलीवुड एक्ट्रेसेज को कड़ी टक्कर देती हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और वर्कआउट के वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने एक बार फिर वर्कआउट को लेकर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। अपने जिम लुक से वह फैंस के दिलों पर राज कर रही हैं। फोटोज में रानी जिम में नजर आ रही हैं और वर्कआउट कर रही हैं। इसके अलावा, अन्य तस्वीरों में वह सेल्फी क्लिक करती दिख रही हैं। इंस्टाग्राम पर इस पोस्ट को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, हैलो मंडे.. अपने आप से प्यार करो, अपने ऊपर काम करो, बहुत से लोग मेरे बारे में जानते नहीं हैं कि मुझमें बहुत धैर्य है। रानी के इस पोस्ट को और उनके जिम लुक को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि रानी चटर्जी का असली नाम साहिबा शेख है। सभी सरकारी दस्तावेजों में वह इसी नाम से पहचानी जाती हैं। उनके फिल्मी नाम से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा भी है। बताया जाता है कि साल 2004 में वह भोजपुरी फिल्म ससुरा बड़ा पैसा वाला की शूटिंग कर रही थीं। इस फिल्म का एक सीन मंदिर में शूट होना था। कथित तौर पर जब एक रिपोर्टर ने उनसे उनका नाम पूछा, तब डायरेक्टर ने हंगामे से बचने के लिए उनका नाम बदलकर रानी चटर्जी बता दिया। डायरेक्टर को डर था कि वहां के लोग मुस्लिम लड़की के मंदिर में प्रवेश करने से हंगामा कर सकते हैं। इसके बाद वह रानी के नाम से ही मशहूर हो गई।

शाहरुख के बाद आमिर भी खाली करेंगे बांद्रा वाला घर

शाहरुख खान के बाद आमिर खान भी अपने बांद्रा स्थित घर को खाली करने जा रहे हैं, क्योंकि उसका रिनोवेशन किया जा रहा है। अभिनेता के पाली हिल स्थित घर को मैन इंफ्राकंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एमआईसीएल) द्वारा अल्ट्रा-लक्जरी प्रोजेक्ट में तब्दील किया जाएगा। शाहरुख खान के मुंबई में अपने घर मन्नत से बाहर निकलने के कुछ दिनों बाद अभिनेता आमिर खान भी पाली हिल में अपने घर से बाहर निकलने की तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि इमारत का रिनोवेशन किया जा रहा है। रियल एस्टेट डेवलपर मैन इंफ्राकंस्ट्रक्शन लिमिटेड इस साल के अंत में मुंबई के बांद्रा में पाली हिल इलाके में एक अल्ट्रा-लक्जरी प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह प्रोजेक्ट विर्गो कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के रिनोवेशन का हिस्सा है।

आमिर का अपार्टमेंट

आमिर खान ने बांद्रा के पाली हिल इलाके में एक और अपार्टमेंट खरीदा था। यह संपत्ति 1027 वर्ग फीट में फैली है और इसकी कीमत नौ करोड़ रुपये है।

अमिताभ बच्चन ने शेयर किया मंत्र बताया- यह सभी बीमारियों का इलाज

मेगास्टार अमिताभ बच्चन 82 साल की उम्र में भी काफी फिट और एनर्जेटिक हैं। फिल्मों में उनका जज्बा यंग एक्टर्स के लिए प्रेरणादायक होता है। उनका करियर पांच दशकों से भी ज्यादा लंबा है। अपने जोश और जज्बे को लेकर बिग बी ने बड़ा खुलासा किया और सभी बीमारियों का एक इलाज बताते हुए मंत्र भी फैंस के साथ शेयर किया। अमिताभ ने सोशल नेटवर्किंग साइट टम्बलर पर अपने ब्लॉग में लिखा, काम सभी बीमारियों का इलाज है... मैंने काम किया... बिग बी ने अपने करियर में 200 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। उनकी पहली फिल्म सात हिंदुस्तानी थी, जिसमें उन्होंने अनवर अली नाम के एक कवि का किरदार निभाया था। लेकिन, असली पहचान उन्हें प्रकाश मेहरा की फिल्म जंजीर से मिली।

इस फिल्म में उन्होंने इंस्पेक्टर विजय खन्ना की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने शोले, दीवार, शहंशाह, मर्द, कुली, आनंद, रोटी कपड़ा और मकान जैसी एक के बाद एक सुपरहिट फिल्में दी। उन्होंने हेरा फेरी, अमर अकबर एंथोनी, परवरिश, कसमे वादे, डॉन, त्रिशूल, मुकद्दर का सिकंदर, सुहाग, दोस्ताना, नसीब, लावारिस, नमक हलाल, अंधा कानून, शराबी, नमक हराम, अभिमान, काला पत्थर, शान, सिलसिला, याराना, कालिया, शक्ति, मिली, चुपके चुपके, चीनी कम, निशब्द, ब्लैक, पीकू और पिंक जैसी शानदार फिल्मों में भी काम किया। अमिताभ ने 2024 में वेट्टैयन के साथ तमिल डेब्यू भी किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो 2015 में रिलीज हुई, उनकी कॉमेडी ड्रामा फिल्म पीकू 9 मई को एक बार फिर सिनेमाघरों में आने वाली है। इस फिल्म का निर्देशन शूजित सरकार ने किया है।

शाहरुख खान के साथ काम करेंगे अरशद वारसी

शाहरुख खान की फिल्म किंग एक वजह से सुर्खियों में है और वो है कास्टिंग। हालांकि फिल्म की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन शुरुआत में ऐसी खबरें थीं कि शाहरुख के अलावा इस फिल्म में उनकी बेटी सुहाना खान, अभिषेक बच्चन और मुंजा फेम एक्टर अभय वर्मा भी हैं। हालांकि, पिछले कुछ हफ्तों से एक बार फिर फिल्म की कास्टिंग को लेकर कई खबरें आ रही हैं।

अरशद वारसी हुए फिल्म में शामिल?

अब खबर है कि फिल्म में एक और कलाकार की एंट्री हुई है। अब पीपिंग मून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, किंग की कास्ट में अरशद वारसी भी शामिल हो गए हैं। कथित तौर पर अभिनेता इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे और उनके किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी गुप्त रखी गई है।

अरशद की फिल्म में शाहरुख खान ने किया था कैमियो

2005 में शाहरुख खान ने अरशद की फिल्म कुछ मीठा हो जाए में कैमियो किया था, लेकिन दोनों ने एक साथ ऐसी कोई फिल्म नहीं की है जिसमें उन्होंने पूरी भूमिका निभाई हो। दिलचस्प बात यह है कि शाहरुख खान को मुन्ना भाई एमबीबीएस का ऑफर किया गया था, लेकिन वह इसे नहीं कर पाए, इसलिए अगर सुपरस्टार राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में काम करते तो वह और अरशद असली मुन्ना और सर्किट होते।

दीपिका भी होंगी फिल्म का हिस्सा?

कुछ दिनों पहले ऐसी खबरें आई थीं कि दीपिका पादुकोण को इस फिल्म में एक विस्तारित कैमियो करने के लिए चुना गया है। कथित तौर पर, वह फिल्म में सुहाना खान की मां और शाहरुख की पूर्व प्रेमिका के रूप में नजर आएंगी। हालांकि, इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने एक्स पर पोस्ट किया था, फॉल्स। अब सिद्धार्थ के इस ट्वीट ने यूजर्स को सोच में डाल दिया कि क्या वह दीपिका के फिल्म में अभिनय करने की खबरों का खंडन कर रहे हैं।

तय समय पर रिलीज नहीं होगी विजय देवरकोंडा की किंगडम? अनिरुद्ध रविचंदर बने फिल्म में देरी की वजह

विजय देवरकोंडा इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म किंगडम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म का पहला टीजर जारी किया था, जिसके बाद से फैंस के बीच इस फिल्म को लेकर और उत्साह बढ़ गया। हालांकि, अब लगता है कि फिल्म की रिलीज पर संकट आ गया।

फिल्म की रिलीज में हो सकती है देरी

विजय देवरकोंडा ने जर्सी के निर्देशक गौतम तिन्नानुरी के साथ किंगडम के लिए हाथ मिलाया। यह फिल्म एक साल से अधिक समय से बन रही है और 30 मई, 2025 को स्क्रीन पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन ताजा चर्चा के अनुसार, किंगडम की रिलीज को टाला जा सकता है। इसके कई कारण हैं, लेकिन फिल्म के साथ सबसे बड़ी समस्या संगीत है।

इस वजह से फिल्म में हो रही देरी

अनिरुद्ध किंगडम के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं और उन्हें अभी बैकग्राउंड स्कोर तैयार करना है। उन्हें अभी बहुत सारा काम पूरा करना है, और चूंकि वे कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं, इसलिए उन्हें विजय की फिल्म के लिए समय नहीं मिल पा रहा है। ओटीटी प्ले के अनुसार, निर्माता थोड़े चिंतित हैं, क्योंकि उन्होंने किंगडम के लिए भारत भर में व्यापक प्रचार की योजना बनाई है और यदि वे तारीख से चूक जाते हैं तो उन्हें अगस्त 2025 की ओर देखना होगा, क्योंकि मई और जून में अन्य तेलुगु बड़ी फिल्में रिलीज होंगी।

फिल्म का एक शेड्यूल भी है बाकी

निर्माता नागा वामसी ने अपने कई साक्षात्कारों में खुलासा किया कि अनिरुद्ध एक ऐसे संगीतकार हैं, जो दबाव में काम नहीं करते और अपनी शर्तों पर काम पूरा करते हैं।

अनुराग कश्यप ने फिर मांगी माफी

मैं मर्यादा भूल गया, पूरे ब्राह्मण समाज को बुरा बोल डाला...

फिल्म निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप का ब्राह्मणों पर दिया गया विवादित बयान तूल पकड़ता जा रहा है। इस बीच मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कश्यप ने दोबारा से आहत लोगों से माफी मांगी है। कश्यप का कहना है कि वह गुस्से में आकर मर्यादा भूल गए थे। आगे वह ध्यान देंगे कि बातचीत के दौरान सही शब्दों का इस्तेमाल करें।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अनुराग कश्यप ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा, मैं गुस्से में किसी को एक जवाब देने में अपनी मर्यादा भूल गया और पूरे ब्राह्मण समाज को बुरा बोल डाला। वो समाज जिसके तमाम लोग मेरी जिंदगी में रहे हैं, आज भी हैं और उन्होंने बहुत योगदान दिया है। आज वो सब मुझसे आहत हैं। मेरा परिवार मुझसे आहत है। बहुत सारे बुद्धिजीवी, जिनकी मैं इज्जत करता हूं, वे भी मेरे उस गुस्से में बोलने के तरीके या बयान से आहत हैं।

दिल से माफी मांगते हुए कश्यप ने आगे कहा, मैंने ऐसी बात करके अपनी ही बात को मुद्दे से भटका दिया। मैं तहे दिल से इस समाज से माफी मांगता हूं। मैं इन्हें ये नहीं कहना चाह रहा था, लेकिन आवेश में किसी की घटिया टिप्पणी का जवाब देते हुए ऐसा लिख दिया। मैं अपने बोलने के तरीके के लिए, अभद्र भाषा के लिए अपने उन तमाम सहयोगियों, दोस्तों, अपने परिवार से और उस समाज से माफी मांगता हूं। माफी मांगने के साथ ही अनुराग ने आगे कहा कि उनसे ऐसी गलती आगे कभी नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा, अब आगे से ऐसा न हो, मैं उस पर काम करूंगा। अपने गुस्से पर काम करूंगा और मुद्दे की बात अगर करनी हो तो सही शब्दों का इस्तेमाल करूंगा। आशा है आप मुझे माफ कर देंगे। यह विवाद शुक्रवार को तब शुरू हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर को जवाब देते हुए ब्राह्मणों को लेकर बेहद शर्मनाक बात लिखी, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जमकर बवाल मचा और लोगों ने उनकी कड़ी आलोचना की।

अनुराग कश्यप के बयान पर ब्राह्मण रक्षा मंच ने रविवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपकमिंग फिल्म फुले पर सरकार से रोक लगाने की मांग की। उन्होंने फिल्म के जरिए ब्राह्मणों को अपमानित करने का आरोप लगाया। ब्राह्मण रक्षा मंच के साथ ही फिल्मी जगत के कई सितारे उनकी कड़ी आलोचना कर रहे हैं। कश्यप के बयान से नाराज अभिनेत्री पायल घोष ने पोस्ट शेयर कर कहा कि वह बॉलीवुड से दूर रहें, इंडस्ट्री उनके बिना खुश है। गीतकार-लेखक मनोज मुंतशिर ने तो अनुराग कश्यप को औकात में रहने तक की सलाह दे दी।

साभार एजेंसी

ट्रंप, पुतिन, नेतन्याहू सहित विश्व भर के नेताओं ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले की निंदा की

» वाशिंगटन/मॉस्को/लंदन, भाषा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सहित विश्व भर के नेताओं ने जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। इस हमले में 26 लोग मारे गए हैं। पाकिस्तान, चीन, जर्मनी, संयुक्त अरब अमीरात और श्रीलंका के विदेश कार्यालयों ने भी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत में ट्रंप ने आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की तथा इस जघन्य हमले के दोषियों को न्याय के दायरे में लाने के लिए भारत को पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उन्होंने (ट्रंप ने) जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले में निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की। पोस्ट में कहा गया, भारत और अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हैं। इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था, कश्मीर से बहुत परेशान करने वाली खबर आई है। आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ अमेरिका मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा, हम मारे गए लोगों की आत्मा की शांति और घायलों के स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी और भारत के लोगों के साथ हमारा पूरा समर्थन और गहरी सहानुभूति है।

हमारी संवेदनाएं आपके साथ हैं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी को भेजे अपने संदेश में संवेदना व्यक्त की और कहा कि इस क्रूर अपराध का कोई औचित्य नहीं है तथा इसके दोषियों को उचित सजा मिलनी चाहिए। पुतिन ने आतंकवाद के सभी स्वरूपों से लड़ने में भारतीय भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाने की रूस की प्रतिबद्धता दोहराई। इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि वह इस बर्बर आतंकवादी हमले से बहुत दुखी हैं जिसमें दर्जनों निर्दोष लोग मारे गए और घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। इजराइल आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि वह पहलगाम में आतंकवादी हमले से बहुत दुखी हैं और उन्होंने प्रभावित परिवारों, घायलों, सरकार और भारतीय लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। यह हमला ऐसे वक्त हुआ है जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस भारत की यात्रा पर हैं। वेंस ने इस जघन्य आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर लिखा, उषा और मैं भारत के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। पिछले कुछ दिनों में हम इस देश की खूबसूरती और इसके लोगों से अभिभूत हैं। हम इस भयावह हमले में लोगों के मारे जाने से शोकाकुल हैं और हमारी संवेदनाएं उनके साथ हैं। इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उनका देश जम्मू कश्मीर में पर्यटकों पर आतंकवादी हमले से अत्यंत दुखी है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए सशस्त्र हमले की कड़ी निंदा की और इस बात पर जोर दिया है कि नागरिकों के खिलाफ हमले किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार्य हैं। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, महासचिव 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में हुए सशस्त्र हमले की कड़ी निंदा करते हैं गुतारेस ने पीड़त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। दुजारिक ने कहा, महासचिव ने जोर देकर कहा कि नागरिकों के खिलाफ हमले किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार्य हैं। यूरोपीय संघ के विदेश मामलों और सुरक्षा नीति के उच्च प्रतिनिधि काजा कालास ने भी एक्स पर एक पोस्ट में हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, मैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले की निंदा करता हूं, जिसमें कई निर्दोष लोगों की जान चली गई। पीड़ित परिवारों और भारत के लोगों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। यूरोपीय संघ आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ है। जर्मनी के विदेश कार्यालय ने इसे क्रूर हमला करार दिया कहा कि निर्दोष लोगों की हत्या का कोई औचित्य नहीं है। संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। बयान में कहा गया कि यूएई इन आपराधिक कृत्यों की कड़ी निंदा करता है तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कर सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करने के उद्देश्य से की गई हिंसा और आतंकवाद के सभी रूपों को स्थाई रूप से अस्वीकार करता है। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने हमले की निंदा की और जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने की आतंकवादी हमले की निंदा

ब्रसेल्स। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेएन ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और कहा कि यूरोप भारत के साथ है। पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 पर्यटक मारे गए हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने बुधवार सुबह एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पहलगाम में आज हुए जघन्य आतंकी हमले ने कई मासूम लोगों की जान ले ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और शोकाकुल हर भारतीय के साथ मेरी गहरी संवेदनाएं। उन्होंने कहा, मैं जानती हूं कि भारत की भावना को तोड़ा नहीं जा सकता। आप इस मुश्किल समय में मजबूती से खड़े रहेंगे और यूरोप आपके साथ है। मंगलवार दोपहर को पहलगाम में आतंकवादियों ने गोलीबारी की जिसमें 26 लोग मारे गए जिनमें ज़्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा में हुए आतंकवादी हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला है। मारे गए लोगों में एक यूएई और एक नेपाल का नागरिक भी शामिल है।

पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले में पर्यटकों की मौत पर शोक जताया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बुधवार को कहा कि वह जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में पर्यटकों के मारे जाने पर शोक व्यक्त करता है। मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोग मारे गए जिनमें से ज्यादातर पर्यटक हैं। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ने हमले के बारे में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, हम अनंतनाग जिले में हुए हमले में पर्यटकों की जान जाने से चिंतित हैं। हम मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटन स्थल पर मंगलवार को आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए। मृतकों में ज्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के सहयोगी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने मंगलवार को हमले की जिम्मेदारी ली। अधिकारियों ने कहा कि यह संभव है कि आतंकवादी समूह के सदस्य जम्मू के किश्तवाड़ से दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग के रास्ते बैसरन पहुंचे हों। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने कुछ दिन पहले कश्मीर को पाकिस्तान की गले की नस बताया था, जिस पर नई दिल्ली की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई थी।

चीन ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की

बीजिंग। चीन ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की बुधवार को कड़ी निंदा की। इस हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां मीडिया को भारत में हुए इस हमले के संबंध में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा, चीन ने इन खबरों पर गौर किया है। उन्होंने कहा, हम इस हमले की कड़ी निंदा करते हैं और आतंकवाद के सभी रूपों का चीन पूरी दृढ़ता से विरोध करता है। हम मारे गए लोगों के लिए शोक व्यक्त करते हैं और शोक संतप्त परिवारों एवं घायलों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। इसके अलावा, भारत में चीन के राजदूत जू फेइहोंग ने भी हमले की निंदा की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, पहलगाम में हुए हमले से स्तब्ध हूं और इसकी निंदा करता हूं। उन्होंने कहा, पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना और घायलों तथा शोक संतप्त परिवारों के प्रति सच्ची सहानुभूति। सभी प्रकार के आतंकवाद का विरोध करते हैं। कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटन स्थल पर मंगलवार को आतंकवादियों के हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए। मृतकों में ज्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला है।

भारत में दो रिफाइनरियां स्थापित करने के लिए सहयोग करने पर सहमति जताई

मोदी ने सऊदी क्राउन प्रिंस से बातचीत की, दोनों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की निंदा की

» जेद्दा, भाषा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। दोनों नेताओं ने भारत और सऊदी अरब के बीच दोस्ती को और मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित रणनीतिक साझेदारी परिषद की बैठक की सह-अध्यक्षता की और इसी बैठक में उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। प्रधानमंत्री ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद मंगलवार रात को अपनी दो दिवसीय यात्रा को संक्षिप्त करने का फैसला किया और नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। पहले प्रधानमंत्री मोदी का बुधवार रात को भारत लौटने का कार्यक्रम था। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। मोदी ने कश्मीर की स्थिति का आकलन करने के लिए क्राउन प्रिंस के साथ अपनी निर्धारित बैठक भी कम से कम दो घंटे के लिए स्थगित कर दी। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने रक्षा सहित दो नई मंत्रिस्तरीय समितियां बनाईं और भारत में दो रिफाइनरियां स्थापित करने के लिए सहयोग करने पर सहमति जताई।

उन्होंने अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, डोपिंग रोधी शिक्षा और डाक सहयोग के क्षेत्रों में चार समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा,चर्चाएं रक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा और लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशने पर केंद्रित रहीं, ताकि भारत-सऊदी अरब द्विपक्षीय संबंधों को और गहराई दी जा सके। पोस्ट में कहा गया है कि मोदी और क्राउन प्रिंस ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों तथा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईईसी) पहल के तहत जारी सहयोग पर भी विचार साझा किए। इससे पहले, मोदी का अल सलाम पैलेस में औपचारिक स्वागत किया गया, जहां क्राउन प्रिंस मोहम्मद ने उनका स्वागत किया। सरकारी सऊदी प्रेस एजेंसी द्वारा साझा की गई तस्वीरों के अनुसार, दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गले लगाकर एक-दूसरे का अभिवादन किया। इसके बाद विस्तृत द्विपक्षीय चर्चा हुई और रणनीतिक साझेदारी परिषद की बैठक हुई, जिसकी स्थापना द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री की 2019 की यात्रा के दौरान की गई थी। सऊदी अरब में भारतीय राजदूत सुहेल एजाज खान ने कहा कि बैठक की शुरुआत में भारत में हुए दुर्भाग्यपूर्ण आतंकी हमले का उल्लेख किया गया। राजदूत ने कहा, दोनों नेताओं ने आतंकी हमले की निंदा की। क्राउन प्रिंस ने अपनी संवेदना जताई और इस संबंध में हमें हरसंभव मदद की पेशकश की।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की है। स्टॉर्मर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कश्मीर में हुआ भयानक आतंकवादी हमला बेहद विनाशकारी है। मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों, उनके प्रियजनों और भारत के लोगों के साथ हैं। आतंकवादियों ने मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल पहलगाम में हमला किया जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमले के बाद सऊदी अरब की अपनी यात्रा बीच में ही समाप्त कर बुधवार को भारत लौट आए। विदेश मंत्री डेविड लैमी ने भी इस हमले को कायरतापूर्ण कृत्य बताया है। लैमी ने कहा, मैं कश्मीर में हुए भयानक और कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले से स्तब्ध हूं। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जो इस हमले में प्रभावित हुए हैं, खासकर उन लोगों के साथ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।

राष्ट्रमंडल राष्ट्रों की महासचिव शर्ली अयोर्कर बोचवे ने एक बयान जारी कर कहा कि संगठन इस समय भारत के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। उन्होंने कहा, राष्ट्रमंडल एक स्वर में कहता है कि आतंकवादी शांति, समावेशिता, सहिष्णुता, सम्मान और समझ के हमारे मूल्यों को कमजोर करने के अपने विभाजनकारी मिशन में सफल नहीं होंगे। उन्होंने कहा, हम आतंकवाद के सभी कृत्यों की निंदा करते हैं, चाहे वे किसी भी रूप में हों या जहां भी हों या किसी के द्वारा भी किए गए हों, जिसके परिणामस्वरूप लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी हो। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने इस क्षेत्र की यात्रा को लेकर अपने परामर्श में कहा, एफसीडीओ ने जम्मू-कश्मीर क्षेत्र (पहलगाम, गुलमर्ग, सोनमर्ग, श्रीनगर शहर और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग समेत) की यात्रा न करने की सलाह दी है। इस बीच, ब्रिटेन में प्रवासी समूहों ने भी लोकप्रिय पर्यटक स्थल में पर्यटकों की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना की सोशल मीडिया पर निंदा की। फ्रेंड्स ऑफ इंडिया सोसाइटी इंटरनेशनल (एफआईएसआई) ने एक बयान में कहा, एफआईएसआई यूके जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है।

न्यूज ब्रीफ

पोप पसिस की पार्थिव देह अंतिम दर्शन के लिए सेंट पीटर्स बेसिलिका ले जाने की रस्म शुरू

» वेटिकन सिटी, भाषा।

कैथलिक पादरियों ने बुधवार को पोप फ्रांसिस के पार्थिव शरीर को वेटिकन होटल में उनके घर से तीन दिन तक उनके सार्वजनिक अंतिम दर्शन के लिए सेंट पीटर्स बेसिलिका में स्थानांतरित करने की रस्म संपन्न की। नए पोप के चुने जाने तक वेटिकन प्रशासन का कामकाज देख रहे कार्डिनल केविन फेरेल ने डोमस सेंटा मार्टा होटल के चैपल में समारोह की अध्यक्षता की, जहां फ्रांसिस रहते थे। लाल रंग के परिधान और टोपी पहने पादरियों ने प्रार्थना की। फ्रांसिस के ताबूत के दोनों ओर चार स्विस गार्ड खड़े थे। बाहर, लंबी मोमबत्तियां लिए पादरी जुलूस का नेतृत्व करने के लिए प्रतीक्षा कर रहे थे। बेसिलिका में इस जुलूस को प्रवेश करते हुए देखने के लिए सेंट पीटर्स स्क्वायर पर आम लोग उमड़ पड़े।

वेटिकन निवासियों और पोप के परिवार के लिए निजी दर्शन के वास्ते फ्रांसिस की पार्थिव देह को पहली बार सेंटा मार्टा डोमस में रखा गया। शनिवार को सेंट पीटर्स स्क्वायर में होने वाले फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों के शामिल होने की उम्मीद है, लेकिन तीन दिन तक चलने वाला यह सार्वजनिक अंतिम दर्शन मुख्य रूप से आम कैथलिकों के लिए है जो 88 वर्षीय पोप के निधन के बाद शोक में शामिल होना चाहते हैं और उनकी अंतिम झलक पाना चाहते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी पोप के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए शुक्रवार सुबह वाशिंगटन से रोम रवाना होने की योजना बना रहे हैं। वह अंतिम संस्कार संपन्न होने के बाद शनिवार शाम को लौट जाएंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत में राष्ट्रपति के यात्रा कार्यक्रम की जानकारी दी।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर विराम लगाने के लिए लंदन में होने वाली अहम बैठक टली

» कीव , भाषा।

रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से चल रहे युद्ध के समापन के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में प्रगति के नाममात्र संकेत के बीच इन दोनों देशों के बीच संघर्षविराम समझौते को लेकर ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस और यूक्रेन के राजनयिकों के बीच निर्धारित बैठक आखिरी घड़ी में टल गई। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने घोषणा की थी कि लंदन में होने वाली वार्ता में केवल निचले स्तर के अधिकारी ही शामिल होंगे। उससे पहले मंगलवार को अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा था कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के चलते इसमें भाग लेने में असमर्थ हैं। रुबियो के अचानक पीछे हटने से वार्ता की दिशा को लेकर संदेह पैदा हो गया।

यह तब हुआ जब यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेन्स्की ने किसी भी संभावित शांति समझौते के हिस्से के रूप में रूस को अपने देश का कोई भी इलाका सौंपने से इनकार कर दिया और इसे एक बेकार की बात कहा। यूक्रेनी नेता ने मंगलवार को उन खबरों के जवाब में यह बात कही, जिनमें कहा गया था कि ट्रंप प्रशासन एक ऐसे सौदे का प्रस्ताव पेश करने जा रहा है, जो रूस को संभावित शांति समझौते के हिस्से के रूप में, कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्र को अपने पास रखने की अनुमति देगा। वार्ताकार तो 30 दिन का सीमित युद्धविराम भी सुनिश्चित नहीं कर पाए क्योंकि दोनों पक्ष 1,000 किलोमीटर लंबी अग्रिम सीमा पर एक-दूसरे पर लगातार आक्रमण कर रहे हैं। क्षेत्रीय प्रमुख सेरही ल्यासक ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा कि बुधवार सुबह पूर्वी यूक्रेन में दि्नप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र के मार्गनेत्स में एक रूसी ड्रोन ने श्रमिकों को ले जा रही बस पर हमला किया, जिसमें सात महिलाओं और दो पुरुषों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस हमले में 40 से अधिक लोग घायल भी हो गए। अमेरिकी योजना में बदलाव के बावजूद यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल लंदन पहुंचा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध को समाप्त करने पर जोर दिया है और पिछले सप्ताह कहा कि वार्ता अपने चरम पर पहुंच रही है। हालांकि, इससे पहले रुबियो ने कहा था कि अगर वार्ता में प्रगति नहीं होती है तो अमेरिका जल्द ही वार्ता से पीछे हट सकता है। रुबियो ने संकेत दिया था कि बुधवार की बैठक यह निर्धारित करने में निर्णायक हो सकती है कि ट्रंप प्रशासन इसमें शामिल रहेगा या नहीं। बैठक के लिए अब भी भाग लेने को यूक्रेन और रूस के लिए ट्रंप के दूत सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल कीथ केलॉग हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक ने एक्स पर कहा कि बदलावों के बावजूद उनके, विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा और रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव का एक प्रतिनिधिमंडल वार्ता के लिए लंदन पहुंच गया है। यरमक ने कहा, शांति का मार्ग आसान नहीं है, लेकिन यूक्रेन शांतिपूर्ण प्रयासों के लिए प्रतिबद्ध रहा है और रहेगा। रूसी अधिकारियों के अनुसार, अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के इस सप्ताह के अंत में फिर से मास्को आने की उम्मीद है। ज़ेलेंस्की ने मास्को को यूक्रेन के इलाके सौंपने से इनकार कर दिया। लंदन में योजनाओं में अचानक बदलाव इस अटकल के बीच हुआ कि अमेरिका संभावित शांति समझौते के तहत यूक्रेन पर रूस को उसके कब्जे वाले इलाके सौंपने के लिए दबाव डालेगा।

मरमारा सागर में भूकंप से इस्तांबुल हिला, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

» इस्तांबुल, भाषा।

तुर्किए की आपात प्रबंधन एजेंसी ने बुधवार को बताया कि इस्तांबुल में 6.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि किसी तरह के नुकसान या किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 6.2 थी और इसकी गहराई 10 किलोमीटर थी।एजेंसी ने बताया कि भूकंप का केंद्र इस्तांबुल से लगभग 40 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में मरमारा सागर में था।

खबर के अनुसार, भूकंप के झटके कई पड़ोसी क्षेत्रों में महसूस किए गय। तुर्किए में अक्सर भूकंप आते रहते हैं। तुर्किए में छह फरवरी, 2023 को 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके कुछ घंटों बाद आए दूसरे शक्तिशाली भूकंप ने तुर्किए में सैकड़ों इमारतों को नष्ट कर दिया। भूकंप में 53,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। पड़ोसी सीरिया में 6,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

यमन के हूती विद्रोहियों ने उत्तरी इजराइल को निशाना बनाकर मिसाइल दागी

दुबई। यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार को तड़के इज़राइल के उत्तरी क्षेत्र की ओर मिसाइल दागी। इज़राइली सेना के अनुसार, मिसाइल को इंटरसेप्टर के ज़रिए सफलतापूर्वक मार गिराया गया। यह हमला उस वक्त हुआ है जब अमेरिका पिछले एक महीने से हूती विद्रोहियों पर लगातार हवाई हमले कर रहा है। इजराइली सेना के अनुसार, हमले के बाद हाइफा, क्रायोट और गलील सागर के पश्चिमी इलाकों में सायरन बजाए गए और लोगों ने धमाकों की आवाजें सुनीं। हूती विद्रोहियों ने हमले की तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली है। आमतौर पर वे हमलों की पुष्टि में देरी करते हैं। अमेरिकी हवाई हमले बुधवार को जारी रहे। हूती विद्रोहियों के अनुसार, होदेदा, मारीब और सादा प्रांत में हमले किए गए, जिनमें मारीब में दूरसंचार उपकरणों को भी निशाना बनाया गया। ये उपकरण पहले अमेरिकी हमलों के केंद्र में रहे हैं। इस बीच, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ताजा हमलों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हूती समूह भी नियंत्रित इलाकों की जानकारी साझा नहीं कर रहा है।

शेनझोउ-20 चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम का 35वां उड़ान मिशन

चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन पर तीन अंतरिक्ष यात्रियों को भेजेगा

» बीजिंग, भाषा।

चीन बृहस्पतिवार को अपने 10वें अंतरिक्ष दिवस के मौके पर अपने अंतरिक्ष स्टेशन पर तीन अंतरिक्ष यात्रियों को भेजेगा, जो पिछले छह महीने से स्टेशन पर तैनात अपने सहयोगियों की जगह लेंगे। यह घोषणा बुधवार को की गई। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) के प्रवक्ता लिन जिकियांग ने उत्तर-पश्चिम चीन के जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र में संवाददाताओं को बताया कि चालक दल के साथ शेनझोउ-20 अंतरिक्ष मिशन को बृहस्पतिवार को बीजिंग के समयानुसार शाम 5:17 बजे इस केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा।

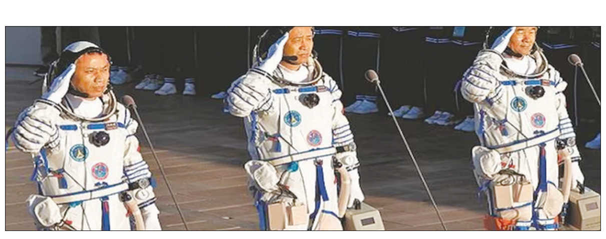

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि अंतरिक्ष यान में तीन अंतरिक्ष यात्री होंगे - चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जी। चेन डोंग कमांडर के रूप में कार्य करेंगे। लिन ने कहा कि चालक दल जेब्राफिश , सूक्ष्म जीव प्लैनेरियन और एक तरह के बैक्टीरिया स्ट्रेप्टोमाइस से जुड़े नए प्रयोग करेगा। चीन ने 24 अप्रैल, 1970 को अपने पहले उपग्रह, डोंगफैंगहोंग-1 के सफल प्रक्षेपण को चिह्नित करने के लिए 2016 में इस दिन को अपना अंतरिक्ष दिवस घोषित किया था। शेनझोउ-20 चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम का 35वां उड़ान मिशन है, और चीन के अंतरिक्ष स्टेशन के अनुप्रयोग और विकास चरण के दौरान पांचवां चालक दल मिशन है। चालक दल इस साल अक्टूबर के अंत में उत्तरी चीन में डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर लौट सकता है। चीन ने अपना अंतरिक्ष स्टेशन तब बनाया जब कथित तौर पर इसे इन चिंताओं के बीच अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से बाहर कर दिया गया कि चीन के अंतरिक्ष कार्यक्रम को उसकी सेना, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा संचालित किया जाता है। यह वर्तमान में एकमात्र ऐसा देश है जिसका अपना अंतरिक्ष स्टेशन है जबकि आईएसएस कई देशों की संयुक्त परियोजना है।

अपने अंतरिक्ष स्टेशन के संयुक्त मिशन के लिए दो पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षण देगा चीन

बीजिंग। चीन की मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी ने बुधवार को घोषणा की कि देश के अंतरिक्ष स्टेशन के एक संयुक्त मिशन में भाग लेने के लिहाज से चीन में अंतरिक्ष उड़ान प्रशिक्षण के लिए पाकिस्तान के दो अंतरिक्ष यात्रियों को चुना जाएगा। सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने चीन की मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी .... सीएमएसए) के हवाले से कहा कि दोनों पाकिस्तानियों में से एक को पेलोड विशेषज्ञ के तौर पर संयुक्त अंतरिक्ष मिशन में भाग लेने का मौका मिलेगा। सीएमएसए प्रवक्ता ने उत्तर पमि चीन के जिउक्युआन में मीडिया से बातचीत में यह जानकारी दी।फरवरी में, सीएमएसए ने घोषणा की थी कि चीन अपने मित्र देश पाकिस्तान से एक अंतरिक्ष यात्री को अपने अंतरिक्ष स्टेशन पर पहले विदेशी मेहमान के रूप में भेजने की योजना बना रहा है, जो वर्तमान में पृथ्वी से 400 किलोमीटर ऊपर कक्षा में चक्कर लगा रहा है।

विश्व आर्थिक मंच ने संस्थापक क्लॉस श्वाब के खिलाफ स्वतंत्र जांच शुरू करने का समर्थन किया

» जिनेवा, भाषा।

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने कहा है कि उसके निदेशक मंडल ने संस्थापक क्लॉस श्वाब पर गड़बड़ी के आरोपों की स्वतंत्र जांच के लिए सर्वसम्मति से समर्थन दिया है। डब्ल्यूईएफ ने स्विट्जरलैंड के दावोस में वार्षिक सभा आयोजित किया है। मंगलवार देर रात जिनेवा स्थित डब्ल्यूईएफ का बयान समाचार पत्र वॉल स्ट्रीट जर्नल में प्रकाशित एक रिपोर्ट के बाद आया, जिसमें 87 वर्षीय श्वाब और उनकी पत्नी हिल्डे द्वारा वित्तीय और नैतिक गड़बड़ी करने का आरोप लगाने वाले एक व्हिसल ब्लोअर पत्र का हवाला दिया गया था। समाचार पत्र ने बताया कि ये आरोप पिछले सप्ताह बोर्ड को एक गुमनाम पत्र में भेजे गए थे। पत्र में दावा किया गया था कि श्वाब परिवार ने अपने व्यक्तिगत मामलों को मंच के संसाधनों के साथ मिला दिया।

एसोसिएटेड प्रेस (एपी) को भेजे गए एक बयान में मंच ने कहा कि बोर्ड ने जोखिम और लेखा परीक्षा समिति द्वारा जांच शुरू करने के निर्णय पर सहमति व्यक्त की है। बोर्ड में पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति अल गोर, जॉर्डन की रानी रानिया और यूरोपीय केंद्रीय बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टीन लेगार्ड शामिल हैं। बयान में कहा गया, हालांकि मंच इन आरोपों को गंभीरता से लेता है, लेकिन वह इस बात पर जोर देता है कि येआरोप अभी तक साबित नहीं हुए हैं, तथा आगे कोई टिप्पणी करने से पहले जांच के परिणाम की प्रतीक्षा की जाएगी। हालांकि, इस संदर्भ में फिलहाल श्वाब या उनके जुड़े व्यक्ति से संपर्क नहीं हो पाया है। ये आरोप मंच द्वारा यह घोषणा किए जाने के दो दिन बाद सामने आए कि श्वाब चेयरमैन के पद से तत्काल प्रभाव से सेवानिवृत्त हो गए हैं, और नेस्ले के पूर्व चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर ब्रेबेक-लेटमैथे अंतरिम चेयरमैन के रूप में कार्यभार संभाल रहे हैं।